MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 16 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-255

UPI नि:शुल्क नहीं

75 हजार से ज्यादा पर लगेगा

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। अधिकतर लोगों की सुबह की शुरुआत आजकल यूपीआई से होती है। दूध-सब्जी खरीदने से लेकर ऑनलाइन खरीदारी तक यूपीआई आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरत बन चुका है। ऐसे में यूपीआई पर शुल्क लगने की खबर सामने आने के बाद आम आदमी के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि इसका उसकी जेब पर कितना असर पड़ेगा। राहत की बात यह है कि नए नियमों के तहत आम ग्राहक को यूपीआई भुगतान के लिए कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा। नया मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) ढांचा 15 अक्टूबर 2026 से लागू होगा और इसका शुल्क चुनिंदा व्यापारी लेन-देन पर व्यापारी से लिया जाएगा।

आपका भुगतान, कारोबारी पर भार

भुगतान	शुल्क (MDR)	कारोबारी पर भार
₹2,000	0%	₹0
₹3,000	0.40%	₹12
₹50,000	0. 40%	₹200
₹75,000 या अधिक	-	₹300 (फिक्स)

नोट: कुछ श्रेणी में छोटे कारोबारियों को MDR के दायरे से बाहर रखा गया है।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने 2,000 रुपये से अधिक के व्यक्ति से व्यापारी को किए जाने वाले यूपीआई भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर निर्धारित किया है। व्यक्ति से व्यक्ति के बीच होने वाले यूपीआई लेन-देन पहले की तरह पूरी तरह नि:शुल्क रहेंगे।

1. आम ग्राहक के लिए यूपीआई रहेगा नि:शुल्क

अगर आप रोजमर्रा के सामान, दूध, सब्जी, राशन, ऑटो-कैब या ऑनलाइन खरीदारी के लिए यूपीआई का इस्तेमाल करते हैं, तो आपके लिए राहत की सबसे बड़ी खबर यह है कि यूपीआई भुगतान पर आपको कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा।

दोस्त या रिश्तेदार को पैसे भेजना: आप अपने किसी परिचित, दोस्त या परिजन को कितनी भी राशि भेजें, चाहे 100 रुपये हों या 1 लाख रुपये, व्यक्ति से व्यक्ति (पी2पी) लेन-देन पर कोई एमडीआर नहीं लगेगा। यह सुविधा पहले की तरह नि:शुल्क रहेगी।

दुकान पर भुगतान करना: जब आप किसी दुकान या ऑनलाइन मंच से सामान खरीदकर क्यूआर कोड स्कैन करते हैं या यूपीआई पहचान के जरिए भुगतान करते हैं, तो ग्राहक के तौर पर आपसे कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। एनपीसीआई के नए ढांचे के अनुसार एमडीआर व्यापारी पक्ष पर लागू होगा।

गूगल पे, फोनपे, पेटीएम या भीम जैसे यूपीआई ऐप के माध्यम से भुगतान करने वाले ग्राहकों पर इस एमडीआर का प्रत्यक्ष बोझ नहीं डाला जाएगा। भारत सरकार ने भी स्पष्ट किया है कि यूपीआई उपयोगकर्ताओं से लेन-देन शुल्क नहीं लिया जाएगा।

2. एमडीआर क्या है और किस पर लागू होगा?

एमडीआर यानी मर्चेंट डिस्काउंट रेट वह शुल्क है जो डिजिटल भुगतान स्वीकार करने वाले व्यापारी से भुगतान व्यवस्था में जुड़े बैंक एवं सेवा प्रदाताओं को मिलता है। यूपीआई पर लंबे समय से शून्य एमडीआर व्यवस्था लागू थी। अब 15 अक्टूबर 2026 से चुनिंदा बड़े व्यापारी भुगतानों के लिए नया एमडीआर ढांचा लागू किया जा रहा है।

2,000 रुपये तक का व्यापारी लेन-देन नि:शुल्क: 2,000 रुपये तक के यूपीआई व्यापारी भुगतान पर एमडीआर नहीं लगेगा। इससे रोजमर्रा के छोटे भुगतान प्रभावित नहीं होंगे। ऐसे लेन-देन यूपीआई के कुल व्यापारी लेन-देन में 95 प्रतिशत से अधिक हैं।

2,000 रुपये से अधिक के बड़े व्यापारी भुगतान: 2,000 रुपये से अधिक के सामान्य व्यापारी भुगतान पर 0.4 प्रतिशत एमडीआर लगेगा। उदाहरण के लिए 3,000 रुपये के लेन-देन पर व्यापारी को 12 रुपये और 5,000 रुपये के लेन-देन पर 20 रुपये एमडीआर देना होगा। यह राशि ग्राहक से अलग से नहीं ली जानी है।

अधिकतम एमडीआर की सीमा: 75,000 रुपये या उससे अधिक के लेन-देन पर एमडीआर की अधिकतम सीमा 300 रुपये प्रति लेन-देन तय की गई है। यानी 1 लाख रुपये के भुगतान पर 0.4 प्रतिशत के हिसाब से 400 रुपये बनते हैं, लेकिन निर्धारित अधिकतम सीमा के कारण शुल्क 300 रुपये ही होगा।

3. छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों को राहत

सब्जी बेचने वाले, चाय दुकानदार, छोटे किराना व्यापारी और ऑटो चालक बड़े पैमाने पर क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे छोटे कारोबारियों को भी नए ढांचे में राहत दी गई है।

पी2पीएम श्रेणी में 1 लाख रुपये मासिक तक छूट: जिन छोटे दुकानदारों एवं विक्रेताओं की यूपीआई क्यूआर कोड के माध्यम से मासिक कुल प्राप्ति 1 लाख रुपये तक है, उन्हें व्यक्ति से छोटे व्यापारी (पी2पीएम) श्रेणी में रखा गया है। ऐसे पात्र छोटे व्यापारियों के लेन-देन पर एमडीआर शून्य रहेगा, भले ही कोई लेन-देन 2,000 रुपये से अधिक का हो।

आंकड़ों के मुताबिक यूपीआई के कुल व्यापारी लेन-देन में 2,000 रुपये या उससे कम राशि वाले लेन-देन 95 प्रतिशत से अधिक हैं। ▶8 पर

राजस्थान में भाजपा के गढ हिले

यूजीसी असरदार

जयपुर, 15 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के नगरीय निकाय चुनाव के नतीजों में स्थानीय मुद्दों के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के प्रस्तावित जाति आधारित नियमों को लेकर अगड़ी जातियों, खासकर राजपूत समाज के एक हिस्से की नाराजगी का असर देखने को मिलने का दावा किया जा रहा है। भाजपा के परंपरागत अगड़ी जाति के मतदाताओं के बीच यूजीसी के मुद्दे को लेकर चुनाव से पहले विरोध-प्रदर्शन भी हुए थे। नतीजों में कई राजपूत बहुल और भाजपा के मजबूत माने जाने वाले इलाकों में निर्दलीय उम्मीदवारों के प्रदर्शन ने पार्टी की चिंता बढ़ाई है।

हालांकि, भाजपा के लिए राहत की बात यह रही कि नाराज बताए जा रहे मतदाताओं का बड़ा हिस्सा सीधे कांग्रेस की ओर जाता हुआ नहीं दिखा। कई जगह निर्दलीय उम्मीदवारों को समर्थन मिला, जबकि कुछ मतदाताओं ने नोटा का विकल्प भी चुना। ऐसे में भाजपा को नुकसान तो हुआ, लेकिन इसका पूरा फायदा कांग्रेस नहीं उठा सकी।

झालावाड़ से जोधपुर तक दिखे बदले समीकरण

भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे के प्रभाव वाले झालावाड़ में कांग्रेस की जीत ने भाजपा को झटका दिया है। वहीं केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के जोधपुर में मुकाबला बराबरी पर अटक गया और बोर्ड बनाने में निर्दलीयों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के विद्याधर नगर क्षेत्र में भी भाजपा के प्रदर्शन में गिरावट दर्ज की गई। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक यहां भाजपा के जीते वार्डों का अनुपात करीब 64.3 प्रतिशत से घटकर 60 प्रतिशत रह गया, जबकि करीब 20 प्रतिशत वार्ड निर्दलीयों के खाते में गए।

उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ के झोटवाड़ा क्षेत्र में भाजपा का वार्ड शेयर करीब 63 प्रतिशत से घटकर 53 प्रतिशत रह गया। यहां करीब 23 प्रतिशत वार्ड निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीते।

करणी सेना ने बताया भाजपा के लिए 'चेतावनी'

यूजीसी के मुद्दे पर राज्यभर में आंदोलन कर रही करणी सेना ने चुनाव परिणामों को भाजपा के लिए चेतावनी बताया है। करणी सेना के अध्यक्ष महिपाल सिंह मकराना का दावा है कि यदि प्रस्तावित नियम वापस नहीं लिए गए तो भाजपा को आगे और गंभीर राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

मकराना ने दावा किया कि जयपुर में ऐसे 21 उम्मीदवारों को संगठन ने समर्थन दिया, जिन्होंने यूजीसी से जुड़े प्रस्ताव का विरोध करने की बात लिखित रूप में दी थी। संगठन का दावा है कि अन्य स्थानों पर भी उसने कई निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन किया।

ताजा रिपोर्टों के अनुसार, मकराना ने दावा किया है कि संगठन ने चुनाव के दौरान 1,500 से अधिक निर्दलीय उम्मीदवारों का समर्थन किया और विजयी निर्दलीयों में बड़ी संख्या ऐसे उम्मीदवारों की थी, जिन्हें यूजीसी नियमों की वापसी के मुद्दे पर समर्थन मिला था। हालांकि, भाजपा के प्रवक्ता ने निर्दलीयों के प्रदर्शन को किसी एक अभियान से जोड़ने पर आपत्ति जताई और कहा कि स्थानीय निकाय चुनावों में निर्दलीय उम्मीदवारों का मजबूत प्रदर्शन पहले भी देखा जाता रहा है।

कांग्रेस को क्यों नहीं मिला नाराजगी का पूरा फायदा?

नतीजों का एक दिलचस्प पहलू यह है कि भाजपा से नाराज बताए जा रहे मतदाताओं ने कई क्षेत्रों में कांग्रेस को विकल्प बनाने के बजाय निर्दलीय उम्मीदवारों का रुख किया। यही वजह रही कि भाजपा के परंपरागत गढ़ों में निर्दलीयों की मौजूदगी बढ़ने के बावजूद कांग्रेस ▶8 पर

भाजपा MLA को खुले मंच से चुनौती

ओवैसी शूरमा भोपाली!

भोपाल, 15 सितंबर (एजेंसियां)। समान नागरिक संहिता के विरोध में आयोजित जनसभा को संबोधित करने भोपाल पहुंचे एआईएमआईएम प्रमुख एवं सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी के स्थानीय विधायक रामेश्वर शर्मा के एक विवादित बयान पर तीखा पलटवार किया। राजधानी के सेंट्रल लाइब्रेरी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ओवैसी के तेवर बेहद तल्ख नजर आए और उन्होंने भाजपा विधायक को खुले मंच से सीधी चुनौती दे डाली। ओवैसी ने भोपाल के मंच से हमला बोलते हुए कहा, ''आप करोंद चौराहे से काजी कैंप पर मिसाइल गिराने की बात करते हो। रामेश्वर शर्मा, तुम माई के लाल हो तो बताओ कब प्रक्षेपित करोगे? मैं अकेला काजी कैंप में ठहरता हूं, तुम्हारे अंदर दम है तो गिराकर बताओ। आपके जैसे लोगों से मैं डरने वाला नहीं हूं।''

ओवैसी ने कहा कि रामेश्वर शर्मा को काजी कैंप का इतिहास मालूम होना चाहिए। उन्होंने आजादी की लड़ाई में योगदान देने वाले काजी सैयद आबेद अली, वाजिद अली हुसैनी, खान शाहिद अली खान, वाजिल मोहम्मद खान, अब्दुल खान, शेख रमजान, सादाद खान और रिसालदार वली शाह जैसे सेनानियों के नाम गिनाए।

दरअसल, कुछ दिन पूर्व एक मटकी फोड़ कार्यक्रम के दौरान भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कथित तौर पर विवादित टिप्पणी करते हुए कहा था कि ''करोंद चौराहे से मिसाइल चलाओ तो काजी कैंप पर गिरे।'' ▶8 पर

सऊदी बे'चारा'

अब इजराइल से माँगी मदद

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। यमन में हूती लड़ाकों के हमलों के बाद सऊदी अरब बड़े संकट का सामना कर रहा है। सऊदी अरब के सहयोगी देशों, खास तौर पर मक्का समझौते के साझेदार पाकिस्तान के कथित तौर पर यमन संकट में हस्तक्षेप से इनकार करने के बाद रियाद ने इजरायल से मदद मांगी है, जिसे वह स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता भी नहीं देता।

तेल अवीव के दैनिक अखबार 'द जेरूसलम पोस्ट' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इजरायल और सऊदी अरब के बीच अमेरिका की सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) की मध्यस्थता में बातचीत हुई। इसका उद्देश्य खुफिया सहायता के जरिए सऊदी अरब को हूती सैन्य बलों से बचाव में मदद करना था। वहीं, इजरायल के एक अन्य अखबार 'इजरायल हायोम' ने बताया कि सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने हूती हमलों के खिलाफ दूसरे खाड़ी देशों और मिस्र से भी मदद मांगी थी। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब के प्रधानमंत्री एवं क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से जुड़े खतरों को लेकर खुफिया सहायता के लिए अमेरिका के जरिए इजरायल से अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क किया था।

सऊदी अरब इजरायल को स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता नहीं देता और यरुशलम के साथ उसके राजनयिक संबंध भी नहीं हैं। इसके बावजूद इजरायल से अप्रत्यक्ष तौर पर मदद मांगना यमन में रियाद के सामने खड़े संकट की गंभीरता को दर्शाता है। सऊदी अरब की अपील का ज्यादा असर भी नहीं हुआ है। अमेरिका और ब्रिटेन ने यमन में अंसार अल्लाह के लड़ाकों पर सीधे हमले से इनकार किया है। इसके बजाय अमेरिका ने खुफिया सहायता और ब्रिटेन ने सैन्य सलाहकार देने की पेशकश की है।

वहीं, सऊदी अरब और तुर्की के साथ मक्का रक्षा गठबंधन का हिस्सा पाकिस्तान ने कथित तौर पर यमन में हूतियों से लड़ने के लिए अपने सैन्य संसाधन भेजने से इनकार कर दिया है। पाकिस्तान ने स्पष्ट किया है कि उसकी सेना सऊदी क्षेत्र की रक्षा के लिए तैनात की जा सकती है, लेकिन विदेशी जमीन पर लड़ाई में हिस्सा लेना उसकी 'लाल रेखा' है। हफ्तों तक सऊदी अरब के ऊर्जा ढांचे पर ड्रोन और मिसाइल हमले करने के बाद अंसार अल्लाह के लड़ाकों ने पिछले सप्ताह यमन में अचानक हमला किया। इस हमले में सऊदी समर्थित नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट का विरोध कमजोर पड़ गया और हूतियों ने लाल सागर के तट के साथ-साथ बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य के द्वीपों पर भी नियंत्रण कर लिया। ▶8 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 30^0
न्यूनतम : 24^0

आधे कांग्रेसी फेल!

सचिवों की क्लास में खुली पोल

नई दिल्ली, 15 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने मंगलवार को 10 जनपथ में हुई समीक्षा बैठक के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के 64 सचिवों का आकलन किया। दोनों नेताओं ने सचिवों से अपने-अपने राज्यों के शीर्ष पांच कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नाम बताने से लेकर एआईसीसी सचिव के सबसे अच्छे गुण को एक शब्द में बताने तक के सवाल पूछे। सूत्रों के मुताबिक, 64 मौजूदा एआईसीसी सचिवों को चार बैच में बांटा गया था। पहले बैच की बैठक सुबह करीब 11 बजे राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल के साथ हुई। यह समीक्षा कांग्रेस नेतृत्व की ओर से एआईसीसी सचिव के पद ▶8 पर

अमेरिका ने पहली बार मानी तैनाती

अंतरिक्ष में हथियार!

वॉशिंगटन डीसी, 15 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने पहली बार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने पृथ्वी की कक्षा में अंतरिक्ष-आधारित हथियार तैनात किए हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक ने सोमवार को इसकी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास कक्षा में ऐसे अंतरिक्ष नियंत्रण हथियार हैं, जो जरूरत पड़ने पर अमेरिकी संयुक्त सैन्य बलों को दुश्मन के हमले से बचाने में सक्षम हैं।

हालांकि, मिंक ने यह नहीं बताया कि ये हथियार किस प्रकार के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया था। उन्होंने कहा कि इन हथियारों से जुड़ी विस्तृत जानकारी सार्वजनिक करना अमेरिकी प्रतिरोधक क्षमता के लिहाज से उचित नहीं होगा।

अमेरिका का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में सैन्य क्षमता बढ़ाने की होड़ तेज हो रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस घोषणा से अंतरिक्ष में हथियारों की दौड़ और तेज हो सकती है।

अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की बढ़ती अंतरिक्ष सैन्य क्षमता को लेकर चिंता जताता रहा है। आधुनिक युद्ध में उपग्रह बेहद महत्वपूर्ण हो गए हैं। सेनाएं इनका इस्तेमाल संचार, नेविगेशन, खुफिया जानकारी जुटाने, लक्ष्य पहचानने और मिसाइलों की चेतावनी जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में करती हैं।

ऐसे में यदि किसी देश के उपग्रहों पर हमला होता है या उनकी सेवाओं को बाधित किया जाता है तो उसकी सैन्य क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसी वजह से बड़ी सैन्य शक्तियां अब केवल नए उपग्रह बनाने पर ध्यान नहीं दे रही हैं, बल्कि अपने अंतरिक्ष तंत्र की सुरक्षा और दूसरे देशों की अंतरिक्ष क्षमताओं को बाधित करने के उपाय भी विकसित कर रही हैं। ▶8 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

बलूचिस्तान में आतंकियों पर बड़ा प्रहार, पिशिन आपरेशन में छह ढेर

पिशिन

पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के पिशिन जिले के सरानन इलाके में सुरक्षा बलों ने खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए छह आतंकवादियों को मार गिराने का दावा किया है। अधिकारियों के अनुसार, मारे गए आतंकवादी नागरिकों पर हमलों और इलाके में हिंसक गतिविधियों में शामिल प्रतिबंधित बलूच आतंकवादी नेटवर्क से जुड़े थे।

बलूचिस्तान की आनलाइन समाचार नेटवर्क की बलूचिस्तान पल्स के मुताबिक, यह कार्रवाई 24 अगस्त को सरानन इलाके में एक निर्माणाधीन सड़क पर काम कर रहे मजदूरों पर हुए हमले के बाद की गई। पुलिस के मुताबिक, शुरुआती हमले में चार मजदूरों की मौत हुई थी। वहीं, गोलीबारी की एक अलग घटना में घायल एक अन्य मजदूर की बाद में मौत हो गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर छह हो गई।

सुरक्षा अधिकारियों के अनुसार, खुफिया जानकारी से सरानन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी और उनकी गतिविधियों का पता चला था। इनपुट के आधार पर सुरक्षा बलों ने इलाके में अभियान शुरू किया। कार्रवाई के दौरान सुरक्षाकर्मियों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें छह आतंकवादी मारे गए।

अधिकारियों का कहना है कि मारे गए आतंकवादी कथित तौर पर नागरिकों को निशाना बनाने और क्षेत्र में हिंसा की अन्य घटनाओं में शामिल थे। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

पिशिन और आसपास के इलाकों में हाल के दिनों में आतंकवादी गतिविधियों को लेकर सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ी है। सरानन में मजदूरों पर हमले के अलावा सरकारी प्रतिष्ठानों और सुरक्षा बलों को निशाना बनाने वाली घटनाएं भी सामने आती रही हैं।

बीते 20 अगस्त को प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने सरानन के कुछ हिस्सों पर कब्जे और सरकारी इमारतों पर नियंत्रण का दावा किया था। हालांकि, इस दावे की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और इसे फिलहाल केवल संगठन का दावा माना जा रहा है।

सुरक्षा बल बलूचिस्तान में आतंकवाद-विरोधी अभियान के तहत खुफिया जानकारी पर आधारित कार्रवाई कर रहे हैं। चगाई, मस्तुंग, खारान, वाशुक और अन्य जिलों में भी हाल के अभियानों में कथित उग्रवादी नेटवर्क को निशाना बनाया गया है।

पिशिन की कार्रवाई इसलिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि यह आम मजदूरों पर हुए हमले के बाद की गई। अधिकारियों का कहना है कि आतंकवादी हिंसा अब केवल सुरक्षा प्रतिष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों और क्षेत्र में जारी आर्थिक गतिविधियों के लिए भी गंभीर खतरा बनी हुई है।

न्यूज़ ब्रीफ

रूस के समर्थन में फिर खुलकर आया उत्तर कोरिया, सहयोग बढ़ाने का किया ऐलान

सियोल/प्योंगयांग। उत्तर कोरिया के राष्ट्रपति किम जोंग-उन ने रूस के साथ अपने देश के संबंधों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई है। सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, किम ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भेजे एक संदेश में दोनों देशों के बीच संयुक्त सहयोग को व्यापक स्तर पर बढ़ाने और गहरा करने का वादा किया। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के अनुसार, यह संदेश पुतिन की ओर से उत्तर कोरिया की स्थापना की 78वीं वर्षगांठ के मौके पर बीते 9 सितंबर को भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में दिया गया। किम ने पुतिन के संदेश के लिए उनका आभार व्यक्त किया और रूस के साथ सहयोग को आगे बढ़ाने की बात कही। किम ने अपने संदेश में कहा कि उत्तर कोरिया का लक्ष्य दोस्ती, अच्छे पड़ोसी संबंधों, आपसी सहयोग और दोनों देशों के बीच गठबंधन के मजबूत रिश्तों की परंपरा के आधार पर रूस के साथ संयुक्त कार्य को व्यापक रूप से बढ़ाना और गहरा करना है। हालांकि, किम ने यह स्पष्ट नहीं किया कि उनके द्वारा इस्तेमाल किए गए संयुक्त काम से किन क्षेत्रों में सहयोग की बात की जा रही है। माना जा रहा है कि इसमें दोनों देशों के बीच बढ़ता सैन्य और आर्थिक सहयोग शामिल हो सकता है। किम ने कहा कि दोनों देश ऐतिहासिक उथल-पुथल के बावजूद अपने गठबंधन के महान इतिहास का नया अध्याय लिख रहे हैं। उन्होंने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में रूस के लिए उत्तर कोरिया के अटूट समर्थन की प्रतिबद्धता भी दोहराई।

एससीओ रैट्स ने की ईरान पर अमेरिकी हमलों की निंदा, सैन्य कार्रवाई का किया विरोध

इस्लामाबाद। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के क्षेत्रीय आतंकवाद-विरोधी ढांचे (रैट्स) की काउंसिल ने ईरान के खिलाफ हालिया अमेरिकी सैन्य हमलों की निंदा की है। संगठन ने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का विरोध दोहराते हुए क्षेत्र में तनाव कम करने और शांति स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया। तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, यह रुख इस्लामाबाद में आयोजित एससीओ रैट्स काउंसिल की 46वीं बैठक के दौरान सामने आया। बैठक की अध्यक्षता पाकिस्तान ने की। इसमें बेलारूस, भारत, ईरान, कजाकिस्तान, चीन, किर्गिस्तान, पाकिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान के प्रतिनिधिमंडलों के अलावा एससीओ रैट्स की कार्यकारी समिति के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक, बैठक में क्षेत्रीय सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय एजेंडे से जुड़े मौजूदा मुद्दों पर चर्चा की गई। काउंसिल ने ईरान के खिलाफ किए गए नए सैन्य हमलों की निंदा करते हुए इस मुद्दे पर एससीओ के पहले से व्यक्त रुख को दोहराया।

यमन में जंग तेज़ होने का खतरा: सऊदी की हवाई ताकत बनाम हूतियों के जमीनी लड़ाके

रियाद। यमन में हूती विद्रोहियों के साथ बढ़ते तनाव के बीच सऊदी अरब ने अपनी सैन्य ताकत और अत्याधुनिक वायु क्षमता का प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर, हूती लड़ाके सादी गाड़ियों में राइफल लिए सरकारी कब्जे वाले शहरों की ओर बढ़ रहे हैं, जो इस संघर्ष में जमीनी हकीकत का अलग चेहरा दिखाते है। सऊदी रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी 62 सेकंड के वीडियो में अमेरिकी लड़ाकू विमान, हेलिकाप्टर और सैनिकों की आपरेशन की तैयारी दिखाई गई है। इसमें लड़ाकू विमानों को फार्मेशन में उड़ते और हेलिकाप्टर से सैनिकों की तैनाती के साथ हवाई हमलों की तस्वीरें शामिल हैं। यह वीडियो तब सामने आया है जब हूतियों ने सऊदी क्षेत्र पर मिसाइल और ड्रोन हमलों का दावा किया है, साथ ही लाल सागर तट पर सऊदी समर्थित यमनी सरकारी बलों को झटके लगे हैं। सऊदी अरब लंबे समय से जारी इस संघर्ष में हूती खतरे को खत्म करने की कोशिश में जुटा है।

रूस-ईरान कनेक्शन पर अमेरिका की कार्रवाई वीटीबी बैंक पर लगाया नया प्रतिबंध

वाशिंगटन

अमेरिका ने रूस के प्रमुख वित्तीय संस्थानों में शामिल वीटीबी बैंक पर ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करने के आरोप में नए प्रतिबंध लगाए हैं। अमेरिकी अधिकारियों का आरोप है कि वीटीबी ने ईरान की अरबों डालर की फ्रीज संपत्तियों को स्थानांतरित करने में मदद की और प्रतिबंधित ईरानी वित्तीय संस्थानों के साथ बैंकिंग संबंध स्थापित किए।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू के मुताबिक, अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा कि वीटीबी ने ईरान में कार्यालय खोले और प्रतिबंधों का सामना कर रहे ईरानी वित्तीय संस्थानों के साथ कारोबारी संबंध बनाए। विभाग के मुताबिक बैंक ने ईरान की अरबों डालर की संपत्तियों को इधर-उधर करने में भी भूमिका निभाई।

अमेरिकी प्रशासन ने कहा कि वह उन वित्तीय माध्यमों को बंद करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिनका इस्तेमाल ईरानी सरकार कथित तौर पर आतंकवाद के वित्तपोषण और क्षेत्रीय अस्थिरता फैलाने के लिए करती है।

अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के अनुसार, वीटीबी ने ईरान की फ्रीज की गई अरबों डालर की संपत्तियों के हस्तांतरण में सहायता की और ईरान में अपनी वित्तीय मौजूदगी बढ़ाई।

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद 2022 में अमेरिका ने वीटीबी बैंक पर पहले ही प्रतिबंध लगा दिए थे। मौजूदा प्रतिबंधों के तहत अमेरिकी नागरिकों और संस्थानों के लिए बैंक के साथ लेन-देन करना प्रतिबंधित है। हालिया कार्रवाई के जरिए अमेरिका ने ईरान और रूस के बीच बढ़ते वित्तीय संपर्क पर भी निशाना साधा है।

अमेरिकी ट्रेजरी सेक्रेटरी स्काट बेसेंट ने कार्रवाई को पिछले महीने शुरू की गई आपरेशन इकोनामिक आउटकास्ट पहल से जोड़ते हुए कहा कि ट्रेजरी उन लोगों और संस्थाओं को निशाना बनाना जारी रखेगा, जो ईरानी सरकार को उसकी गतिविधियों को जारी रखने के लिए वित्तीय, तकनीकी या अन्य सहायता उपलब्ध कराते हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि ईरान की मदद करने वाले नेटवर्क की पहचान कर उन्हें अलग-थलग करना उसकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

इंडोनेशिया में फेरी पलटने से 6 लोगों की मौत और 130 लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के जावा सागर में वर्गो ट्रांसपोर्ट 8 के पलटने से कम से कम 6 लोगों की मौत हो गई, जबकि 130 लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद बड़े पैमाने पर खोज और बचाव अभियान जारी है। अधिकारियों के मुताबिक अब तक 107 लोगों को सुरक्षित बचाया जा चुका है। अंतराष्ट्रीय मीडिया अल जजीरा न्यूज ने इंडोनेशिया की खोज एवं बचाव एजेंसी बासारनास के हवाले से बताया कि फेरी पर कुल 243 लोग सवार थे, जिनमें 213 यात्री और 30 क्रू सदस्य शामिल थे। यह जहाज जावा द्वीप के सुराबाया से रवाना हुआ था और बोर्नियो द्वीप के बंदरगाह शहर बंजारमासिन जा रहा था। इसके बाद अधिकारियों ने तत्काल खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया। इंडोनेशिया के परिवहन मंत्रालय ने भी पुष्टि की है कि जहाज पलट गया है। बंजारमासिन के स्थानीय खोज एवं बचाव कार्यालय के प्रमुख आई पुतु सुदायाना के मुताबिक, हादसे के समय जहाज को खराब मौसम का सामना करना पड़ा था। फेरी की आखिरी ज्ञात स्थिति जावा सागर में बंजारमासिन से करीब 81 नाटिकल मील यानी 150 किलोमीटर दूर बताई गई है। बचाव अभियान में जहाजों के साथ हेलीकाप्टर भी लगाया गया है। हालांकि, समुद्र में करीब 2.5 मीटर ऊंची लहरें राहत एवं बचाव कार्य में बड़ी बाधा बन रही हैं। अधिकारियों ने समुद्र की स्थिति को बचाव जहाजों के लिए भी बेहद जोखिमपूर्ण बताया है। अधिकारियों ने अभी तक फेरी के पलटने की निश्चित वजह की पुष्टि नहीं की है। मामले की जांच की जा रही है। जांच में खराब मौसम के साथ संभावित तकनीकी खराबी समेत अन्य पहलुओं को भी शामिल किया गया है। इंडोनेशिया में समुद्री परिवहन बेहद महत्वपूर्ण है।

चीन ने पनामा-अमेरिका को चेताया, कहा- ताइवान मुद्दे पर सीमा पार न करें

बीजिंग

चीन ने ताइवान के अधिकारियों और चीन के साथ राजनयिक संबंध रखने वाले देशों के बीच किसी भी तरह के आधिकारिक संपर्क का कड़ा विरोध किया है। चीन ने कहा है कि वह किसी भी बाहरी ताकत को अपने आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं देगा।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने नियमित प्रेस ब्रीफिंग के दौरान यह बयान दिया। वह एक मीडिया रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें कहा गया था कि पनामा के कुछ सांसदों ने हाल ही में तथाकथित पनामा-ताइवान संसदीय आदान-प्रदान समूह का गठन किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिकी सांसदों ने वीडियो लिंक के जरिए इस समूह के लान्च कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया।

हालांकि, पनामा के राष्ट्रपति जोस राउल मुलिनो ने इस मामले में कहा है कि देश की विदेश नीति और विदेश संबंधों का फैसला कार्यपालिका यानी सरकार करती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सांसदों का ताइवान के साथ संपर्क होना जरूरी नहीं कि पनामा सरकार के समर्थन को दर्शाता हो।

गुओ जियाकुन ने कहा कि दुनिया में केवल एक चीन है और ताइवान चीन के क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने कुछ राजनेताओं से ताइवान के मुद्दे पर वास्तविकता को समझने की अपील करते हुए चेतावनी दी कि इस मुद्दे पर सीमा पार करने के गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

चीनी प्रवक्ता ने तथाकथित संसदीय आदान-प्रदान समूह के गठन को वन-चाइना सिद्धांत का गंभीर उल्लंघन बताया। उन्होंने कहा कि चीन ने पनामा सरकार के बयान पर ध्यान दिया है और उम्मीद करता है कि पनामा चीन-पनामा संबंधों के राजनीतिक आधार को बनाए रखने के लिए ठोस कदम उठाएगा तथा वन-चाइना सिद्धांत के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का सम्मान करेगा।

चीन ने इस मामले में अमेरिका को भी चेतावनी दी है। गुओ ने अमेरिका से वन-चाइना सिद्धांत और चीन-अमेरिका के बीच हुए तीन संयुक्त बयानों का पालन करने की अपील की।

उन्होंने अमेरिका से ताइवान की आजादी की मांग करने वाली अलगाववादी ताकतों को गलत संदेश देना बंद करने और चीन-पनामा संबंधों में हस्तक्षेप या उन्हें नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों से दूर रहने का आग्रह किया।

ट्रंप ने एआई पर दी नई राय, चीन को बताया उचित, कनाडा को सबसे मुश्किल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आयरलैंड से लौटते हुए एयर फोर्स वन में पत्रकारों से चीन, कनाडा, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और व्यापार जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बात रखी। ट्रंप ने चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के व्यवहार को उचित बताया और कहा कि अमेरिका ने भी चीन के साथ ठीक व्यवहार किया है। राष्ट्रपति ट्रंप ने चीन की जासूसी पर टिप्पणी कर स्वीकार किया कि चीन अमेरिका की जासूसी करता है, लेकिन कहा कि अमेरिका भी चीन की जासूसी करता है। व्यापार के मोर्चे पर, ट्रंप ने अपनी टैरिफ नीति का बचाव किया, जिसके कारण चीनी कारें अमेरिकी बाजार में प्रवेश नहीं कर सकी। उन्होंने दावा किया कि चीनी सामान पर 100 से 150 प्रतिशत तक टैरिफ लगाए थे, जिससे अमेरिका यूरोप जैसी खराब स्थिति से बचा रहा, जहां कारों की वजह से समस्याएं हैं। बोइंग विमानों से जुड़े एक सौदे पर उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वह इस भी पूरा कर लेने वाले हैं, क्योंकि वह हर डील कर लेते हैं। ट्रंप ने रूस और चीन से अधिक खतरनाक नहीं कहा, बल्कि कहा कि कनाडा के साथ काम करना सबसे मुश्किल है।

अंतरिक्ष में यूएस ने बनाया सैन्य अड्डा, रूस-चीन के सिस्टम पर संकट

धरती, जल, वायु और अब अंतरिक्ष में अमेरिका का होगा नियंत्रण

वाशिंगटन

अमेरिका ने अपनी सैन्य रणनीति में एक बड़ा बदलाव दुनिया के सामने खुलकर स्वीकार किया है। पहली बार सार्वजनिक तौर पर माना गया है कि उसके कुछ स्पेस-कंट्रोल हथियार पहले से ही अंतरिक्ष में तैनात हैं। इसका सीधा मतलब है कि अमेरिका की सैन्य ताकत अब सिर्फ जमीन, समुद्र, हवा या साइबर दुनिया तक सीमित नहीं है, बल्कि अंतरिक्ष में भी उसने अपने हथियारों और रक्षा रणनीति में बड़ा कदम उठाया है। यह कदम चीन और रूस की ओर से बढ़ते खतरों का मुकाबला करने के लिए उठाया गया है।

अमेरिका ने हालांकि यह नहीं बताया कि अंतरिक्ष में उसके कितने हथियार हैं, वे कहां तैनात हैं या वे किस तरह के अस्त्र हैं। लेकिन यह साफ किया गया है कि इन क्षमताओं का इस्तेमाल अमेरिका खुद और उसके सहयोगी देशों की सेनाएं किसी दुश्मन के अंतरिक्ष-आधारित हमले से बचने के लिए कर सकती हैं। अधिकारियों के अनुसार, इन स्पेस-कंट्रोल क्षमताओं में काइनेटिक और नान-काइनेटिक दोनों तरह के साधन शामिल हो सकते हैं। यानी, अमेरिका के पास ऐसी तकनीकें हो सकती हैं जो किसी दुश्मन के अंतरिक्ष सिस्टम को सीधे प्रभावित करें या बिना सीधी टक्कर के उसकी क्षमता को बाधित करें। आज की आधुनिक लड़ाई में सैटेलाइट बेहद महत्वपूर्ण हो चुके हैं। सेना की कम्युनिकेशन व्यवस्था, मिसाइल चेतावनी, निगरानी, खुफिया जानकारी और नेविगेशन जैसी कई क्षमताएं अंतरिक्ष आधारित सिस्टम पर निर्भर करती हैं। इसलिए किसी देश के सैटेलाइट को नुकसान पहुंचाना उसके सैन्य अभियान को गंभीर रूप से कमजोर कर सकता है। यही वजह है कि अमेरिका अब अंतरिक्ष को केवल संचार और निगरानी का क्षेत्र नहीं, बल्कि संभावित युद्धक्षेत्र मान रहा है। अमेरिकी वायुसेना सचिव ने भी सार्वजनिक रूप से कहा है कि अमेरिका के पास अब अंतरिक्ष में ऐसे हथियार हैं, जो दुश्मन की कार्रवाई के खिलाफ संयुक्त सैन्य बलों की रक्षा करने में सक्षम हैं। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका लंबे समय से अपनी अंतरिक्ष क्षमताओं को विकसित कर रहा था, लेकिन उनके हथियार वाले पहलू पर सार्वजनिक जानकारी सीमित रही थी। अमेरिका अगर अपनी रणनीति में इतना बड़ा बदलाव लाया है, तो उसके पीछे चीन और रूस को बड़ी चुनौती माना जा रहा है। अमेरिकी आकलन के मुताबिक चीन तेजी से अपनी अंतरिक्ष और काउंटर-स्पेस क्षमताएं बढ़ा रहा है। वहीं दूसरी ओर रूस भी अंतरिक्ष को भविष्य के युद्ध का महत्वपूर्ण क्षेत्र मानता है। ऐसे माहौल में अमेरिका का संदेश साफ है कि अगर भविष्य की लड़ाई अंतरिक्ष तक पहुंचती है, तो वह सिर्फ अपने सैटेलाइट बचाने की कोशिश नहीं करेगा, बल्कि जरूरत पड़ने पर दुश्मन की आंतरिक क्षमताओं को चोक कर देगा।

1967 की आउटर स्पेस संधि की अनदेखी - 1967 की आउटर स्पेस संधि अंतरिक्ष में परमाणु और अन्य सामूहिक विनाश के हथियार तैनात करने पर रोक लगाती है, इसकी अनदेखी की गई। लेकिन यह अंतरिक्ष में हर तरह के पारंपरिक सैन्य उपकरणों पर पूरी तरह प्रतिबंध नहीं लगाती। यही कानूनी अंतर आज अमेरिका, रूस, चीन और भारत जैसी शक्तियों को अपनी अंतरिक्ष सैन्य क्षमताएं विकसित करने की गुंजाइश देता है।

एशिया-प्रशांत में बढ़ी हलचल, जापान की सैन्य तैनाती पर चीन ने जताया विरोध

बीजिंग

चीन ने जापान, अमेरिका और आस्ट्रेलिया के बीच चल रहे संयुक्त सैन्य अभ्यास और जापान द्वारा लंबी दूरी के रणनीतिक हमलावर हथियारों की तैनाती का कड़ा विरोध किया है। चीन ने चेतावनी दी है कि इस तरह के कदमों से क्षेत्र में हथियारों की होड़ और सैन्य टकराव का खतरा बढ़ सकता है।

तुर्किए की सरकारी समाचार एजेंसी अनाडोलू - और चीन का दैनिक अंग्रेजी समाचार पत्र चाइना डेली के मुताबिक, चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता जियांग बिन ने कहा कि जापान की ग्राउंड सेल्फ-डिफेंस फोर्स अमेरिका और आस्ट्रेलिया की सेनाओं के साथ मिलकर ओरिएंट शील्ड 26 सैन्य अभ्यास कर रही है। यह अभ्यास 8 से 24 सितंबर तक जापान के होक्काइडो और कागोशिमा क्षेत्रों में आयोजित किया जा रहा है।

रिपोर्टों के मुताबिक, इस अभ्यास में पहली बार अमेरिका का टाइफान मिड-रेंज मिसाइल सिस्टम भी शामिल किया जा रहा है। चीन का कहना है कि इस तरह की तैनाती क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा चिंताओं को बढ़ा रही है।

जियांग बिन ने आरोप लगाया कि सुरक्षा कवच के नाम पर इस अभ्यास का इस्तेमाल लंबी दूरी के हमलावर हथियारों की तैनाती को आगे बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे दूसरे देशों के वैध सुरक्षा हित प्रभावित होते हैं और क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता को गंभीर खतरा पैदा होता है। उन्होंने कहा, हम इसका कड़ा विरोध करते हैं।

इस सैन्य अभ्यास को लेकर रूस ने भी आपत्ति जताई है। 31 अगस्त को रूस ने जापान में होने वाले इस अभ्यास को लेकर रूस स्थित जापानी दूतावास के सामने विरोध दर्ज कराया था।

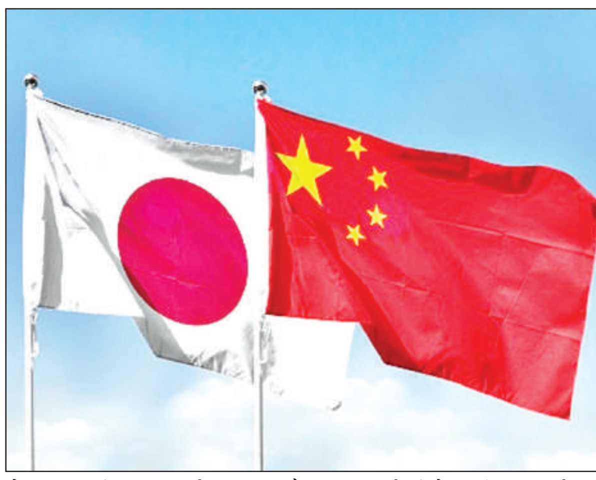

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया ज़खारोवा ने 1 सितंबर को कहा था कि जापानी क्षेत्र में ऐसे हथियारों की तैनाती, भले ही वह सैन्य अभ्यास के नाम पर हो, रूस की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करेगी। उन्होंने इसे मास्को के लिए बिल्कुल अस्वीकार्य बताया और कहा कि रूस अपनी राष्ट्रीय रक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जवाबी कदम उठाएगा।

चीन लंबे समय से एशियाई देशों में अमेरिकी मिड-रेंज मिसाइल सिस्टम की तैनाती का विरोध करता रहा है। वहीं, चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने मई में कहा था कि चीन टाइफान मिसाइल सिस्टम की तैनाती का कड़ा विरोध करता है।

गुओ ने टाइफान को एक रणनीतिक हमलावर हथियार बताते हुए कहा था कि इसकी तैनाती क्षेत्रीय रणनीतिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचा सकती है और सैन्य टकराव तथा हथियारों की होड़ का खतरा बढ़ा सकती है।

जियांग बिन ने जापान पर लंबी दूरी के हमलावर हथियार विकसित करने और विदेशों में अपनी सैन्य गतिविधियां बढ़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जापान की ये गतिविधियां उसके शांतिवादी संविधान और रक्षा-केंद्रित सुरक्षा नीति के सिद्धांतों के विपरीत हैं।

उन्होंने जापान के सैन्य विस्तार को मिलिटरीवाद के एक नए रूप की ओर बढ़ता कदम बताया और चेतावनी दी कि इससे क्षेत्रीय तनाव तथा गुटों के बीच टकराव बढ़ सकता है।

जियांग ने कहा, जापान की सैन्य महत्वाकांक्षाओं को बढ़ावा देने वाला कोई भी कदम क्षेत्र को एक खतरनाक भंवर में धकेल सकता है और अंततः खुद जापान को ही नुकसान पहुंचाएगा।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन मिलाझुला रहेगा कही काम बनेंगे कही दिक्कतें आंएगी मिश्रित परिणाम रहेगे. आमदनी ठीक रहेगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर विराम लगाने में आप सफल नहीं हो पाएंगे. दिन–प्रतिदिन के कार्य सुचारू रूप से चलते रहेंगे. कुछ भी काम करने से पहले पर्याप्त पूछताछ करें. काम के लिए लंबी दूरी की यात्रा लाभदायक होगी. गृहस्थी मे हल्का सा तनाव बनेगा लेकिन दिन बदलते ही शान्ति का अनुभव होगा स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन खुशहाल और बहतर रहेगा । छात्रों का पढाई के प्रति मन आकृष्ट होगा। जीवनसाथी के करियर में बदलाव आने से घर में खुशी का माहौल बनेगा.नए प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा.आप अपने काम में सफल भी होंगे.माता–पिता का सहयोग भी बना रहेगा.शाम को उनके साथ किसी धार्मिक स्थल पर जायेंगे.किसी अपने से आपको बड़ी खुशखबरी मिल सकती है.आपके पास कुछ नई जिम्मेदारियां आ सकती हैं.गाय को गेहूँ गुड खिलाए ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज काम का ओवरलोड रहेगा थकावट ज्यादा रहेगी परन्तु काम करने की ताकत और बातचीत बेहतर रहेगी. नए विचार दिमाग में आएंगे. राजनीतिक क्षेत्र के लोगों के लिए समय पहले से अच्छा हो सकता है. यदि कोई गुमराह हो रहा है, तो आप उस पर नजर रख सकते हैं. घबराएं नहीं, ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें. दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा.बच्चों के साथ कहीं यात्रा होगी मौसमी बिमारी से सावधानी जरुरी हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज नयी योजना को मूर्तरूप देना उचित होगा भविष्य मे लाभदायक होगी। अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने के इए आज का दिन शुभ है, भाग्य आपका पक्ष लेगा और आपके रुके हुए कार्य प्रगति करेंगे. आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे और कुछ अतिरिक्त प्रयासों के साथ एक पुराना दिया गया ऋण भी वापिस प्राप्त कर सकते हैं. कोई भी निवेश करने से पहले किसी जानकार व्यक्ति की सलाह अवश्य लें. विरोधियों को आप परास्त करेंगे आप की ईच्छा शक्ति बलवान रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज छात्रों को सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे .आपको अपने काम पर पूरा फोकस रखना चाहिए. ऑफिस के किसी काम में आपको अधिक समय लग सकता है. कारोबार में आपको धन लाभ हो सकते हैं.किसी खास व्यक्ति से अचानक मुलाकात आपके करियर की दिशा को बदल सकती है.आपको रोजगार के उचित अवसर प्राप्त हो सकते हैं.किसी भी जरुरी काम में आपको जल्दबाजी करने से बचना चाहिए, शिवमंत्र का जप करें चमेली का दीप प्रज्वलित करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ पुराने मामले सुलझ सकते है परन्तु पहल आप को ही करनी पडेगी . जिस पहचान और पुरस्कार की उम्मीद आप कर रहे थे, वह बाद के लिए टल सकती है और आपको हताशा का सामना करना पड सकता है. सरकारी क्षेत्र के अटके कार्य फिर से चल पड़ेंगे. खर्च थोड़ा संभल कर करें. आज आप काम में अधिक व्यस्त रहें. इससे आपको शारीरिक थकान रहेगी. शाम के वक्त पार्क मे ठहलने के लिए निकले बॉडी को रिलैक्स फील होगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप परिवार के साथ धार्मिक यात्रा पर जांएगे अपने परिवार के साथ समय बिताने के लिए आज अच्छा दिन है. पारिवारिक आय में सुधार होगा और बच्चे प्रत्येक दिशा मे अच्छा प्रदर्शन करेंगे. परिवार में कुछ सुखद घटनाएं घट सकती हैं. माता की संपत्ति के पक्ष में कानूनी मुद्दे कुछ गति प्राप्त कर सकते हैं. व्यापार में हालात सामान्य रहेंगे. आय में अनियमितता के कारण कुछ परेशानी हो सकती है किसी नए व्यक्ति के साथ यात्रा का योग नही हैं भोजन करते समय मौन रहें आप के स्वास्थ्य के लिए जरुरी हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कार्यालय मे माहौल खुशनुमा रहेगा आज के कुछ जरूरी काम पूरे हो सकते हैं.आपका स्वास्थ्य फिट रहेगा.जीवनसाथी के साथ लंबी बातचीत हो सकती है. आपके रिश्तों में मजबूती आयेगी.आपके कुछ नए दोस्त भी बन सकते हैं.आपका सामाजिक दायरा अचानक बहुत बढ़ जायेगा.आसपास के लोगों से आपको मदद मिलती रहेगी. आपको व्यवसाय में लाभ मिलने की पूरी उम्मीद है.दैनिक कार्यों से कुछ समय मिलेगा असहाय लोगों को जरुरत की वस्तु की सेवा करें आत्मीय शान्ति होगी।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन और बुद्धि को स्वच्छ रखें ईष्ट मंत्र का जप करें गजब का उत्साह देखने को मिलेगा. अपने वर्तमान संगठन में अधिक ज्ञान प्राप्त करने का प्रयास करना सबसे अच्छा होगा.अगर आप कलाकार हैं तो अपना कौशल दिखाने के लिए कई नए मौक़े मिलेंगे. घर और काम पर दबाव रहेगा क्रोध और बेचैन बना सकता है. अपने वरिष्ठ अधिकारियों पर दबाव न डालें. यह इसके लिए सही समय नहीं है. आज सुबह पौधों को जल सींचे तुलसी के पास दीप जलाएं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सुबह माता–पिता का आशीर्वाद लेकर निकले सफलता निकट होगी और पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा. आप भौतिक सुखों पर व्यय कर सकते हैं. आपकी भाषा शैली काफ़ी प्रभावशाली रहेगी. आप काफी प्रसिद्ध रहेंगे. परिवार के सदस्यों का आपके प्रति बहुत अच्छा बर्ताव रहेगा. इस अवधि में आर्थिक रूप से संपन्न रहेंगे. आपका सम्मान होगा तथा ख्याति बढेग़ी. व्यापार का विस्तार भी हो सकता है. आपकी मेहनत रंग लाएगी. जीवनसाथी के साथ आनंददायी समय बीतेगा, बच्चों पर अधिक दबाव मत बनाए कुछ छूट देना होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आप पीपल वृक्ष का रोपण करें वंशवृद्धि होगी । आप किसी जरूरी काम को पूरा करने की सोच रहे हैं, तो वह काम आज पूरा हो जाएगा.जीवनसाथी के साथ डिनर का प्लान बना सकते हैं.आपको किस्मत का पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. अधिकारियों से आपको मदद मिलेगी.आप व्यापार में किसी से साझेदारी कर सकते हैं. परिवार वालों का हंसी–मजाक घर के वातावरण को खुशनुमा बना देगा.गौशाला मे बच्चों के साथ जाए अपने हाथों से सेवा करें ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आप को बहतर स्वास्थ्य के लिए अधिक तला हुआ अधिक मीठा भोजन का त्याग करना होगा । कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. प्रसन्नता रहेगी. भाइयों का साथ मिलेगा. शाम के वक़्त अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार की ख़ुशी और उत्साह की वजह साबित होगी. आप को मित्रों के रुके हुए काम अपनी क्षमता पर पूरे करने पडेंगे रिश्ता और मजबूर होगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 सितंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी प्रात: 09:00 तक
नक्षत्र : विशाखा सायं 05:23 तक
योग : वैधृति दोपहर 12:22 तक
करण : बालव प्रात: 09:00 तक
चन्द्रराशि : तुला प्रात: 10:49 तक
सूर्योदय : 06:04 , सूर्यास्त 06:17 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:20 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:12 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:55 ,सूर्यास्त 06:08 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गर्ग अंगिरा ऋषि जयंती , अमृत सिद्धि योग सायं 05:32 से रात्रि 06:17 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर चारमीनार स्थित श्री भाग्यलक्ष्मी मंदिर में महिलाओं द्वारा सामूहिक आरती का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के पदाधिकारी, मंदिर ट्रस्टी सुश्री शशिकला, भाजपा नेता सपना गुप्ता, मनदीप, रचना, पूजा, अरुणा, ज्योति एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सेवा का भाव राधे–राधे ग्रुप में ही मिलता है : जयप्रकाश सारड़ा

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने स्थित केबीआर पार्क वॉटर टैंक पर नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों एवं राहगीरों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा कार्य के दौरान ग्रुप के सदस्यों ने पूरी आत्मीयता और समर्पण के साथ जरूरतमंदों की सेवा की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि सेवा का सच्चा भाव राधे–राधे ग्रुप में ही देखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि भूखे व्यक्ति को भोजन कराना सबसे पुनीत कार्यों में से एक है। अन्नदान केवल किसी की भूख मिटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानवता, संवेदना और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी हैं। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना और उनके चेहरे पर संतोष की मुस्कान लाना ही सच्ची सेवा है। सेवा में दिखावा नहीं, बल्कि भाव और समर्पण महत्वपूर्ण होता है। जब सेवा निस्वार्थ भावना से की जाती है तो वह सीधे ईश्वर की आराधना के समान बन जाती है।

जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि 'मानव सेवा ही ईश्वर आराधना' की भावना को लेकर राधे–राधे ग्रुप लगातार सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। नियमित अन्नदान के माध्यम से समाज में सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यों में अधिक से अधिक लोगों को जुड़कर जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, भंवरलाल गुप्ता, संजय गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा सहित राधे–राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया और सेवा के इस संकल्प को निरंतर जारी रखने का संदेश दिया।

युवाओं के लिए अष्टविनायक यात्रा 1 से 4 अक्टूबर तक

बेंगलूरु, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विश्व धर्म चेतना मंच, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति की यूथ विंग चैप्टर–8 की ओर से परम पूज्य गुरुदेव ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी के आशीर्वाद से 1 से 4 अक्टूबर तक युवाओं के लिए 'द 8 डिवाइन ट्रेल्स' अष्टविनायक यात्रा आयोजित की जाएगी। यात्रा में महाराष्ट्र के पुणे के समीप स्थित आठ सिद्ध एवं स्वयंभू श्रीगणेश मंदिरों के दर्शन कराए जाएंगे।

नेशनल यूथ चेयरमैन प्रखर गोलेछा के नेतृत्व में आयोजित होने वाली इस चार दिवसीय यात्रा में 18 से 45 वर्ष की आयु के देश–विदेश से चयनित 80 युवा प्रतिभागी शामिल होंगे। नेशनल चेयरपर्सन श्रीमती प्रिया सांखला गोलेछा ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य युवाओं को भक्ति से जोड़ने के साथ उन्हें मानसिक स्पष्टता, भावनात्मक मजबूती एवं उद्देश्यपूर्ण जीवन की दिशा में प्रेरित करना है।

आयोजन की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में नेशनल एडवाइजरी बोर्ड सदस्य रमेश सांखला के निर्देशन में विचार–विमर्श किया गया। बैठक में प्रखर गोलेछा, मयंक सोलंकी, श्रीकांत, निशांत जैन, गौरव मोदी, संयम जैन, सौरभ, इशिता, प्राची, राहुल याज्विन, किनारी सहित अन्य युवा सदस्य उपस्थित रहे।

यात्रा के दौरान मोरगांव के मयूरेश्वर, सिद्धटेक के सिद्धिविनायक, पाली के बल्लालेश्वर, महड के वरदविनायक, थेऊर के चिंतामणि विनायक, लेण्याद्री के गिरिजात्मज, ओझर के विघ्नेश्वर तथा रांजणगांव के महागणपति के दर्शन किए जाएंगे। 1 अक्टूबर को प्रतिभागी पुणे में एकत्रित होंगे तथा 2 अक्टूबर की सुबह अष्टविनायक दर्शन के लिए रवाना होंगे।

4 अक्टूबर की शाम तक यात्रा पूर्ण कर प्रतिभागी पुणे एवं मुंबई पहुंचकर अपने–अपने गंतव्य के लिए रवाना होंगे।

समान नागरिक संहिता पर अमित शाह को तेदेपा और शिवसेना का समर्थन

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के प्रमुख सहयोगियों तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) और शिवसेना ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के उस बयान का समर्थन किया है, जिसमें उन्होंने कहा था कि राजग शासित सभी राज्यों में वर्ष 2029 से पहले समान नागरिक संहिता (संस) लागू की जाएगी।

हालांकि, भारतीय जनता पार्टी के सहयोगी जनता दल (यूनाइटेड) ने इस मुद्दे पर सतर्क प्रतिक्रिया दी है। पार्टी ने कहा कि वह समान नागरिक संहिता से संबंधित विधेयक का अध्ययन करेगी और बिना किसी कारण इसका विरोध नहीं किया जाएगा।

लोकसभा में तेदेपा के 16, शिवसेना के 13 और जदयू के 12 सदस्य हैं। ऐसे में इन दलों का समर्थन नरेंद्र मोदी सरकार के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है। तेदेपा आंध्र प्रदेश में जन सेना पार्टी और भाजपा के साथ सत्ता में है, जबकि बिहार में भाजपा, जदयू के साथ और महाराष्ट्र में शिवसेना के साथ सत्ता में है।

मंचेरियाल के प्रसिद्ध लक्ष्मी नारायण मंदिर में गणेश उत्सव के अवसर पर भगवान गणेश की पूजा–अर्चना एवं आरती के बाद श्रद्धालुओं में प्रसाद वितरण किया गया। इसके पश्चात रामदेव कीर्तन मंडल के प्रमुख भजन गायक द्वारकादास इन्नानी, अनिल पारीक, गोपाल रिणवा एवं सागर शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मारवाड़ी प्रगति समाज के अध्यक्ष श्याम सुंदर बलदवा, सचिव प्रेम राज अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष ओम तिवारी सहित श्रद्धालु उपस्थित रहे।

भादवा दूज पर रामदेव बाबा मंदिर में भव्य धार्मिक आयोजन

मंचेरियाल, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल के अशोक रोड स्थित श्री रामदेव बाबा पंचदेव मंदिर में भादवा सुदी दूज के पावन अवसर पर रामदेव बाबा मंदिर ट्रस्ट की ओर से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रातः बाबा का अभिषेक, श्रृंगार आरती व भजन कार्यक्रम हुआ। दोपहर में भोग आरती के बाद श्री रामदेव होजरी की ओर से महाप्रसादी का आयोजन किया गया। शाम को महिला मंडल की ओर से भजन एवं बाबा के नाम का केक काटकर खुशियां मनाई गईं। रात्रि में हैदराबाद के भजन गायक संजय दाहिमा ने जागरण प्रस्तुत किया, जिसमें मंचेरियाल सहित गोदावरीखनी, पेद्दापल्ली, बेलमपल्ली और कागजनगर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। मंदिर ट्रस्ट ने सभी श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

पेद्दापल्ली में मुख्य सड़क चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण

पेद्दापल्ली, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजय रमना राव ने जेंडा चौरास्ता से पेद्दा मस्जिद तक मुख्य सड़क के चौड़ीकरण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने बताया कि करीब 90 प्रतिशत व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपनी इमारतें हटाकर विकास कार्य में सहयोग किया है। शेष व्यापारियों से भी विनायक विसर्जन से पहले निर्धारित सीमा के भीतर निर्माण हटाने की अपील की गई। विधायक ने कहा कि एक सप्ताह में सड़क का 80 प्रतिशत कार्य पूरा करने तथा शीघ्र सीवर निर्माण शुरू करने का लक्ष्य है। इस दौरान नगर आयुक्त अकुला वेंकटेश, नगर अध्यक्ष नुगिला मल्लैया, पार्षद एवं नगर निगम अधिकारी मौजूद रहे।

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए ब्रेकफास्ट कार्यक्रम शुरू

पेद्दापल्ली, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राज्य सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजय रमना राव ने श्रीरामपुर मंडल केंद्र स्थित जिला परिषद हाई स्कूल में तेलंगाना ब्रेकफास्ट कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ता और दूध उपलब्ध कराने से उनके स्वास्थ्य एवं शिक्षा में सुधार होगा। सप्ताह में छह दिन विद्यार्थियों को इडली–सांबर, पूरी–आलू कुर्मा, डोसा, उपमा, बाजरा इडली–सांबर और बोंडा सहित विभिन्न प्रकार के नाश्ते दिए जाएंगे।

विधायक ने बताया कि पेद्दापल्ली निर्वाचन क्षेत्र में शिक्षा क्षेत्र के विकास पर अब तक 65 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जबकि 200 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत विद्यालय का निर्माण भी जारी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, कांग्रेस नेता, शिक्षक, विद्यार्थी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

दोनबंडा पीएम श्री विद्यालय में उत्साह से मनाया हिंदी दिवस

मंचेरियाल, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मंचेरियाल जिले के दोनबंडा स्थित पीएम श्री जिला परिषद हाई स्कूल में हिंदी दिवस उत्साह और गरिमा के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधानाध्यापक पी. करुणाकर ने की, जबकि संचालन हिंदी विभाग के वरिष्ठ अध्यापक नीलेश काछवाल ने किया।कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना एवं स्वागत नृत्य से हुआ। विद्यार्थियों के लिए निबंध लेखन, कविता पाठ, भाषण एवं सुलेख प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। सिकंदर राठौर एवं रंजीता बराई ने हिंदी को संस्कृति, संस्कार और राष्ट्रीय एकता का मजबूत सूत्र बताते हुए विद्यार्थियों को सरल एवं शुद्ध हिंदी के प्रयोग के लिए प्रेरित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देने की घोषणा की गई। इस अवसर पर हिंदी अध्यापक नीलेश काछवाल, सिकंदर राठौर एवं रंजीता बराई का शाल और पुष्पगुच्छ से सम्मान किया गया। राष्ट्रगान के साथ समारोह का समापन हुआ।

संकष्टी चतुर्थी पर इसलिए पूजे जाते हैं मंगलमूर्ति गणेश

संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।

- संकष्टी चतुर्थी के बारे में कई कथाएं प्रचलित हैं इनमें से सबसे ज्यादा प्रचलित कथा गणेश जी पर ही केंद्रित है। कहते हैं एक बार देवता अपने कष्ट निवारण के लिए भगवान शंकर के पास गए। उस समय भगवान शिव के पास उनके ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय और गणेश भी बैठे हुए थे।
- शिवजी ने दोनों बालकों से पूछा– 'तुम में से कौन ऐसा वीर है जो देवताओं का कष्ट निवारण करेगा।' तब कार्तिकेय ने स्वयं को देवताओं का सेनापति प्रमाणित करते हुए देव रक्षा योग्य तथा सर्वोच्च देव पद मिलने का अधिकारी सिद्ध किया।
- यह बात सुनकर शिवजी ने गणेश की इच्छा जाननी चाही। तब गणेशजी ने विनम्र भाव से कहा– 'पिताजी, आपकी आज्ञा हो तो मैं बिना सेनापति बने ही सब संकट दूर कर सकता हूं।'
- यह सुनकर हंसते हुए शिव ने दोनों को पृथ्वी की परिक्रमा करने को कहा तथा यह शर्त रखी– 'जो सबसे पहले पूरी पृथ्वी की परिक्रमा करके आ जाएगा वही वीर तथा सर्वश्रेष्ठ देवता घोषित किया जाएगा।'
- कार्तिकेय बडे गर्व से अपने वाहन मोर पर चढकर पृथ्वी की परिक्रमा करने चल दिए। गणेशजी ने सोचा कि चूहे के बल पर तो पूरी पृथ्वी का चक्कर लगाना अत्यंत कठिन है इसलिए उन्होंने एक युक्ति सोची।
- गणेश जी 7 बार अपने माता-पिता की परिक्रमा करके बैठ गए। रास्ते में कार्तिकेय को पूरे पृथ्वी मण्डल में उनके आगे चूहे के पैरों चिह्न दिखाई दिए। परिक्रमा करके लौटने पर निर्णय की बारी आई।
- कार्तिकेय जी गणेश पर नाराज हो गए और स्वयं को पूरे भूमण्डल का एकमात्र पर्यटक बताया। इस पर गणेश ने शिव से कहा– 'माता-पिता में ही समस्त तीर्थ निहित हैं इसलिए मैंने आपकी 7 बार परिक्रमा की हैं।'
- गणेश की बात सुनकर समस्त देवताओं तथा कार्तिकेय ने सिर झुका लिया। तब शंकरजी ने उन्मुक्त कण्ठ से गणेश की प्रशंसा की तथा आशीर्वाद दिया– 'त्रिलोक में सर्वप्रथम तुम्हारी पूजा होगी।' तब गणेशजी ने पिता की आज्ञानुसार जाकर देवताओं का संकट दूर किया।
- जो स्त्री-पुरुष इस संकष्टी चतुर्थी तिथि पर भगवान गणेश जी का पूजन तथा चंद्र अर्ध्यदान देगा। उसका त्रिविधि ताप (दैहिक, दैविक, भौतिक) दूर होगा और ऐश्वर्य, पुत्र, सौभाग्य को प्राप्त करेगा। यह सुनकर देवगण हर्षातिरेक में प्रणाम कर अंतर्धान हो गए।

पैसों का पेड, जिस पर होना चाहिए यह चीनी सिक्का

धन और समृद्धि का सबसे प्राचीन प्रतीक मध्य में एक वर्ग छेद के साथ एक चीनी सिक्का है। ये फेंगशुई की दुकान पर मिल ही जाता है। यह सिक्का सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है। जब आप इस सिक्के का उपयोग करें तो इसे पैसों के पेड पर सजा सकते हैं।व्यापक प्रतीकों में मेंढक एक खजाने पर बैठे और अपने मालिक के पास अच्छे भाग्य लाने। अपने घर में धन का क्षेत्र का स्थान है, और फेंग शुई के सिद्धांत और व्यवहार के अनुसार, पर है दक्षिण-पूर्व, जहां यह धन और समृद्धि के प्रतीक है, साथ ही तावीज और आकर्षण जगह पर व्यापार में अच्छी किस्मत को आकर्षित करती है।यह सिक्का एक ही क्षेत्र में और रखा जा सकता है। इसके अलावा फेंगशुई के अनुसार घर में पैसे के लिए लिफाफे, चीनी पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, लाल होना चाहिए। मौजूदा खर्च के लिए पैसे के साथ लिफाफा चरित्र समृद्धि, एक फूल पूर्ण विकसित दिखने में उसके समान प्रतिनिधित्व करते हैं।चित्रलिपि धन (बॉक्स की तरह) के साथ लिफाफेअधिक एक निश्चित राशि के लिए कुछ भी संचय के लिए उपयुक्त हैं। इन सरल सिफारिशों के बाद और पुराने लक्षण को सुन कर, यह संभव है आप अपने नगदी प्रवाह को आकर्षित करने और इसे अपने परिवार के कल्याण के लिए रखना होगा।

यह व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है

यह रेखा व्यक्ति के जीवन मे प्रसिद्धि, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी करती है। सूर्य की रेखा को अपोलो रेखा, सफलता रेखा या प्रतिभा रेखा से भी जाना जा सकता है एवं यह हाथ के आकार पर निर्भर करता है । सूर्य रेखा द्वारा व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और प्रतिभा की भविष्यवाणी की जा सकती है। सूर्य रेखा का उदय, जीवन रेखा, हदय रेखा, चंद्र पर्वत, मंगल स्थान या मष्तिष्क रेखा से होता है । सूर्य की रेखा का आकार, सफलता की सीमा का निर्धारण करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और व्यक्ति के जीवन में ख्याति, सफलता और ख्याति बनाए रखने में स्थिरता और उत्पन्न बाधाओं को बताता है । सूर्य रेखा के साथ मष्तिष्क रेखा अगर ढलती हुई जाती हैं तो इससे ज्ञात होता है कि व्यक्ति की सफलता कलात्मक क्षेत्र जैसे कविता, कला, साहित्य, कल्पनाशील पर आधारित क्षेत्र मे होती है। सूर्य रेखा के साथ कई महीन रेखाए ये दर्शाती है कि व्यक्ति कलात्मकता युक्त होता है परन्तु बहुविचारो के कारण वह किसी एक क्षेत्र मे सफलता नही प्राप्त कर पाता । सूर्य रेखा यदि स्पष्ट है तो व्यक्ति संवेदनशील, दयालु और उदार है इसका परिणाम उसे लोकप्रिय बनाता है । सूर्य की रेखा यदि असाधारण रुप से सीधी है तो व्यक्ति अपार धन का स्वामी, सामाजिक शक्ति प्राप्त करता है।

इस रेखा पर यदि तारा हो तो व्यक्ति प्रतिभावान होता है और उसकी स्थायी सफलता निश्चित है । सूर्य रेखा पर यदि वर्ग बना हो तो व्यक्ति अपने नाम और सामाजिक स्थिति के कारण दुश्मन के हमले से सुरक्षित होता है । करसंदर्भ में दुश्मन के हमले के खिलाफसंरक्षण के संकेत सूर्य रेखा पर एक द्वीप की स्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की निंदा होती है अंतत: एक लोकापवाद के रुप मे सामने आती है । एक प्रतिभाशाली और कलात्मक हाथ पर सूर्य की रेखा की अनुपस्थिति ये दर्शाती है कि व्यक्ति की कडी मेहनत के बावजूद ख्याति प्राप्त करने मे मुश्किल आती है ।

> सूर्य रेखा को अपोलो रेखा, सफलता की रेखा या बुद्धिमत्ता की रेखा के नाम से भी जाना जाता है। यह रेखा कलाई के पास चंद्र पर्वत से निकलकर अनामिका तक जाती है।

यदि सूर्य रेखा बिखरी हुई भाग्य रेखा के साथ हो तो व्यक्ति निरंतर विफलताओं और निराशाओं के बावजूद सदैव खुश दिखाई देगा । यदि सूर्य रेखा के साथ भाग्य रेखा भी समानांतर चल रही हो साथ मे मष्तिष्क रेखा भी स्पष्ट हो तो यह एक अत्यंत शुभ संकेत है, और ऐसा व्यक्ति अपार धन का स्वामी, व्यवहारिक और भाग्यशाली होता है । यदि सूर्य की रेखा हाथ मे सपष्ट दिखाई दे और कुछ समय बाद लुप्त हो जाए तो ऐसा व्यक्ति प्राय: दुखी रहता है लेकिन जब सूर्य की रेखा स्पष्ट होती है वो समय उसके लिये सुखमय होता है ।

यदि एक खोखले हाथ पर सूर्य रेखा विध्यामान हो तो ऐसा व्यक्ति निरंतर दुर्भाग्य होने के बावजूद सदेव आशावादी एव तेजस्वी प्रतीत होता है

घर में पेंडुलम इसीलिए है जरूरी

परिवर्तन एक क्रियाशील शब्द है।

जो जिंदगी में आगे बढने की सीख देता है। परिवर्तन यांग ऊर्जा को बढावा देता है। फेंगशुई में 'यांग' सकारात्मक ऊर्जा का प्रतिनिधित्व करती है।

यह नकारात्मक रूप से प्रवाहित हो रही 'चि' ऊर्जा को रोकने में सक्षम है। फेंगशुई विशेषज्ञों का मानना है, 'घर में पेंडुलम वाली घडी, छत के निचले सिरे पर पंखा और टेबल फेन जरूर उपयोग करना चाहिए।'

यह उपकरण आपको इस तरह लगाना चाहिए। जिससे परिवर्तन सा दृश्य हो यानी यह कमरे के दक्षिण क्षेत्र में ऊर्जा को प्रवाहित करें। पूर्व दिशा हमारे जीवन में बहुत महत्व रखती है यह सेक्स और भविष्य निर्माण की शक्ति का संचय रखने में सक्षम है।

यदि ऊपर बताए गए उपकरणों के रंगों का चयन भी सकारात्मक रंगों जैसे पीला, हरा, केसरिया आदि के अनुरूप किया जाए तो यह और भी ज्यादा प्रभावशाली हो जाते हैं।

इसलिए यह व्रत सर्वश्रेष्ठ और परम फलदायक है

> शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है उसके कई जन्मों के पाप कट जाते हैं और व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान प्राप्त करता है। संस्कृत शब्द एकादशी का शाब्दिक का अर्थ ग्यारह होता है। एकादशी पंद्रह दिवसीय पक्ष (कृष्ण पक्ष और शुक्ल पक्ष) के ग्यारवें दिन आती है।

शास्त्रों के अनुसार हर वैष्णव को एकादशी के दिन व्रत करना चाहियें। यह ब्रत मनुष्य जीवन के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। 28 अगस्त को जया एकादशी व्रत है। पुराणों में सभी व्रतों में एकादशी व्रत का बडा महत्व बताया गया है। पूरे साल में 24 एकादशी आती है । एकादशी का आरम्भ उत्पन्ना एकादशी से होता है। सी मान्यता है कि इसी एकादशी से एकादशी के व्रत की शुरुआत हुई थी। शास्त्रों के अनुसार सतयुग में इसी एकादशी तिथि को भगवान विष्णु के शरीर से एक देवी का जन्म हुआ था।

उस देवी ने भगवान विष्णु के प्राण बचाए थे जिससे प्रसन्न होकर श्री विष्णु जी ने इन्हें एकादशी नाम दिया। शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एकादशी के दिन व्रत रखकर भगवान विष्णु की पूजा करता है उसके कई जन्मों के पाप कट जाते हैं और व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान प्राप्त करता है। शास्त्रों के अनुसार एकादशी का ब्रत रखने वाला संसार की मोहमाया के प्रभाव से मुक्त हो जाता है, उसमें बुराइयाँ समाप्त होती जाती है और एकादशी के ब्रत के पुण्य के प्रभाव से वह व्यक्ति विष्णु लोक में स्थान पाता है।

एकादशी के ब्रत को सभी ब्रतों में श्रेष्ठ माना जाता है । इस दिन योग्य ब्राहमणो को यथा शक्ति दान दक्षिणा भी देना चाहिए । इस व्रत को करने से समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं और भगवान श्री हरि विष्णु और माँ लक्ष्मी अति प्रसन्न होते हैं। जातक को जीवन में धन, यश, आरोग्य, विघा, योग्य पुत्र , पारिवारिक सुख, ऐश्वर्य तथा मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है और अंत में वह विष्णु लोक को जाता है। उसके पितृ भी तर जाते है, उन्हें स्वर्ग में स्थान मिलता है। जातक की आने वाली पीढियों को भी इस ब्रत का लाभ मिलता है। इसलिए यह व्रत सर्वश्रेष्ठ और परम फलदायक है। हिन्दु धर्म के सभी धर्म ग्रन्थ एकादशी के दिन पूर्ण रूप से उपवास करने को करते हैं। शास्त्रों के अनुसार इस पृथ्वी में पुण्य फलो की प्राप्ति के लिए आठ वर्ष से अस्सी वर्ष तक के सभी मनुष्यों को एकादशी के दिन व्रत अवश्य ही रखना चाहिए। शास्त्रों के अनुसार जो पूर्ण रूप से उपवास नहीं कर सकते है वह दोपहर या संध्या काल में एक बार भोजन कर सकते हैं। परन्तु इस दिन किसी कोई भी , किसी भी रूप या स्थिति में अन्न को ग्रहण नहीं करना चाहिये। एकादशी ब्रत करने की इच्छा रखने वाले मनुष्य को एकादशी से एक दिन पहले दशमी के दिन मांस, प्याज, लहसुन , मसूर की दाल आदि निषेध वस्तुओं का सेवन नहीं करना चाहिए एवं रात्रि को पूर्ण ब्रहमचर्य का पालन करना चाहिए ।एकादशी से एक दिन पहले अर्थात दशमी के दिन रात को सोने से पहले अच्छी तरह दाँत को साफ करके सोना चाहिए ।

एकादशी के दिन प्रात: लकडी का दातुन या मँजन न करें, वरन उँगली से कंठ को अच्छी तरह से साफ कर लें, और पानी से बारह बार कुल्ला कर लें। फिर स्नानादि कर गीता पाठ एवं उस दिन की एकादशी की कथा को पढे करें या पुरोहितजी से श्रवण करें। उस दिन ब्रत करने वाले को प्रभु के सामने यह प्रण करना चाहिए कि ' आज मैं कोई भी बुरा काम, बुरा आचरण नहीं करूँगा , किसी का दिल नहीं दुखाऊँगा ना ही दुष्ट मनुष्यों से बात करूँगा और रात्रि को जागरण कर कीर्तन करूँगा।'एकादशी के दिन 'ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय' इस द्वादश मंत्र का अधिक से अधिक जाप करें। इस दिन विष्णु के सहस्रनाम भी पाठ करें । भगवान विष्णु से प्रार्थना करें कि– हे ईश्वर आप मुझे इस ब्रत को विधिपूर्वक पूरा करने की शक्ति प्रदान करना। इस दिन यदि भूलवश कोई बुरा आचरण हो भी जाय तो प्रभु श्रीहरि की पूजा कर उनसे क्षमा माँग लेना चाहिए। एकादशी के दिन ना तो घर में झाडू लगाएं और ना ही इस दिन बाल कटवाएं । इस दिन अधिक बोलना भी नहीं चाहिए। क्योंकि अधिक बोलने से मुख गलत शब्द भी निकल जाते हैं। एकादशी के दिन क्रोध नहीं करते हुए मीठे, मधुर वचन ही बोलने चाहिए।

एकादशी के दिन निम्न चीजे अवश्य करे :

* एकादशी के दिन यथाशक्ति दान अवश्य ही करना चाहिए।

* इस दिन चाहे आपने ब्रत रखा हो या नहीं लेकिन आप किसी भी दूसरे मनुष्य का दिया हुआ अन्न बिलकुल भी ग्रहण न करें। ।

* ब्रत रखने वाले को एकादशी के दिन गाजर, शलजम, गोभी, पालक, कुलफा का साग इत्यादि का सेवन नहीं करना चाहिए।

* इस दिन दूध, सेब, आम, अंगूर, मेवो में बादाम, पिस्ता , दूध इत्यादि का सेवन करें। इस दिन प्रत्येक वस्तु को प्रभु को भोग लगाकर तथा तुलसीदल छोडकर ग्रहण करना चाहिए।

* एकादशी के अगले दिन अर्थात द्वादशी के दिन ब्राहमणों को मिष्ठान्न, दान दक्षिणा अवश्य ही देना चाहिए और उन्हें भोजन कराने के बाद ही स्वयं भोजन करना चाहिए । जया एकादशी व्रत से मिलती है पिशाच योनी से मुक्ति। शास्त्रों में कहा गया है कि जो व्यक्ति श्रद्धा पूर्वक जया एकादशी का व्रत रखता है वह ब्रहमहत्या जैसे महापाप से छूट जाता है। इस व्रत के पुण्य से व्यक्ति को पिशाच योनी से भी मुक्ति मिल जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि इस व्रत के दिन पवित्र मन से भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए। मन में द्वेष, छल-कपट, काम और वासना की भावना नहीं लानी चाहिए। नारायण स्तोत्र एवं विष्णु सहस्रनाम का पाठ करना चाहिए। इस प्रकार से जया एकादशी का व्रत करने से भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती।

बेडरूम में झरने, तालाब की तस्वीर नहीं लगाएं

आपसी बातचीत शादीशुदा जिंदगी में रिश्तों की डोर को मजबूत बनाती है और टीवी और अन्य गैजेट्स इस बातचीत को पूरी तरह खत्म कर देते हैं। इसलिए फेंगशुई के अनुसार अगर शादीशुदा जिंदगी में खुशियां चाहिए तो टीवी को बेडरूम से बाहर निकालना ही होगा। एक ही गदा हो, फेंगशुई के अनुसार पति-पत्नी के बेड पर एक ही गदा होना चाहिए। मसलन अगर डबल बेड है तो भी गद्दा एक ही फुल साइज होना चाहिए। दो गदों का प्रयोग वैवाहिक जोडे के भविष्य के लिए हानिकारक माना जाता है। अलगाव नहीं संबंधों को दें जगह। पति-पत्नी के बेडरूम में अलगाव को दर्शाने वाली चीजें नहीं होना चाहिए। यहां नदी, तालाब, झरना और जल संग्रह आदि की तस्वीरें नहीं लगानी चाहिए। पुराने रिश्तों को ना दें जगह, अगर पति-पत्नी में से किसी का पहले किसी अन्य से कोई रिश्ता हो तो उसे जुडी हर वस्तु बेडरूम से बाहर रखनी चाहिए। इस बात का ख्याल खासकर उन कपल्स को रखना चाहिए जिनकी या तो तलाक या पहली पति या पत्नी के मरने के बाद दूसरी शादी हुई हो। पानी वाली चीजें रखें बाहर। फेंगशुई के अनुसार पानी प्यार की ऊर्जा में बाधक का काम करता है, इसलिए बेडरूम में झरने, तालाब आदि की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। साथ ही बेडरूम के अंदर किसी तरह का फव्वारा या मछलीघर भी नहीं रखना चाहिए।

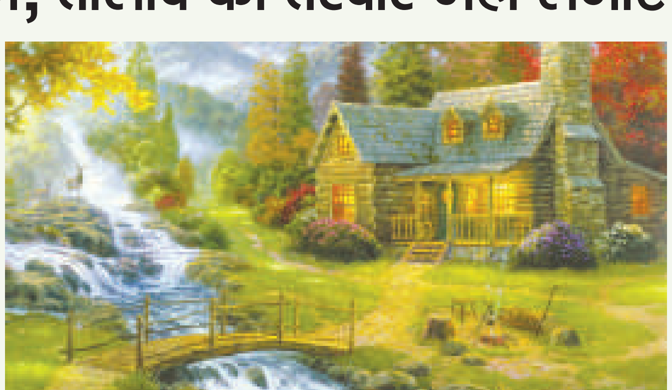

> फेंगशुई सिर्फवस्तुओं को सही जगह रखने का विज्ञान भर नहीं है, बल्कि इससे लव लाइफको भी बेहतर बनाया जा सकता है। इसमें ऐसे कई टिप्स हैं जिसका पालन करके अविवाहित और विवाहित दोनों अपनी जिंदगी में लव का संचार कर सकते हैं। घर में टीवी, कंप्यूटर पर ज्यादा समय न दें बल्कि प्यार को जगाएं।

पीने के लिए भी बस एक बोतल पानी रात के समय काफी है। बेडरूम में अपना बिस्तर खिडकी या दीवार से सटाकर कभी भी न लगाएं। इससे रिश्तों में तनाव उत्पन्न होता है और आपसी असहयोग की प्रवृत्ति को बढावा मिलता है। घर को थोडा सजाएं, जिन युवाओं को अपना मनचाहा प्रेमी नहीं मिल रहा उन्हें सबसे पहले अपना घर देखना चाहिए। घर को सजाना पॉजिटिव एनर्जी को लाने का सबसे आसान तरीका होता है। घर की साफ-सफाई और सजावट में वक्त दीजिए। फेंगशुई के अनुसार सिंगल कुर्सियां और पक्षी, जानवरों की मूर्ति अकेलेपन को दर्शाती है, इसलिए सिंगल कुर्सियों को हटाएं। घर में जोडे वाले पक्षियों की तस्वीर या मूर्ति लगाए। इससे आपस में प्यार बढेगा। दक्षिण-पश्चिम कोना है बेहतर, फेंगशुई के अनुसार घर का दक्षिण पश्चिम हिस्सा ही प्यार का हिस्सा होता है। इस हिस्से को जितना हो सके सजा कर रखें।

पेंटिंग बदल सकती है किस्मत

- **यदि** हम आस-पास तलाश करें, तो हर तरफनकारात्मकता दिखाई देगी। ऐसे में हम अपने घर में सकारात्मकता का प्रवेश लाने के लिए कुछ आसान से वास्तु उपाय आजमा सकते हैं। ऐसा करने पर आप अपने व्यवसाय और जिंदगी में तरक्की की नई सीढियां चढ सकते हैं।
- जीवित व्यक्ति की तस्वीर या पेंटिंग पश्चिम दिशा में और दिवंगतों की दक्षिण दिशा में होनी चाहिए।

  घर में हमेशा उदय होते सूर्य की तस्वीर और पेंटिंग ही लगाएं। क्योंकि अस्त होता सूर्य नकारात्मकता को प्रदर्शित करता है।
- घर में झाडू की वजह से घर में किसी भी तरह की नकारात्मक ऊर्जा नहीं फैलती है।

  बच्चों की तस्वीर, लैंडस्केप या हरा-भरा जंगल आदि जैसे पेंटिंग या फोटो पश्चिम दिशा में लगाना उत्तम माना गया है।
- हिंदू धर्म में झाडू को लक्ष्मी के समान माना जाता है। ध्यान रखें घर का कोई भी सदस्य झाडू को पैर न लगाए। यह लक्ष्मी का अपमान माना जाता है और इससे घर में कई तरह की आर्थिक परेशानियां आ सकती हैं।
- नवविवाहित जोडे की फोटो या पेंटिंग कमरे की उत्तर दिशा या उत्तर-दक्षिण कोने में लगानी चाहिए।

घर में भोजन कक्ष की ऐसी हो स्थिति

भोजन शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। फेंगशुई के अनुसार यदि भोजन सही दिशा में बैठ कर सर्व किया जाए तो इसका ज्यादा लाभ मिलता है। भोजन बनाने की जगह हमेशा साफ रखनी चाहिए। यहां मौजूद फर्नीचर को व्यवस्थित रखते हुए, डाइनिंग टेबल को कमरे के बीचों बीच ही रखें। ताकि ऊर्जा का प्रवाह ठीक तरह से हो। डाइनिंग टेबल यदि गोलाकार या अष्टकोणीय हो तो ज्यादा प्रभावशाली होती है। वर्गाकार या आयाताकार टेबल के कोने गोल होना चाहिए। यह बेहतर माना गया है। डाइनिंग टेबल के सामने आइना जरूर लगाएं। आईना कुछ इस तरह लगाइए कि खाद्य पदार्थ भी उसमें दिखाई देते रहें। ऐसा करने पर यह घर में अन्न का भंडार खत्म नहीं होने देते। यदि संभव हो सके तो किचिन में फलों और सब्जियों की पेंटिग्स या चित्र भी लगाएं। और टेबल पर फलों को सजाकर रखें। आपका फ्रीज भी सब्जियों और फ्लों से भरा होना चाहिए। ऐसा करने पर आपके घर में समृद्धि बनी रहती है। चीनी फेंगशुई के अनुसार फुक, लुक और साऊ चीनी देवताओं की मूर्तियों को किचिन में लगाना अति सौभाग्यशाली जाता है।

सुझाव

फिट लोग जिम में खुद को करते हैं चोटिल

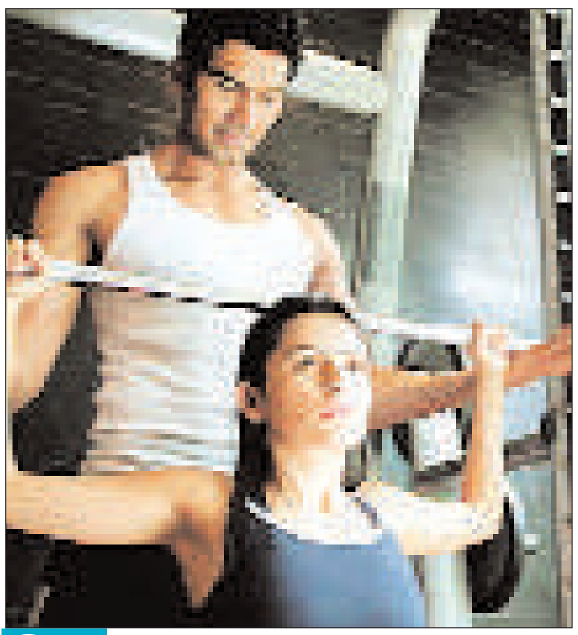

फिट रहने के लिए नियमित रूप से जिम जाना जरूरी है। जिम में बहुत सारे उपकरण होते है । जिनका प्रयोग आप करते हैं। कई बार हम यह देखते हैं कि ट्रेडिमल पर चलते हुए, मशीनों का गलत प्रयोग करते हुए, अधिक वजन उठाने, आदि के कारण आप चोटिल हो जाते हैं। लेकिन जो लोग मंझे होते हैं यानी जो नियमित रूप से जिम आते हैं वो ये गलतियां कम करते हैं, फिर भी वो चोटिल हो जाते हैं। इनकी चोट के पीछे मशीन का गलत प्रयोग नहीं होता बल्कि दूसरे कारण भी होते है। जिनके कारण फिट लोग भी खुद को चोटिल कर लेते हैं। इस स्लाइडशो में उनके बारे में जानते हैं।

वॉर्म-अप न करना

जिम के मशीनों का प्रयोग करना जितना जरूरी है। उससे कहीं ज्यादा जरूरी इनके प्रयोग से पहले वार्म-अप करना है। लेकिन लोग जिम जाकर सीधे मशीनों का प्रयोग करने लगते हैं और चोटिल होते हैं। दरअसल वर्कआउट से पहले स्ट्रेचिंग या वार्म-अप करने से आपकी मांसपेशियां जिम के लिए तैयार हो जाती हैं। वार्म-अप से जोड़ों के अंदर मौजूद लुब्रीकेंट सक्रिय हो जाता है और जोड़ लचीले हो जाते हैं। जिम में चोटिल होने के पीछे आपका बहुत अधिक उत्साहित हो जाना भी है। आप जल्दी से अपने एब्स पैक बनाना चाहते हैं, इसलिए आप एक पाउंड वजन से शुरूआत करते हैं और दो-तीन राउंड के बाद इसे बढ़ाते जाते हैं। जबकि इसके लिए आपको कुछ सप्ताह या महीनों का इंतजार करना चाहिए।

सही तरीके से नहीं करते

वर्कआउट के दौरान अक्सर आपको लगता है कि अब एक ही राउंड बचा है या फिर एक ही एक्सरसाइज बची है क्यों न ऐवें ही कर लिया जाये, गलती यहीं होती है। स्वाट करने के लिए अगर आगे की तरफ सही से न झुका जाये तो कमर में खिंचाव की समस्या हो सकती है। यानी एक छोटी सी गलती आपको चोटिल कर सकती है। जिम में प्रत्येक वर्कआउट के लिए नियम होते हैं, और उनकी अनदेखी करने से चोट लगना स्वाभाविक है। इसके अलावा जिम के लिए एक निश्चित समय होता है और उससे अधिक वर्कआउट करना सही नहीं है। इसके अलावा अगर वर्कआउट के समय दर्द होने लगे तो तुरंत जिम करना बंद कर दें। लेकिन लोग इस दर्द को हल्का दर्द समझ कर बर्दाश्त करते हैं और स्थिति बदतर हो जाती है।

आराम नहीं करते

रोज जिम जाने की जरूरत नहीं है, फिटनेस ट्रेनर भी आपको सप्ताह में दो से तीन दिन आराम करने की सलाह देते हैं। क्योंकि मांसपेशियों को रिकवरी के लिए वक्त चाहिए। इसके अलावा एक ही दिन एक जैसा व्यायाम न करें, नहीं तो परिणाम सकारात्मक होने की बजाय नकारात्मक आने लगेगा। इसलिए मांसपेशियों को भरपूर आराम दें और अपने शरीर को भी आराम दें।

गलत जूतों के कारण

अगर आपको लगता है कि एक ही जूतों से सभी तरह के वर्कआउट किये जा सकते हैं तो आप गलत हैं। प्रत्येक वर्कआउट के लिए अलग-अलग तरह के जूते डिजाइन किये गये हैं। रनिंग के लिए बने जूतों में फ्लेक्सिबल फैब्रिक्स का प्रयोग किया जाता है। इसलिए वर्कआउट के अनुसार ही जूतों का चयन करें और चोटिल होने से बचें।

सुबह उठते ही पानी पीने से
निखरती है सुंदरता

बेहतर जीवन यापन के लिए जरूरी है शुद्ध और पौष्टिक आहार, परफेट व्यायाम और ढेर सारा पानी। इन तीनों ही चीजों को अगर बिल्कुल सही तरीके से मेनटेन करके चला जाए, तो आपकी बॉडी भी पूरी तरह से हेल्दी, वेल्दी एंड फाइन बन जाती है। अब आपमें से कई लोग ये सोच रहे होंगे कि पौष्टिक आहार और व्यायाम तक तो सुना था। अब इसमें पानी का ऐसा या रोल है। बहुत बड़ा रोल है। कहते हैं कि रोज सुबह खाली पेट पानी पीने से आपके शरीर को बहुत सारे फायदे होते हैं। सिर्फ यही नहीं पानी आपको और भी कई तरीके से हेल्दी रखता है। कैसे, आइए जानें।

गंदगी का बाहर निकलना जरूरी

सांस लेने में, खाना खाने में या कई और तरीकों से भी बाहर की गंदगी हमारे शरीर में पहुंच जाती है। इस गंदगी को लोग अगर समय-समय पर शरीर से

बाहर नहीं निकालते रहे तो ये हमारी बॉडी के अंदर ढेर होकर किसी भी तरह का नुकसान पहुंचा सकती है। इस गंदगी को शरीर से बाहर निकालने का सबसे सही उपाय है पानी। हम जितना ज्यादा से ज्यादा पानी पिएंगे। हमारी यूरिन के जरिए ये गंदगी हमारे शरीर से बाहर निकलती रहेगी।

कब्ज रहता है दूर

आपको भी आए दिन कज की समस्या सताती है। हां, तो आपके लिए भी रामबाण दवा है सिर्फ और सिर्फ पानी। दरअसल ऐसा तो डॉटर्स की भी राय होती है कि खाली पेट पानी पीने से पेट पूरी तरह से साफ हो जाता है। अब जाहिर सी बात है कि जब पेट पूरी तरह से साफ हो गया तो पूरे दिन के लिए आपकी पाचन क्षमता और भी अच्छी हो जाएगी।

त्वचा में आता है निखार

आप भी ग्लोइंग स्किन के मुरीद हैं तो सबसे आसान नुस्खा है सुबह उठते ही सबसे पहले पानी पीना। ऐसा करने से आपका शरीर हाइड्रेटेड रहता है। इसके साथ ही आपकी स्किन भी सॉफ्ट होती है।

दुरस्त रहती है पाचन क्रिया

किसी को भी अगर अपनी पाचन क्रिया पूरी तरह से दुरुस्त रखनी है तो सबसे अच्छा तरीका है जी भर के पानी पीना। सुबह उठते ही पानी पीने से पाचन क्रिया दुरुस्त रहती है।

सिर्फ यही नहीं ऐसा करने से हमारी पाचन क्रिया 1. 5 घंटे तक 24 प्रतिशत और भी ज्यादा बढ़ जाती है।

शरीर के लिए फायदेमंद है नमक वाला पानी

नमक, इसका इस्तेमाल तो रसोई में खाना बनाने के लिए किया जाता है। यह खाने का स्वाद और बढ़ा देता है। स्वाद के साथ अगर देखा जाए तो नमक प्राकृतिक रूप से एक औषधि भी है, जो शरीर को स्वस्थ रखने में मददगार साबित होता है। अगर रोज सुबह नमक वाले पानी का सेवन किया जाए तो ऐसे में शरीर को कई स्वास्थ्य संबंधी फायदे मिलते हैं। क्योंकि नमक में ऐसे कई तत्व मौजूद होते हैं।जो शरीर के लिए काफी फायदेमंद साबित होते हैं।

वजन घटाएंः नमक वाला पानी पाचन को दुरुस्त करके शरीर की कोशिकाओं तक पोषण पहुंचाता है, जिससे कि मोटापे को कंट्रोल में किया जा सकता है।

त्वचाः नमक में मौजूद क्रोमियम और सल्फर होता है जो एक्ने से लड़ने में मदद करता है। इसके अलावा यह त्वचा को कोमल और साफ बनाएं रखता है।

डिटॉक्सः प्राकृतिक रूप अगर देखा जाए तो नमक बॉडी को डिटॉक्स करने का काम करता है। इसलिए रोजाना सुबह उठकर नमक वाले पानी का सेवन करें।

हड्डियां मजबूतः नमक वाले पानी में कुछ ऐसे तत्व पाए जाते हैं जो शरीर में कैल्शियम की कमी को पूरा करके हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं।

एंटीबैक्टिरियलः नमक में खनिज भरपूर मात्रा में मौजूद होते हैं, जो एंटीबैक्टिरियल का काम करते हैं और शरीर को तंदरूस्त बनाने में मदद करते हैं।

कई बीमारियों से दूर रखती है अजवाइन

अजवाइन का इस्तेमाल मसाले के रूप में हर रसोई में किया जाता है। दादी-नानी के नुस्खे में पेट दर्द होने पर अजवाइन की फक्की मार लेने की सलाह दी जाती है। यह खाने का स्वाद तो बढ़ाती ही है साथ ही सेहत से जुड़ी कई परेशानियों को दूर करती है। इसका चूर्ण बनाकर खाने से पाचन क्रिया दुरूस्त रहती है।

इसके लाजवाब फायदों के बारे में

अपचः खाना खाने के बाद भारीपन होने पर 1 चम्मच अजवाइन को चुटकी भर अदरक के पाउडर के साथ खाने से फायदा मिलता है।

गुर्दे की पथरीः गुर्दे की पथरी के इलाज के लिए अजवाइन बहुत लाभकारी है। अजवाइन, शहद और सिरका का लगातार 15 दिनों तक सेवन करने से फायदा मिलता है।

अस्थमाः अस्थमा के इल ाज के लिए भी अजवाइन बहुत फायदेमंद मानी जाती है। रोजाना दिन में 2 बार अजवाइन के साथ गुड का सेवन करने से लाभ मिलता है।

पेट दर्दः पेट दर्द से परेशान हैं तो अजवाइन और नमक का सेवन गुनगुने पानी के साथ करें।

पीरियड्सः पीरियड्स में होने वाली दर्द से छुटकारा पाने के लिए अजवाइन का पानी बहुत लाभदायक है।

गठियाः गठिया यानि जोड़ों का दर्द। गठिए के रोगी को रोजाना अजवाइन के तेल के साथ जोड़ों की मालिश करनी चाहिए। इससे आराम मिलेगा।

जानकारी

अदरक और कालीमिर्च है आपके लिए अमृत समान

रोजाना के दिनों में होने वाली कब्ज, सर्दी-खांसी जैसी समस्याओं को दूर करने के लिए अदरक और कालीमिर्च खाएं। इन समस्याओं के साथ अन्य कई बीमारियां भी आप से दूर रहेंगी।

कब्ज की दिक्कत

आज शहरों में रहने वाला हर दूसरा इंसान शाम को भोजन करने के बजाय फास्टफुड और चटपटा भोजन ही खाना पंसद करता है। जबकि ये भोजन हल्के होने के बजाय पेट को भारी करने का काम करते हैं और कब्ज की समस्या पैदा करते हैं। अगर आपकी भी रुटीन लाइफ ऐसी है और आपको कब्ज की समस्या है तो रात को पानी में अदरक और काली मिर्च उबालें और उसे पिएं। इससे कब्ज की समस्या नहीं होगी।

खांसी दूर करे

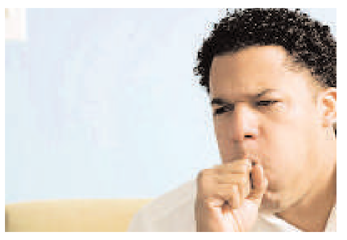

बदलते मौसम में इंसान को सबसे पहले सर्द-गर्म ही होता है जिसका पहला लक्षण है- खांसी। यदि समय पर इस मौसमी खांसी का उपचार नहीं किया जाता है तो यह गंभीर रोग बन जाता है। तो अगर आपको खांसी की समस्या है तो काली मिर्च को पीसकर उसका पाउडर बनायें। फिर देशी घी में उसे भूनकर उसका सेवन करें। गरम शहद में अदरक का रस मिलाकर पीने से भी इससे राहत मिलती है।

बुखार का रामबाण इलाज

कालीमिर्च और अदरक का घोल तो बुखार का रामबाण इलाज है। बुखार ठीक करने के लिए सुबह शाम पानी में अदरक और काली मिर्च उबाल कर पिएं। इससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है और बुखार ठीक हो जाता है।

पेट दर्द से राहत दिलाए

पीरियड के दौरान कई महिलाओं को पेट दर्द की समस्या होती है। ये दर्द कई बार खून अच्छी तरह से नहीं निकलने के कारण होता है। ऐसी स्थिति में अदरक और काली मिर्च का इस्तेमाल करें। इसके लिए 2 से 3 ग्राम अदरक, 4 काली मिर्च और एक बड़ी इलायची पीसकर पानी में उबाल लें। अब इसे गुनगुना होने पर पियें। पेट दर्द से राहत मिलेगी।

मुंह की दुर्गंध दूर करे

कई लोगों के मुंह से दुर्गंध आने की समस्या होती है जिसके कारण उन्हें दूसरों के सामने हंसी का पात्र बनना पड़ता है। मुंह की दुर्गंध दूर करने के लिए सुबह-सुबह अदरक और कालीमिर्च को पानी में उबालें और उससे कुल्ला कर लें। इससे मुंह की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

सैडंल खरीदने सें पहले रखे इन बातों का ध्यान

अपने लिए सही सैंडल खरीदना भी आसान काम नहीं है क्यूंकि अगर आप अपने लिए सही हील नहीं चुनते तो आपकी सेहत पर इसके कई साइड इफेक्ट भी होते हैं। आपने इतनी पैसे भी लगाए और सैंडल पहना भी नहीं। सही सैंडल आपके अच्छे काम आती है जैसे इससे आपका आत्मविश्वास तो बढ़ता ही है । साथ ही साथ आपके पैर सुंदर दिखते हैं । अगली बार आपको सैंडल खरीदने से पहले किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

अपने पैर का नाप लें – आपको अपने पैर का नाप लेते रहना चाहिए क्यूंकि उम्र के साथ पैर के नाप में भी अंतर आता है और उम्र के साथ नाप कम भी हो जाता है।

आराम सबसे ऊपर है- सैंडल पहन कर चलें और यह देखें कि आप उनमें कैसा महसूस कर रहे हैं। अगर आपको सैंडल पैरों में कसा हुआ आ रहा है तो यह बिल्कुल ना सोचें कि यह कुछ दिनों में फैल जाएगा क्यूंकि ज्यादातर सैंडल के साथ ऐसा नहीं होता।

सैंडल खरीदने दोपहर के समय जाएँ – दोपहर के समय आपका पैर सामान्य रूप से फैलता है और इसलिए आप अपने लिए सही पाएंगे और ऐसी सैंडल ले पाएंगे जो आपको फिट आ रही हो।

मैच कर लें – जब भी आप सैंडल खरीदती हैं तो आपको अपने दिमाग में अपने कपड़ों को रखना चाहिए और यह ध्यान रखिये कि वह सैंडल आपके कम से कम तीन कपड़ों के साथ फिट होना चाहिए।

हील कैप लगाएं- इससे आपको और आपके आस पास के लोगों को आपके हील की आवाज नहीं आएगी।

एक्सट्रा सपोर्ट का इस्तमाल- कभी कभी आप कुछ सैंडल के लिए एक्सट्रा सपोर्ट चाहते हैं ताकि आप आराम महसूस करें। इसके लिए आप आर्च सप्पोर्ट या इन्सोल ले सकते हैं जो काफी आरामदायक होता है और आप आसानी से पूरे दिन हील में घूम सकते हैं।

नई नवेली दुल्हन पहने ये साड़ियां

अगर आप शादी कर रही हैं तो इंडियन डिजाइनरों की खूबसूरत साड़ियों का कलेक्शन देखना ना भूलें। शादी की तैयारी के चक्कर में हम शादी की बाद की तैयारी करना भूल जाते हैं। शादी के पहले दिन अपने ससुराल में कौन सी साड़ी पहने इस बारे में कोई चिंता नहीं करते। दुल्हनों को यह भूलना नहीं चाहिये कि पहला इंप्रेशन आखिरी इंप्रेशन होता है। शादी के बाद घर पर आप ही सेंटर ऑफ अट्रेक्शन होती होंगी इसलिये जो भी साड़ी पहने वह सोंच समझ कर पहननी चाहिये। इसी बात को ध्यान में रखते हुए हम आज आपको चार साड़ियों के बारे में बताने जा रहें हैं, जिन्हें दुल्हनों को शादी के कुछ दिनों के बाद तक पहना जाना चाहिये।

रेड और गोल्डन साड़ी – बहुत सारी दुल्हन ट्रेडिशनल रेड कलर को ही पहना पसंद करती हैं। रेड साड़ी पर गोल्डन डिजाइन का बॉर्डर और उसके साथ गोल्डन ब्लाउज आपके चार्म को और निखार सकता है। इसके साथ आप गहने और एक रेड बिंदी लगा सकती हैं।

फ्लोरल प्रिंट साड़ी – कई दुल्हन काफी हैवी साड़ी पहनती हैं, लेकिन आप कुछ अलग हट कर कर सकती हैं। जैसे फ्लोरल प्रिंट साड़ी में मॉडर्न दुल्हन। इसके साथ आप पर्ल नेकलेस और रामलीला इयररिंग पहन सकती हैं।

वाइब्रेंट नेक्स्ट डोर साड़ी – ढेर सारी कढ़ाई की हुई भारी साड़ी पहने के बजाये आप एक फैशनेबल साड़ी पहन सकती हैं। जिस पर अच्छी डिजाइन हो और जो आपको गर्ली लुक दे।

पीली साड़ी – येलो साड़ी कभी भी नयी दुल्हन के लिए पुरानी नहीं होती है। इसके साथ आप पर्ल का कमर बंद पहन सकती हैं, साथ ही रेड बिंदी और गोल्डन चू डियां भी पहन सकती हैं।

रेसिपी

स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स

सामग्री

2 कप मैदा, 1 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 कप बारीक कटे हुए आलू ,1 कप बारीक कटा हुआ फूलगोभी ,1 कप कद्दूकस किया हुआ गाजर , 4 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार , 1 छोटा चम्मच गरम मसाला, पानी आवश्यकतानुसार , तलने के लिए तेल

विधि

सबसे पहले एक बर्तन में मैदे में थोड़ा सा नमक, तेल और पानी डालकर गूंद लें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही इसमें प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भून लें। अब इसमें आलू, फूलगोभी, गाजर, नमक मिलाएं और कड़छी से चलाते हुए फ्राई कर लें। जब सभी सब्जियां सॉफ्ट हो जाएं तब इसमें गरम मसाला मिलाएं और अच्छे से मिक्स कर आंच बंद कर दें। मिश्रण को एक बर्तन में निकाल लें और ठंडा होने के लिए रख दें। इसी बीच गूंदे हुए मैदे की लोइयां तोड़कर इसकी रोटियां बेल लें। मिश्रण के ठंडे होते ही इसे रोटियों के बीचों बीच रखकर इनके बॉल्स बनाएं और एक कटोरी में रखते जाएं। ध्यान रहे कि कटोरी को हल्का चिकना जरूर कर लें। अब मीडियम आंच में एक कड़ाही में 1 से 2 कप पानी गर्म करने के लिए रखें। पानी के गर्म होते ही आंच धीमी कर दें और बॉल्स वाली कटोरी को कड़ाही में रखकर इसे 5 मिनट के लिए ढक दें। तय समय के बाद स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स तैयार मिलेंगे। स्टीम्ड वेजिटेबल बॉल्स को सर्विंग प्लेट में निकालें और टोमैटो गार्लिक चटनी के साथ सर्व करें।

गुड़ पोहा

सामग्री

1 कप पोहा, 1 छोटी कटोरी गुड़ , 2 चम्मच कद्दूकस किया हुआ नारियल , एक चौथाई चम्मच इलायची पाउडर , 1 बड़ा चम्मच घी, पानी आवश्यकतानुसार

सजावट के लिए, 4-5 बारीक कटे हुए काजू

विधि

सबसे पहले पोहे को अच्छे से धोकर इससे पूरी तरह से पानी निचोड़ लें। धीमी आंच में एक पैन में पानी और गुड़ डालकर उबालें। जब गुड़ की गाढ़ी चाशनी तैयार हो जाए तब इसमें इलायची पाउडर, पोहा और कद्दूकस किया हुआ नारियल मिलाकर कड़छी से चलाते हुए अच्छे से मिक्स कर लें और आंच बंद कर दें। अब एक दूसरे पैन में घी गर्म करने के लिए रखें। घी के गर्म होते ही इसमें काजू डालकर इसे हल्का सुनहरा होने तक फ्राई कर लें और आंच बंद कर दें। तैयार गुड़ पोहे को काजू से गार्निश कर सर्व करें।

संपादकीय

ईरानी परमाणु बम के ऊहापोह

जब नई दिल्ली ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में एकतरफा युद्ध और आर्थिक प्रतिबंधों के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया जा रहा था, तब अमरीकी कांग्रेस (संसद) में प्रतिबंध संबंधी बिल पर चर्चा की जा रही थी। तभी राष्ट्रपति ट्रंप ने संभावना जताई कि ईरान युद्ध अमरीकी मध्यावधि चुनाव (मिड टर्म पोल) के बाद तक खिंच सकता है! वैसे ट्रंप इसे 'युद्ध' नहीं मानते। यह भी अजीब मान्यता है। बहरहाल उनका मानना है कि चुनावों के बाद ही जंग समाप्त हो सकती है! उसी दौरान अमरीकी सेना ने होर्मुज के पास और तेहरान में आईआरजीसी के मुख्यालय पर हवाई हमले किए। उनमें कुछ सैनिकों के हताहत होने की भी खबर सामने आई है। हमलों की इंतहा के मद्देनजर कुछ ईरानी सांसदों ने कहा कि अब परमाणु बम बनाने का वक्त आ गया है। संसद में प्रस्ताव पेश कर परमाणु नीति में संशोधन पर चर्चा कराई जाए। हालांकि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन के इतर एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सवाल की प्रतिक्रिया में सवाल किया कि ईरान में परमाणु बम बनाने के कोई सबूत अमरीका या इजरायल दे सकता है क्या? ईरान की नीति और सोच परमाणु बम बनाने की नहीं रही है। यह फिजूल का आरोप ईरान पर चस्पां किया जाता रहा है, ताकि हम पर हमला किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बार-बार बयान देते रहे हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इसी मकसद से 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर साझा हमला किया था, लेकिन वे अभी तक परमाणु कार्यक्रम की थाह भी नहीं ले सके हैं। यदि ईरान परमाणु शक्ति वाला देश होता, तो वह खामेनेई से फोन पर बात करते, हमले नहीं करते। यह राष्ट्रपति ट्रंप का ताजातरीन बयान है। रक्षा विशेषज्ञ भी ऊहापोह में हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की स्थिति में है अथवा नहीं! परमाणु विज्ञानी मानते हैं कि ईरान के पास इतना सर्वधित यूरेनियम है कि वह एक सप्ताह में ही करीब 10 छोटे परमाणु बम बना सकता है! ऐसे बम भी हिरोशिमा-नागासाकी जैसे विध्वंसक, संहारक बम होते हैं। राजनयिकों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिन ईरान ने छोटे परमाणु बम भी बना लिए, उसी दिन से इजरायल के अस्तित्व की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी। कुछ विशेषज्ञों का तो यहां तक दावा और विश्लेषण है कि राष्ट्रपति ट्रंप युद्ध के चक्रव्यूह में इतना फंस चुके हैं और गहरे तनाव की स्थिति में बताए जाते हैं, लिहाजा वह किसी भी दिन, किसी भी पल, ईरान पर टेक्टिकल परमाणु हमले का आदेश दे सकते हैं। कितना विनाश, कितनी तबाही होगी! लाशों के अंबार लग जाएंगे! समंदर का पानी विषाक्त हो जाएगा! तेल के कुएं बर्बाद हो जाएंगे! क्या ट्रंप की सनक और जिद इस पराकाष्ठा तक भी पहुंच सकती है? हमें तो कमोबेश ऐसा आभास नहीं होता। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) भी संयुक्त राष्ट्र तक गई है, क्योंकि वह ईरान की परमाणु गतिविधियों का यथार्थ जानने में अक्षम और असमर्थ है, क्योंकि ईरान ने उसके निरीक्षण, जांच-पड़ताल को नकार दिया है। यह तभी हो गया था, जब 2025 में अमरीकी बॉम्बर ने बंकर फोड़ू बमों से उसके परमाणु ठिकानों पर हमले किए थे। आईएईए और खुफिया रपटों के मुताबिक, इसके पुख्ता सबूत नहीं हैं कि ईरान के पास वर्तमान में, पूरी तरह से तैयार, परमाणु बम है या उसका हथियारबंद डिजाइन है। उपग्रह की तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि ईरान भूमिगत ठिकानों (पिकएक्स माउंटेन क्षेत्र) में अपने बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहा है, जिससे पश्चिमी देशों और विशेषज्ञों की चिंताएं बढ़ गई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान राजनीतिक निर्णय लेता है, तो वह बहुत कम समय (कुछ हफ्तों या महीने भर) में परमाणु हथियार के लिए आवश्यक विखंडनीय सामग्री तैयार कर सकता है। बहरहाल अभी तक सब कुछ अटकलें ही लगता है। ईरान परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का सदस्य है। यदि वह परमाणु बम बनाने के करीब है, तो जाहिर है कि वह इस संधि से बाहर भी आएगा। ब्रिक्स घोषणा-पत्र में परमाणु खतरे और संघर्ष के जोखिमों को भी शामिल किया गया है। क्या यह दस्तावेज सार्थक होगा? ट्रंप इसे क्यों मानेंगे? वैश्विक आर्थिकी को इस वक्त जो नुकसान झेलना पड़ रहा है, उसकी क्षतिपूर्ति में वर्षों का समय लगेगा। कई देशों में अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। लोगों को कमाई करना मुश्किल हो गया है। खाड़ी देशों में जो भारतीय काम कर रहे थे, उनके सामने भी रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। ऐसी स्थिति में बेहतर यही होगा कि इस लड़ाई को जल्द से जल्द रोका जाए तथा ईरान-अमरीका व रूस-यूक्रेन, दोनों युद्धों की समाप्ति की घोषणा हो।

संसद में प्रस्ताव पेश कर परमाणु नीति में संशोधन पर चर्चा कराई जाए। हालांकि दिल्ली ब्रिक्स सम्मेलन के इतर एक टीवी चैनल के साथ साक्षात्कार के दौरान ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने सवाल की प्रतिक्रिया में सवाल किया कि ईरान में परमाणु बम बनाने के कोई सबूत अमरीका या इजरायल दे सकता है क्या? ईरान की नीति और सोच परमाणु बम बनाने की नहीं रही है। यह फिजूल का आरोप ईरान पर चस्पां किया जाता रहा है, ताकि हम पर हमला किया जा सके। राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू भी बार-बार बयान देते रहे हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। इसी मकसद से 28 फरवरी को दोनों देशों ने ईरान पर साझा हमला किया था, लेकिन वे अभी तक परमाणु कार्यक्रम की थाह भी नहीं ले सके हैं। यदि ईरान परमाणु शक्ति वाला देश होता, तो वह खामेनेई से फोन पर बात करते, हमले नहीं करते। यह राष्ट्रपति ट्रंप का ताजातरीन बयान है। रक्षा विशेषज्ञ भी ऊहापोह में हैं कि ईरान परमाणु बम बनाने की स्थिति में है अथवा नहीं! परमाणु विज्ञानी मानते हैं कि ईरान के पास इतना सर्वधित यूरेनियम है कि वह एक सप्ताह में ही करीब 10 छोटे परमाणु बम बना सकता है! ऐसे बम भी हिरोशिमा-नागासाकी जैसे विध्वंसक, संहारक बम होते हैं। राजनयिकों और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जिस दिन ईरान ने छोटे परमाणु बम भी बना लिए, उसी दिन से इजरायल के अस्तित्व की उलटी गिनती शुरू हो जाएगी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है

शांति, स्वतंत्रता और समानता का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए "मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं" को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्तें हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं

लोकतंत्र केवल मतपत्र पर लगाई गई मुहर का नाम नहीं है। यह उस विश्वास का नाम है जिसमें प्रत्येक नागरिक को अपनी आवाज, अपनी गरिमा और अपने अधिकारों के साथ राष्ट्र-निर्माण में सहभागी होने का अवसर मिलता है। एक तरह से शांति, स्वतंत्रता, समानता एवं सह-जीवन का बुनियादी स्तंभ है लोकतंत्र। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 2007 में इस दिवस की स्थापना की थी और 2008 से इसका आयोजन हो रहा है। 2026 में अंतर-संसदीय संघ-आईपीयू ने लोकतंत्र दिवस के लिए "मानवाधिकारों को केंद्र में लाएं" को प्रमुख विषय बनाया है। इसका संदेश स्पष्ट है कि मानवाधिकार लोकतंत्र के सजावटी तत्व नहीं, बल्कि उसकी बुनियादी शर्तें हैं। मानवाधिकार सुरक्षित नहीं हैं तो चुनाव, संसद और संविधान की मौजूदगी के बावजूद लोकतंत्र अधूरा रहेगा। आज दुनिया के सामने लोकतंत्र का सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे के रूप में जीवित है या उसके भीतर नागरिक स्वतंत्रता, समानता, न्याय, संवाद और मानवीय गरिमा भी सुरक्षित हैं? संयुक्त राष्ट्र भी 2026 में लोकतंत्र को केवल चुनावों तक सीमित न मानते हुए मानवाधिकार, कानून के शासन और नागरिकों की सार्थक भागीदारी को उसकी अनिवार्य आत्मा मान रहा है। लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि सत्ता का अंतिम स्रोत जनता होती है। लेकिन इसकी कमजोरी भी यहीं से शुरू होती है। जब जनता अपनी जिम्मेदारी भूल जाती है, जब नागरिक अपने अधिकारों के प्रति तो जागरूक रहते हैं लेकिन कर्तव्यों के प्रति उदासीन हो जाते हैं, जब चुनाव जाति, धर्म, क्षेत्र, धनबल, बाहुबल या झूठे प्रचार के प्रभाव में आने लगते हैं, तब लोकतंत्र का बाहरी ढांचा तो बचा रहता है, लेकिन उसकी आत्मा कमजोर होने लगती है। आज दुनिया के अनेक देशों में लोकतांत्रिक संस्थाओं के सामने गंभीर चुनौतियां हैं। राजनीतिक ध्रूवीकरण बढ़ रहा है, संस्थाओं की स्वतंत्रता पर सवाल उठ रहे हैं, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों पर दबाव दिखाई देता है तथा सत्ता के केंद्रीकरण की प्रवृत्ति कई समाजों में चिंता का कारण बन रही है। लोकतंत्र के नाम पर चुनाव हो जाना पर्याप्त नहीं है।

यदि चुनाव के बाद नागरिकों की आवाज को महत्व न मिले, विपक्ष को शत्रु समझा जाए, मीडिया स्वतंत्र न रहे, न्यायपालिका पर दबाव हो और सत्ता जवाबदेही से मुक्त होने लगे, तो लोकतंत्र धीरे-धीरे बहुमत की निरंकुशता में बदल सकता है। महात्मा गांधी का लोकतंत्र संबंधी चिंतन आज भी इस संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक है। उन्होंने कहा था- "मेरे विचार में लोकतंत्र में सबसे कमजोर व्यक्ति को वही अवसर मिलना चाहिए जो सबसे शक्तिशाली व्यक्ति को मिलता है।" गांधी के लिए लोकतंत्र केवल राजनीतिक सत्ता प्राप्त करने की व्यवस्था नहीं था, बल्कि कमजोर से कमजोर व्यक्ति को सम्मान, अवसर और न्याय उपलब्ध कराने की व्यवस्था था। वे लोकतंत्र को अहिंसा, अनुशासन, आत्मसंयम और नागरिक चेतना से जोड़ते थे। उनका स्पष्ट विचार था कि लोकतंत्र हिंसा और असत्य के सहारे कायम नहीं रह सकता। विंस्टन चर्चिल का प्रसिद्ध कथन भी लोकतंत्र की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता हैकृ "लोकतंत्र शासन की सबसे खराब प्रणाली है, उन सभी प्रणालियों को छोड़कर जिन्हें आजमाया जा चुका है।" यह कथन लोकतंत्र की कमियों को स्वीकार करते हुए भी उसकी श्रेष्ठता को रेखांकित करता है। लोकतंत्र पूर्ण व्यवस्था नहीं है, लेकिन उसमें आत्म-सुधार की क्षमता है। जनता सरकार को चुन सकती है, उसकी आलोचना कर सकती है और आवश्यकता पड़ने पर उसे बदल सकती है। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति है-सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण। जहां सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा, क्रांति या रक्तपात की आवश्यकता नहीं पड़ती और मतदाता अपनी इच्छा से सरकार बदल सकता है, वहाँ लोकतंत्र की जड़ें मजबूत होती हैं। लेकिन इसके लिए स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन व्यवस्था, स्वतंत्र न्यायपालिका, स्वतंत्र मीडिया और सक्रिय नागरिक समाज आवश्यक हैं। आज लोकतंत्र के सामने एक नई और जटिल चुनौती कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई और डिजिटल तकनीक के रूप में भी सामने आई है। तकनीक लोकतंत्र को अधिक सहभागी और पारदर्शी बना सकती है। सरकारी योजनाओं की निगरानी, नागरिक शिकायतों के समाधान, नीति-निर्माण में आंकड़ों के उपयोग और जनता की राय को शासन तक पहुंचाने में एआई उपयोगी हो सकता है। लेकिन यही तकनीक गलत सूचना, डीपफेक, लक्षित दुष्प्रचार, हेट स्पीच और जनमत को प्रभावित करने का माध्यम भी बन सकती है। संयुक्त राष्ट्र ने भी एआई की इन संभावनाओं और जोखिमों के बीच संतुलन तथा उसके जिम्मेदार शासन की आवश्यकता पर बल दिया है। इसलिए लोकतंत्र का डिजिटल भविष्य केवल तकनीकी क्षमता से तय नहीं होगा, बल्कि इस बात से तय होगा कि तकनीक के पीछे मानवीय विवेक कितना मजबूत है। एआई लोकतंत्र का विकल्प नहीं, लोकतांत्रिक विवेक का सहायक होना चाहिए। तकनीक नागरिक को नियंत्रित करने का उपकरण नहीं, नागरिक को सशक्त करने का माध्यम बने-यही लोकतांत्रिक तकनीकी संस्कृति की कसौटी होनी चाहिए। लोकतंत्र की दूसरी बड़ी आवश्यकता है संवाद की संस्कृति। असहमति लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, उसकी शक्ति है। सरकार से प्रश्न पूछना राष्ट्र-विरोध नहीं; विपक्ष की आलोचना लोकतंत्र-विरोध नहीं; मीडिया द्वारा सत्ता से जवाब मांगना व्यवस्था-विरोध नहीं। बल्कि यही लोकतंत्र की जीवंतता के प्रमाण हैं। जब असहमति को दबाया जाता है, तब लोकतंत्र का संवाद समाप्त होता है और उसके स्थान पर भय जन्म लेता है। इसीलिए लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक दलों में भी आंतरिक लोकतंत्र जरूरी है। जो राजनीतिक संगठन अपने भीतर विचार-विमर्श, पारदर्शिता और नेतृत्व परिवर्तन की स्वस्थ परंपरा नहीं रखते, वे व्यापक समाज में लोकतांत्रिक संस्कार कैसे विकसित कर सकते हैं? लोकतंत्र की शुरुआत संसद से पहले राजनीतिक दलों और नागरिक समाज के भीतर होनी चाहिए। साथ ही लोकतंत्र को केवल राष्ट्रीय सत्ता तक सीमित रखना भी उचित नहीं। पंचायत, नगर निकाय और स्थानीय संस्थाएं लोकतंत्र की वास्तविक पाठशाला हैं। जिस लोकतंत्र में गांव का नागरिक अपने स्थानीय निर्णयों में सहभागी नहीं है, उसमें लोकतंत्र का विकेंद्रीकरण अधूरा है। गांधी का ग्राम स्वराज इसी व्यापक लोकतांत्रिक दृष्टि का प्रतीक था-सत्ता का प्रवाह ऊपर से नीचे नहीं, बल्कि नीचे से ऊपर की ओर हो। लोकतंत्र की सफलता के लिए नागरिकों को भी यह समझना होगा कि अधिकारों के साथ कर्तव्य जुड़े हैं। मतदान करना ही नागरिकता की पूर्ण जिम्मेदारी नहीं है। सही सूचना प्राप्त करना, संविधान और कानून का सम्मान करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करना, सामाजिक सद्भाव बनाए रखना और गलत नीतियों के विरुद्ध शांतिपूर्ण एवं लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना भी नागरिक धर्म है।

देश दुनिया से

पहली बार भारत को मिली 'ए' रेटिंग

जापानी रेटिंग एजेंसी 'जेसीआर' ने पिछले सप्ताह भारत की संप्रभु साख रेटिंग को बीबीबी (प्लस) से बेहतर करते हुए ए (माइनस) कर दिया है, जिसका मतलब यह है कि एजेंसी के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था का स्थायी आउटलुक है। किसी भी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने 35 वर्षों में पहली बार भारत को इस श्रेणी में रखा है। हालांकि शेष अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा भारत की रेटिंग का पूर्ण आकलन करना अभी बाकी है, जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग के अभ्युत्थान का खासा महत्व है। रेटिंग में सुधार, दुनिया में भारत के लिए निवेश के माहौल को सकारात्मक बनाता है और कंपनियों द्वारा ऋण लेने को सस्ता और सुगम बनाता है। रेटिंग एजेंसियों का पक्षपात : हालांकि भारत सरकार और उससे जुड़े संस्थान, जेसीआर द्वारा बेहतर रेटिंग का श्रेय भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती को दे रहे हैं, लेकिन यह भी सही है कि अभी तक भारत के प्रति रेटिंग एजेंसियों का रवैया कुछ पक्षपातपूर्ण रहा है। गौरतलब है कि भारत लंबे समय से दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। भारत ने आज तक कभी भी अपने ऋणों पर ब्याज या मूल चुकाने में कोताही नहीं की है, भारत के विदेशी मुद्रा भंडार निरंतर उच्च स्तर पर बने हुए हैं, भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में निरंतर प्रगति करते हुए, प्रतिरक्षा, टेलीकॉम, अंतरिक्ष, डिजिटल भुगतानों सहित डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में नए से नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कुछ समय पूर्व भारत जापान को पछाड़ते हुए, दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था भी बन गया। भारत का बैंकिंग क्षेत्र भी पूर्व की समस्याओं से निजात पाते हुए आगे बढ़ रहा है, जहां क्रेडिट ग्रोथ

20 प्रतिशत से भी अधिक बनी हुई है। भारतीय बैंकों के एनपीए मार्च 2026 तक मात्र 1.73 प्रतिशत पर पहुंच चुके हैं। लेकिन भारत की तमाम उपलब्धियों के बावजूद ग्लोबल एजेंसियों मूडीज, स्टैण्डर्ड एंड पुअर्स, फिच आदि, द्वारा भारत क्रेडिट रेटिंग में मात्र मामूली ही सुधार किया और अभी भी मूडीज द्वारा भारत की रेटिंग बीएए3 (स्टेबल), स्टैंडर्ड एण्ड पुअर द्वारा बीबीबी (स्टेबल) और फिच द्वारा बीबीबी - (स्टेबल) ही बनी हुई है। पश्चिमी देशों के सुझावों और दबावों से चल रहे तथाकथित आर्थिक सुधारों पर चलने के बावजूद भारत की रेटिंग में लंबे समय तक कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला। एक ओर जहां 2020 में मूडीज द्वारा कोरोना के कारण भारतीय बैंकों का आउटलुक को स्थायी से गिराकर नकारात्मक कर दिया गया था, जिसके कारण शेयर बाजारों में उथल-पुथल मच गई थी, लेकिन आश्चर्य का विषय यह है कि अमरीकी बैंकों में वित्तीय संकटों के बावजूद इन एजेंसियों ने तमाम जानकारी के बावजूद दुनिया को पता तक नहीं लगने दिया कि उनके निवेश भयंकर संकट में हैं। दिलचस्प बात यह है कि जहां इन रेटिंग एजेंसियों ने कोरोना महामारी के दौरान दुनिया भर की वित्तीय संस्थानों की रेटिंग को गिरा दिया था, लेकिन अपनी ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को उच्च बरकरार रखा था। फाइनेंशियल टाइम्स लिखता है कि 2015 में स्टैंडर्ड एंड पुअर ने स्वयं स्वीकार किया था कि वे बिजनेस पाने के लिए अपने ग्राहक कंपनियों की रेटिंग को ऊंचा रखते हैं, ऐसे में इन कंपनियों की रेटिंग के वास्तव में कोई मायने नहीं हैं। पिछले कई सालों से भारतीय अर्थव्यवस्था के शानदार प्रदर्शन, जिसमें पिछले 5 वर्षों में 52 लाख करोड़ रुपए इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च हो चुके हैं, भारतीय बैंक संकटों से उबर कर निरंतर प्रगति कर रहे हैं, भारत की जीडीपी पिछले 5 वर्षों में वैश्विक युद्धों, सप्लाई चैन व्यवधानों, अन्य देशों द्वारा करेंसी, वैल्यू चेन, भुगतान प्रणाली आदि के हथियारीकरण के बावजूद औसतन 8 प्रतिशत से ज्यादा तेजी से बढ़ रही है, जहां गरीबी (गरीबी और बहुआयामी गरीबी दोनों) दुनिया में सबसे तेजी से कम हो रही है, अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के कान पर जूं भी नहीं रेंग रही है। शायद यही कारण है कि इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर अपने उद्बोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आह्वान किया कि दुनिया की शीर्ष रेटिंग एजेंसियों में भारत की भी अपनी रेटिंग एजेंसी होनी चाहिए। भारतवंशियों ने दरकिनार की रेटिंग : एक और जहां ग्लोबल रेटिंग एजेंसियां भारत की प्रगति को अनदेखा करते हुए अर्थव्यवस्था की रेटिंग को जानबूझकर कमतर आंकती रही हैं, विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों ने इस रेटिंग को खारिज कर दिया है। जहां ग्लोबल एजेंसियां भारतीय अर्थव्यवस्था को बीबीबी की रेटिंग दे रही हैं, जो लगभग 'जंक' के बराबर है, भारतवंशियों ने 8 जून से 31 अगस्त 2026 के बीच मात्र तीन माह से भी कम समय में 127 अरब डॉलर से भी अधिक विदेशी मुद्रा, विदेशी मुद्रा अनिवासी बैंक जमाओं में भेज दी। जानकारों का मानना है कि ऐसा इसलिए हुआ कि भारतवंशियों ने भारत के केंद्रीय बैंक और व्यावसायिक बैंकों में विश्वास जताया है कि उनकी जमाएं सुरक्षित हैं और उनको ब्याज तथा मूल की अदायगी का कोई खतरा नहीं है। यह सही है कि इस बार रिजर्व बैंक का बैंकों को रुपए के अवमूल्यन के जोखिम से मुक्त करना और इस कारण जमाकर्ताओं को अधिक ब्याज दर देना, एक प्रमुख कारण रहा, जिससे जमाओं में अभूतपूर्व प्राप्ति हो पाई, लेकिन इसके साथ ही इससे यह भी साबित हो गया कि रेटिंग एजेंसियों की पक्षपातपूर्ण रेटिंग, भारतवंशियों के भारत और भारतीय बैंकों के प्रति विश्वास को नहीं डिगा पाई। क्या हैं जेसीआर की रेटिंग के मुख्य बिंदु : जापानी एजेंसी जेसीआर द्वारा भारत की रेटिंग में बीबीबी प्लस से ए माइनस में बदलाव करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव की ओर संकेत किया है।

आप का नज़रिया

खनकते मुद्दों की नुमाइश

हिमाचल में सियासत की पाजेब अब बजने लगी है और यह सत्ता बनाम विपक्ष के बीच, खनकते मुद्दों की नुमाइश है। आमतौर पर सरकारों के चौथे साल में मिशन रिपीट की शुमारी बढ़ती है, तो इसी अंदाज में हिमाचल के सियासी अलफाज सामने आ रहे हैं। एक परेड मंत्रिमंडलीय विस्तार के स्वरूप में जारी है और इस इंतजार में कुछ चेहरे इंकलाब कर रहे हैं। असली मसला मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड से जुड़ता है, तो स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों से कुछ नेता अमृत छक सकते हैं। हाल फिलहाल शिमला जिला परिषद चुनावों में सत्ता पक्ष की आंतरिक हालत का जो विवरण चस्पां हुआ है, उसमें कुछ नेताओं की हैसियत का दुबलापन बाहर आया है। ऐसे में शिमला को जिस तरह सत्ता का झुकाव मिला, उसके अनुरूप सियासी फील्ड का रखरखाव सही नहीं हुआ। ऐसे में सियासी पतझड़ की 'ड्रॉपिंग' में अगर कोई मंत्री पद गिर जाता है, तो हैरानी नहीं होगी, लेकिन सत्ता के चौथे वर्ष को नई छांव चाहिए। जाहिर है कुछ बदलाव और कुछ नया आगाज करने की कोशिश में, जिस टीम की जरूरत है, क्या वह राज्य से आलाकमान तक एक सरीखी अंगीकार होगी। ये कांग्रेस के अपने पेंच हैं जो नए पद के गोल पोस्ट के करीब पहुंचे सुंदर सिंह की मंजूरी और मन्नतें पूरी नहीं होने दे रहे। इसी संदर्भ में क्षेत्रीय संतुलन की दुहाई देते समीकरण सत्ता ट्रेन की जंजीर खींच रहे हैं। कायदे से फिर कहीं कांगड़ा का नाम सत्ता की अभिलाषा में, अग्रिम पांत बन गया। पालमपुर नगर निगम के चुनावी परिणामों और अपनी हस्ती के परिणामों में आगे रहे आशीष बुटेल के नाम के सदके, मंत्रिमंडल का विस्तार करीब दिखाई देने लगा है। बहरहाल पुराने मंत्री नए हालात के तोरणद्वार नहीं समझ पा रहे, तो कांग्रेसी कड़ी का उबाल बाहर निकल रहा है। भाजपा की मीन मेख निकालने वाली कांग्रेस के दिल्ली दौरे किसके करीब पहुंच रहे हैं, यह एक पहेली है इसलिए हर स्पष्टीकरण स्पष्ट नहीं है। दूसरी ओर सरकार अपने एक्शन की फिरौती में आगामी चुनाव को असाधारण बनाने का मंत्र फूंक रही है। सरकार के प्रयोग कई बार विपक्ष की बेचैनी बढ़ा देते हैं और फिर सोशल मीडिया के बीच आशंकाओं का दरबार सज जाता है। सुंदर सिंह बनाम सुधीर शर्मा के बीच सियासत की शब्दावली न मंजूर है और न ही एक दूसरे से दूर है। यह पक्ष-प्रतिपक्ष की फील्डिंग है, जो राजनीति के चरित्र को बेपर्दा कर सकती है। खैर यह दौर और आक्रामक होगा, लेकिन हिमाचल अपनी तौर पर सियासत के मुखौटों से असंतुष्ट होने लगा है। ऐसे में कांग्रेस की गारंटियां जिस शहद में डूब कर आ रही हैं, उसमें भाजपा के पालने में बेचैनी हो सकती है। प्रदेश में सत्तारूढ़ दल ने 1.8 लाख परिवारों पर अपना दांव खेलना शुरू किया है। अगर ये कांग्रेसी लाभ के समर्पित परिवार बन गए, तो राजनीतिक घटनाक्रम में उफान आ सकता है। कांग्रेस 1.8 लाख परिवारों की ढाई लाख महिलाओं को प्रति महीना पंद्रह सौ तथा तीन सौ यूनिट फ्री बिजली की आपूर्ति कर देती है, तो बजटीय खातों से गहरे सियासी खाते हो जाएंगे। सत्ता के अपने प्रभाव और अपनी दिशाएं होती हैं। वर्तमान सुक्खू सरकार की आर्थिक चुनौतियां किसी से छिपी नहीं, लेकिन सियासी प्रदर्शन के बदलते दौर में यह विपक्ष के मंसूबों को आसान नहीं होने दे रहीं। सरकार सियासत के मंच से 1.8 लाख परिवार अगर छीन सकी, तो चुनाव की पाकेट गहरी हो सकती है।

सरकारों के चौथे साल में मिशन रिपीट की शुमारी बढ़ती है, तो इसी अंदाज में हिमाचल के सियासी अलफाज सामने आ रहे हैं। एक परेड मंत्रिमंडलीय विस्तार के स्वरूप में जारी है और इस इंतजार में कुछ चेहरे इंकलाब कर रहे हैं। असली मसला मंत्रियों के रिपोर्ट कार्ड से जुड़ता है, तो स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों से कुछ नेता अमृत छक सकते हैं। हाल फिलहाल शिमला जिला परिषद चुनावों में सत्ता पक्ष की आंतरिक हालत का जो विवरण चस्पां हुआ है, उसमें कुछ नेताओं की हैसियत का दुबलापन बाहर आया है। ऐसे में शिमला को जिस तरह सत्ता का झुकाव मिला, उसके अनुरूप सियासी फील्ड का रखरखाव सही नहीं हुआ। ऐसे में सियासी पतझड़ की 'ड्रॉपिंग' में अगर कोई मंत्री पद गिर जाता है, तो हैरानी नहीं होगी, लेकिन सत्ता के चौथे वर्ष को नई छांव चाहिए। जाहिर है कुछ बदलाव और कुछ नया आगाज करने की कोशिश में, जिस टीम की जरूरत है, क्या वह राज्य से आलाकमान तक एक सरीखी अंगीकार होगी। ये कांग्रेस के अपने पेंच हैं जो नए पद के गोल पोस्ट के करीब पहुंचे सुंदर सिंह की मंजूरी और मन्नतें पूरी नहीं होने दे रहे। इसी संदर्भ में क्षेत्रीय संतुलन की दुहाई देते समीकरण सत्ता ट्रेन की जंजीर खींच रहे हैं। कायदे से फिर कहीं कांगड़ा का नाम सत्ता की अभिलाषा में, अग्रिम पांत बन गया। पालमपुर नगर निगम के चुनावी परिणामों और अपनी हस्ती के परिणामों में आगे रहे आशीष बुटेल के नाम के सदके, मंत्रिमंडल का विस्तार करीब दिखाई देने लगा है।

कुछ अलग

आईने में चेहरा

एक दिन मनुष्य ने चमकते हुए धातु के टुकड़े में अपना चेहरा देखा। वह मंत्रमुग्ध होकर बहुत देर तक उसे निहारता रहा। उसने अपने चेहरे को पहली बार बाहर से देखा था। उसकी इस जिज्ञासा के कारण कुछ समय बाद धातु कांच में बदल गई। और कांच...आईने में। कॉकरोच इतिहासकार लिखते हैं, 'जिस दिन पहला आईना बना, उस दिन दूसरा मनुष्य जन्मा।' पहला- जो था। दूसरा- जो दिखाई देता था। धीरे-धीरे दिखाई देने वाला, होने वाले से अधिक महत्त्वपूर्ण और प्रभावी हो गया। अब मनुष्य केवल अपने कर्म नहीं देखता था। वह अपना प्रभाव देखने लगा। वह आईने के सामने घंटों खड़ा होकर मुस्कान का अभ्यास करता। क्रोध का भी अभ्यास करता। विनम्रता का भी। करुणा का भी। धीरे-धीरे अभ्यास, स्वभाव से अधिक विश्वसनीय दिखाई देने लगा। इतिहासकारों ने लिखा, 'सभ्यता का पहला रंगमंच किसी नगर में नहीं बना था, वह आईने के सामने बना था।'

दृष्टि कोण

जलभराव का हो सकता है स्थाई समाधान

बरसात के दौरान रुक-रुक कर बस्तियों में जलभराव का संकट देखने को मिल रहा है। जिन राज्यों में चुनाव नजदीक हैं, वहां यह राजनीतिक मुद्दा बन रहा है। क्योंकि व्यापारी, विद्यार्थी, कर्मचारी व आम परिवार, सब जलभराव से परेशान हैं। कोई भ्रष्टाचारियों को कोसता है तो कोई अपने ही शहरियों को। आजकल गुरुग्राम, दिल्ली या पूरे एनसीआर का जलभराव सुर्खियों में है। दक्षिण भारत के महानगरों व मुंबई में भी यदा-कदा ऐसे 'जलप्लावन' के दृश्य दिख जाते हैं। बरसातें कम हों या ज्यादा, मानसूनी हों या न हों, हमारे नगर-महानगर, यहां तक कि गांव भी बरसाती पानी से लबालब हो जाते हैं। कई-कई दिनों तक जलजमाव हो जाता है। नगर निकाय न तो बरसाती पानी सोख पा रहे और न ही उसकी निकासी कर पा रहे हैं। अपर्याप्त और अधिकतर पुरानी, जर्जर, कचरे से अटी-पटी नाले-नालियों की ड्रेनेज प्रणाली भी इसका कारण है। आवासीय परिसरों से पंपों से पानी निकालना पड़ता है। नावें चलने लगती हैं। शौचालय और सीवरेज लाइनें भी ओवरफ्लो हो जाती हैं। कई बस्तियां ड्रेनेज सिस्टम से जुड़ी नहीं होती। इससे भी जलजमाव के नए क्षेत्र बन जाते हैं। जलजमाव हो जाए तो पानी का जमीन के भीतर जाना बंद या मंद हो जाता है। भूमिगत जल स्तर ऊंचा रहता है। ठोस कंक्रीट निर्माण के कारण पानी कम नीचे जाता है। जलवायु बदलाव के दौर में विश्व के कई महानगर 'जलप्लावन' की स्थितियां झेलते हैं। इंजीनियरिंग व्यवस्थाएं इस समस्या का निदान नहीं कर पा रहीं। इसी वजह से कई देश अपने शहरों को स्पॉन्ज सिटी बनाने में लग गए हैं। स्पॉन्ज सिटी यानी ऐसा नगर जो अतिरेकी बरसातों को स्पॉन्ज की तरह सोख ले, उसे भंडारित रखे और जरूरत पड़ने पर उपलब्ध भी करा दे। स्पॉन्ज सिटी अपने पानी को बाहर छोड़ने के बजाय अपनी सीमा के भीतर ही संभाल कर रखती है, अपने उपयोग के लिए। इसे पार्कों, उद्यानों में सिंचाई में लगा सकते हैं। लंबे समय में स्पॉन्ज सिटीज का लाभ यह हो सकता है कि इससे उत्सर्जित कार्बन और जलवायु बदलाव के दंश कम करने में भी मदद मिले। इनमें प्राकृतिक प्रणालियां-फ्लड प्लेन, वेटलैंड, हरित क्षेत्र-पानी को सहेजती हैं। इसके विपरीत शहरी स्टॉर्म ड्रेन या छोटी-बड़ी जल निकासी नालियों जैसे कंक्रीट ढांचों वाली शहरी ड्रेनेज व्यवस्थाएं मुख्यतया बरसाती पानी को शहर से बाहर निकालने के लिए होती हैं। कंक्रीट निर्माण जैसे-जैसे पुराने पड़ते हैं और जनसंख्या बढ़ती है, तो इनकी क्षमता बढ़ानी पड़ती है, अन्यथा शहर डूबने लगते हैं। स्पॉन्ज सिटीज़ में पेड़, पार्क, झील, तालाब, वेटलैंड्स, रेन गार्डेन्स, ग्रीन रूफ व पार्क-आधारित अतिवृष्टि प्रबंधन होता है। ये भारी बरसातों में कम ही समस्याग्रस्त होंगी। यह जल्दी से जल्दी नाले-नालियों की सीमेंटेड प्रणालियों से पानी बाहर करने की कामचलाऊ सोच से भिन्न, पानी को धीमे-धीमे रिसाव के माध्यम देने की सोच है। इसके मूल में बरसाती जल को रोकना और सोखना है। इससे बाढ़ विभीषिकाएं भी कम होने लगती हैं। संगृहीत जल का पुनः उपयोग होता है। स्पॉन्ज सिटीज़ के कार्यान्वयन को शहरों में जल-अकाल, बाढ़, जलप्लावन, हीट आइलैंड निर्माण व जैव विविधता हानियों को कम करने का जरिया माना जा रहा है। इसे क्लाइमेट चेंज अडेप्टेशन टूल माना जा सकता है। पेरू, कनाडा, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, चीन जैसे देश भी इसे अपनाए हुए हैं। भारत में भी चेन्नई, मुंबई, कोच्चि में महानगरीय बाढ़ों को रोकने के लिए स्पॉन्ज सिटी नियोजन, अध्ययन आदि पर काम हो रहा है। हाल ही में दिल्ली के लिए मास्टर प्लान 2047 घोषित किया है जिसमें दिल्ली का स्पॉन्ज सिटी की ओर बढ़ना नजर आ रहा है।

87 साल पुराना रिकार्ड कैसे टूटा : रोनाल्डो की टीम ने रचा इतिहास लगातार 94 मैच में गोल कर बनाया विश्व रिकार्ड

नई दिल्ली

क्रिस्टियानो रोनाल्डो की टीम अल नस्र ने फुटबाल की दुनिया में ऐसा रिकार्ड बना दिया है, जिसे तोड़ना अब किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। सऊदी प्रो लीग में अल खलीज के खिलाफ 1-1 से ड्रा के दौरान गोल करते ही अल नस्र ने लगातार 94 मैचों में कम से कम एक गोल करने का विश्व रिकार्ड अपने नाम कर लिया। इस तरह टीम ने अर्जेंटीना के दिग्गज क्लब रिवर प्लेट का 93 मैचों का रिकार्ड तोड़ दिया, जो 1936 से 1939 के बीच बना था।

94 मैच में लगातार गोल, रिवर प्लेट का रिकार्ड टूटा – अल नस्र का यह ऐतिहासिक सिलसिला दिसंबर 2023 में शुरू हुआ था। तब टीम को अल हिलाल के खिलाफ 0-3 से हार मिली थी। इसके अगले ही मुकाबले में अल नस्र ने अल रियाद को 4-1 से हराया और फिर टीम ने लगातार गोल करने का सिलसिला शुरू कर दिया।

अल खलीज के खिलाफ 72वें मिनट में अब्दुल्लाह अल-हमदान ने बराबरी का गोल दागकर इस रिकार्ड पर मुहर लगा दी। 27 वर्षीय हमलावर का यह गोल अल नस्र के लिए सिर्फ एक अंक बचाने वाला गोल नहीं था, बल्कि क्लब फुटबाल के इतिहास में टीम को नई ऊंचाई देने वाला गोल भी बन गया।

रोनाल्डो की कप्तानी में बना रिकार्ड – इस पूरे 94 मैचों के सिलसिले के दौरान रोनाल्डो अल नस्र के कप्तान रहे हैं। पुर्तगाली स्टार ने 2023 में क्लब का दामन थामा था और तब से सऊदी प्रो लीग में 113 मैच खेल चुके हैं। इन मुकाबलों में उनके नाम 105 गोल हैं। हालांकि, रिकार्ड बनने के बावजूद अल नस्र अल खलीज के खिलाफ जीत दर्ज नहीं कर सका। ड्रा के बाद टीम अंक तालिका में तीसरे स्थान पर खिसक गई। वह अल हिलाल से दो और अल इत्तिहाद से एक अंक पीछे है।

रोनाल्डो पहले भी बना चुके हैं ऐसा रिकार्ड – रोनाल्डो के लिए लगातार गोल करने का यह सिलसिला नया नहीं है। रियल मैड्रिड के साथ अपने शानदार दौर में वह उस टीम का हिस्सा थे, जिसने अप्रैल 2016 से सितंबर 2017 के बीच लगातार 73 मैचों में गोल किया था। वह रिकार्ड सभी प्रतियोगिताओं को मिलाकर था, जबकि अल नस्र का नया रिकार्ड शीर्ष स्तर की लीग के लगातार मैचों का है। 41 साल के रोनाल्डो के लिए मौजूदा सत्र बेहद खास भी हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया है कि 2026-27 का सत्र पेशेवर फुटबाल में उनका आखिरी सत्र हो सकता है। वह सीनियर स्तर पर आधिकारिक तौर पर 1000 गोल पूरे करने वाले इतिहास के पहले फुटबालर बनने की दौड़ में हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीरी ए: इंटर मिलान ने उडिनेज को 5-3 से हराया, रोमा के साथ शीर्ष पर कायम

मिलान। गत चैंपियन इंटर मिलान ने दो गोल से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए उडिनेज को 5-3 से हराकर सीरी ए में अपना शत-प्रतिशत रिकार्ड कायम रखा। इस जीत के साथ इंटर चार मैचों में 12 अंक लेकर रोमा के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर है। इंटर की शुरुआत बेहद खराब रही। जेम्स अबैंकवाह और युर्गन एकेलेंकैंप ने शुरुआती 16 मिनट में गोल कर उडिनेजे को 2-0 की बढ़त दिला दी और इंटर को बड़ा झटका दिया। इसके बाद कार्लोस आगुस्तो ने लंबी दूरी से शानदार गोल कर इंटर की वापसी की शुरुआत की। निकोलो बरेला ने हाफ टाइम से 10 मिनट पहले गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। दूसरे हाफ में इंटर ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण कर लिया। मार्कस थुराम ने 59वें मिनट में गोल कर टीम को पहली बार बढ़त दिलाई। इसके बाद फ्रांसेस्को एस्पोसितो और आंगे-योआन बोनी ने गोल कर इंटर की बढ़त 5-2 कर दी। इंजरी टाइम में इद्रिसा गुएये ने उडिनेजे के लिए एक गोल किया, लेकिन वह हार टालने के लिए पर्याप्त नहीं था। रोमा ने भी कायम रखा शत-प्रतिशत रिकार्ड रोमा ने भी टोरिनो को 2-0 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। डोनियल मालेन और निकोलो पिसिली ने रोमा के लिए गोल किए। मालेन ने गोलकीपर लुकास पेरी की रक्षात्मक गलती का फायदा उठाते हुए टीम को बढ़त दिलाई। पिसिली ने मैच के अंतिम चरण में जियानलुका मैनचिनी के पास को गोल में बदलकर रोमा की जीत सुनिश्चित कर दी। रोमा के भी चार मैचों में 12 अंक हैं।

मंधाना ने रोहित को पीछे छोड़ा, अब विराट कोहली का रिकार्ड है निशाने पर

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एशिया कप में शानदार

प्रदर्शन के साथ ही पुरुष टीम के दिग्गज बल्लेबाज रोहित शर्मा को पीछे छोड़ दिया। मंधाना अब टी20 अंतरराष्ट्री क्रिकेट में सबसे ज्यादा अर्धशतक लगाने वाली भारतीयों की सूची में दूसरे पायदान पर पहुंच गई हैं। मंधाना ने अब तक 176 टी20आई मैचों में 4751 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतकीय और 38 अर्धशतकीय पारियां शामिल हैं, कुल मिलाकर उनके नाम 38 बार 50 से अधिक रन हैं। वहीं रोहित ने भारत के लिए सबसे छोटे फार्मेट में 159 मुकाबले खेले हैं और 4231 रन बनाये हैं, जिसमें पांच शतक और 32 अर्धशतक शामिल हैं। अब मंधाना की नजरें विराट के रिकार्ड पर टिकी हैं। कोहली ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत की ओर से सबसे ज्यादा 39 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। उन्होंने 125 मैचों में 4188 रन जोड़े हैं, जिसमें एक शतक और 38 अर्धशतक शामिल हैं।

नकवी की विदायी के बाद अगले एशिया कप में नहीं रहेगा ट्राफी विवाद

मुम्बई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप में जीत के बाद भी एशियन क्रिकेट काउंसिल (एसीसी) के

अध्यक्ष मोहसिन नकवी से ट्राफी लेने से इंकार कर दिया। ये एशिया कप में दूसरी बार है जब भारतीय टीम ने नकवी से ट्राफी लेने से इंकार किया है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि नकवी पाक बोर्ड के अध्यक्ष होने के साथ ही पाक सरकार में मंत्री भी हैं। इससे पहले 2025 एशिया कप में भारतीय पुरुष टीम ने भी खिताब जीतने के बाद नकवी से ट्राफी लेने से इंकार कर दिया था। इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि ट्राफी को लेकर चला आ रहा यह गतिरोध आखिर कब तक जारी रहेगा। हालांकि, अब ऐसा लगता है कि इस विवाद का समापन शीघ्र ही होने वाला है। एसीसी अध्यक्ष के रूप में मोहसिन नकवी का कार्यकाल 3 अप्रैल, 2027 को समाप्त हो जाएगा। वहीं एशिया कप का आयोजन हर दो साल में एक बार होता है और ऐसे में अगला पुरुष एशिया कप जून 2027 में प्रस्तावित है, जिसका सीधा अर्थ है कि तब तक मोहसिन नकवी एसीसी अध्यक्ष पद पर नहीं होंगे। ऐसे में अगले एशिया कप में ट्राफी को लेकर कोई विवाद खड़ा होने की संभावना नहीं है, क्योंकि भारतीय टीम को किसी ऐसे व्यक्ति से ट्राफी नहीं लेनी होगी जिस पर उन्हें आपत्ति है। गौरतब है कि एसीसी अध्यक्ष का पद सर्वसम्मति से ही आगे बढ़ाया जा सकता है। नकवी के व्यवहार और भारत के साथ बिगड़े रिश्तों को देखते हुए उनके दोबारा इस पद पर चुने जाने की उम्मीद बेहद कम है। इससे पहले, जय शाह ने 2021 से लेकर 2025 तक एसीसी अध्यक्ष का पद संभाला था और उन्हें सर्वसम्मति से दोबारा चुना गया था, जो नकवी के मामले में संभव नहीं दिखता। रिपोर्ट्स के अनुसार, नकवी के कार्यकाल समाप्त होने के बाद एसीसी के अगले अध्यक्ष अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड से हो सकते हैं, जिनका कार्यकाल मध्य 2029 तक चलने की संभावना है।

गेंदबाजों के कमाल के बाद अभिषेक-सैमसन का तूफान, भारत ने जीती लगातार दूसरी सीरीज

अफगानिस्तान को 7 विकेट से हराकर 2-0 की अजेय बढ़त

अभिषेक ने 19 गेंदों पर 39, सैमसन ने 22 गेंदों पर 57 रन ठोके

नीतीश रेड्डी ने झटके 3 विकेट, अर्शदीप को मिले 2 विकेट

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने अफगानिस्तान को तीन मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में 7 विकेट से हरा दिया और सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली। पहले मैच में भी 7 विकेट से जीत हासिल करने वाली भारतीय टीम ने इस मुकाबले में भी टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। अफगानिस्तान की कमजोर बल्लेबाजी के चलते टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। जवाब में भारत ने पिछले मैच की तरह इस मुकाबले में भी महज 14.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया।

कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में यह भारत की लगातार दूसरी सीरीज जीत है।

भारतीय बल्लेबाजों का कमाल

पिछले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करने वाले अभिषेक शर्मा ने इस मैच में भी धमाकेदार बल्लेबाजी की। पारी की शुरुआत करने उतरे अभिषेक ने 19 गेंदों पर 39 रन बनाए, जिसमें 2 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

वहीं, पिछले कुछ समय से लगातार फॉर्म के लिए जूझ रहे संजू सैमसन ने भी इस मुकाबले में शानदार वापसी की। सैमसन ने महज 22 गेंदों पर 57 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे।

कप्तान श्रेयस अय्यर ने 11 गेंदों पर 11 रन बनाए। इसके अलावा तिलक वर्मा ने नाबाद 15 और ईशान किशन ने नाबाद 34 रन की पारी खेलकर टीम को आसान जीत दिलाई।

159 रन ही बना पाई अफगानिस्तान की टीम

इससे पहले टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 159 रन ही बना सकी। अफगानिस्तान को 1.3 ओवर में रहमानुल्लाह गुरबाज के रूप में पहला झटका लगा। गुरबाज बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए।

इसके बाद कप्तान इब्राहिम जादरान ने सेदिकुल्लाह अटल के साथ दूसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 51 रन की साझेदारी कर टीम को संभाला। इब्राहिम 33 गेंदों में 6 चौकों की मदद से 37 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सेदिकुल्लाह अटल ने 15 गेंदों में 12 रन बनाए।

अफगानिस्तान ने 67 रन के स्कोर तक अपना चौथा विकेट गंवा दिया था। इसके बाद अजमतुल्लाह ओमरजाई ने दरवेश रसूली के साथ पांचवें विकेट के लिए 29 रन की साझेदारी कर टीम को 96 रन तक पहुंचाया। अजमतुल्लाह 11 रन बनाकर आउट हुए। 100 रन के स्कोर पर दरवेश रसूली का विकेट गिरा। उन्होंने 15 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 26 रन बनाए।

नबी और राशिद ने संभाला मोर्चा

इसके बाद अनुभवी मोहम्मद नबी और राशिद खान की जोड़ी ने मोर्चा संभाला। दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 28 गेंदों में 48 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई, जिसने अफगानिस्तान को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया।

मोहम्मद नबी 14 गेंदों में 20 रन बनाकर आउट हुए, जबकि राशिद खान ने 16 गेंदों में 4 चौकों की मदद से 28 रन की पारी खेली।

नीतीश रेड्डी की शानदार गेंदबाजी

भारत की ओर से नीतीश रेड्डी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 24 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। अर्शदीप सिंह को 2 विकेट मिले। इसके अलावा जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल और रवि बिश्नोई ने 1-1 विकेट चटकाया।

22 साल बाद स्विट्ज़रलैंड में सजेगी विश्व शतरंज की बिसात

जेनेवा । शतरंज जगत का सबसे बड़ा मंच विश्व चैंपियनशिप इस साल के अंत में 24 नवंबर से 11 दिसंबर तक अपने गढ़ स्विट्ज़रलैंड के जेनेवा में होगी। यहां इतिहास के सबसे युवा विश्व चैंपियन भारत के 20 वर्षीय डी. गुकेश को उज्बेकिस्तान के विश्व चैलेंजर जावोखिर सिंदारोव चुनौती पेश करेंगे। 2004 में पहली बार चैंपियनशिप स्विट्ज़रलैंड में हुई थी, जहां व्लादिमीर क्रैमनिक ने पीटर लेको को हराया था। अब 22 साल बाद फिर यह टूर्नामेंट स्विट्ज़रलैंड लौट रहा है। शतरंज की बिसात जेनेवा स्थित कोलोग्नी की प्रख्यात फोन्डेशन मार्टिन बोडमर लाइब्रेरी और म्यूजियम में बिछेगी। कुल पुरस्कार राशि 25 लाख अमेरिकी डालर (23.97 करोड़ रुपये) है। प्रत्येक खिलाड़ी को जीते गए हर गेम के लिए 2 लाख अमेरिकी डालर (1.91 करोड़ रुपये) मिलेंगे। मैच के अंत में शेष राशि दोनों खिलाड़ियों के बीच बराबर बांटी जाएगी। यह मैच अधिकतम 14 क्लासिकल गेम्स का होगा। जीत पर 1 अंक और ड्रा पर 0.5 अंक मिलेंगे। जो खिलाड़ी पहले 7.5 अंक हासिल करेगा, वही विश्व चैंपियन बनेगा। अगर 14 गेम्स के बाद स्कोर 7-7 रहा, तो टाइब्रेकर से फैसला होगा। हर गेम में खिलाड़ियों को पहली 40 चालों के लिए 120 मिनट मिलेंगे। फिर बाकी गेम के लिए 30 मिनट अतिरिक्त मिलेंगे।

वरुण चक्रवर्ती बोले, मेरा ध्यान परिणाम पर नहीं बेहतर प्रदर्शन पर रहता है

नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट टीम के रहस्यमयी स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि उनका ध्यान प्रक्रिया पर अधिक रहता है। इसलिए वह परिणामों पर ज्यादा जोर नहीं देते। अच्छे परिणाम रहने पर न तो ज्यादा खुश होते हैं और न ही खराब परिणाम आने पर दुखी होते हैं। वरुण के अनुसार लगाता बेहतर प्रदर्शन का प्रयास जरुरी है न कि परिणामों पर प्रतिक्रिया देना। पिछले कुछ समय में वरुण का प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है। वह टी20 विश्व कप के अलावा, आईपीएल और इंग्लैंड में भी प्रभावित नहीं कर पाये थे।

इस स्पिनर ने कहा, मैं परिणामों के आधार पर फैसला नहीं ले सकता। यदि मैं ऐसा करूंगा, तो मैं छोटी-छोटी बातों पर प्रतिक्रिया देने लगूंगा। उन्होंने समझाया कि परिणामों के पक्ष में होने पर अत्यधिक खुशी और विपरीत होने पर अत्यधिक दुखी होनो किसी एक खिलाड़ी के लिए स्थिर प्रदर्शन के लिए सही रवैया नहीं है। उनके लिए, सर्वश्रेष्ठ तरीका केवल अपनी प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित रखना है। उन्होंने कहा, अगर गेंदबाजी अच्छी है और फिर भी उससे विकेट नहीं मिलता, तो भी मैं उस पर बना रहूंगा। लेकिन अगर गेंद खराब है और उस पर विकेट मिल जाता है, तो भी मुझे जाकर उस पर उसकी कमी ठीक करनी होगी। यही सबसे अच्छा तरीका है।

गौरतब है कि 49 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 75 विकेट लिए इस स्पिनर का मानना है कि किसी खिलाड़ी के प्रदर्शन का मापदंड केवल विकेटों की संख्या से ही नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, आपने कहा कि सब कुछ विकेट हासिल करने से जुड़ा है लेकिन ऐसा नहीं है। महत्वपूर्ण यह है कि मैं सही जगह पर गेंदबाजी कर रहा हूं या नहीं। उसके बाद जो भी होता है, वह मेरे नियंत्रण में नहीं है। चक्रवर्ती का तर्क है कि गेंद फेंकने के बाद उसका टर्न लेना या न लेना उनके नियंत्रण से बाहर है, इसलिए उनका ध्यान केवल अपनी गेंदबाजी की गुणवत्ता पर रहता है, न कि उसके तत्काल परिणाम पर।

चक्रवर्ती ने अपने इंग्लैंड दौरे को भी एक सीखने का अनुभव बताया, भले ही वह अनुकूल नहीं रहा था। उन्होंने कहा, इंग्लैंड का अनुभव भी मेरे लिए अच्छा रहा। वहां हम जीत नहीं पाए, इसका मतलब यह नहीं कि सब कुछ बेकार गया। सही काम करने से बहुत कुछ सीखने को मिलता है। इसी तरह, चोटों को भी वे खेल का एक अनिवार्य हिस्सा मानते हैं। उनके अनुसार, चोटिल होना यह दर्शाता है कि खिलाड़ी मेहनत कर रहा है और अपनी सीमाओं को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, कभी-कभी हम अपनी सीमाओं को लांघ देते हैं और तब शरीर हार मान लेता है। ऐसे में हमें एक कदम पीछे हटना पड़ता है, बेहतर काम करना पड़ता है और पहले से ज़्यादा मज़बूत होकर वापसी करनी पड़ती है। यह मानसिकता उन्हें चुनौतियों से उबरने और हर अनुभव से मजबूत होने में मदद करती है।

एक ही टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच खिलाड़ियों में भारत के शुभमन भी शामिल

लंदन

विश्व क्रिकेट इतिहास में टेस्ट क्रिकेट में कई खिलाड़ियों ने एक से बढ़कर एक रिकार्ड बनाये हैं। टेस्ट क्रिकेट में अब तब एक ही मैच में सबसे अधिक रनों का रिकार्ड पांच बल्लेबाजों के नाम है। इसमें भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल भी शामिल हैं।

वहीं इस सूची में इंग्लैंड के ग्राहम गूच, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा और वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इस सूची में पहले नंबर पर गूच हैं।

ग्राहम गूच : ऐतिहासिक लार्ड्स के मैदान पर 26 जुलाई 1990 को भारत और इंग्लैंड के बीच खेले गए इस मुकाबले में गूच ने भारतीय टीम के खिलाफ पहली पारी में 333 जबकि दूसरी पारी में में 123 रन बनाये। एक ही टेस्ट मैच में 333 और 123 रन बनाकर कुल 456 रन दर्ज कराने का ग्राहम गूच का यह विश्व रिकार्ड आज भी टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक मैच में सर्वाधिक रनों का रिकार्ड है, जिसे पिछले 36 सालों से कोई बल्लेबाज तोड़ नहीं पाया है।

शुभमन गिल : वहीं इस सूची में दूसरा स्थान भारत के युवा सितारे शुभमन गिल के नाम दर्ज है, जिन्होंने 2 जुलाई 2025 को बर्मिंघम में इंग्लैंड के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस मुकाबले में शुभमन ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में 269 रन जबकि दूसरी पारी में 161 रन बनाये। मैच में कुल 430 रन (269 और 161) बनाकर शुभमन गिल ने टेस्ट इतिहास में एक मैच में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में दूसरा स्थान हासिल किया।

मार्क टेलर : तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान मार्क टेलर हैं, टेलर ने 15 अक्टूबर 1998 को पेशावर में पाकिस्तान के खिलाफ कप्तानी के साथ ही बल्लेबाज में भी रिकार्ड बनाया। पहली पारी में टेलर 334 रनों पर नाबाद रहे। इसके बाद दूसरी पारी में भी उन्होंने 92 रन जोड़े। मार्क टेलर का यह 426 रनों (नाबाद 334 और 92) का संयुक्त प्रयास टेस्ट क्रिकेट के सबसे यादगार मैच आंकड़ों में गिना जाता है।

कुमार संगकारा : श्रीलंका के महान बल्लेबाज कुमार संगकारा ने 4 फरवरी 2014 को चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया। उन्होंने पहली पारी में 319 वहीं दूसरी पारी में 105 रन बनाये। संगकारा ने कुल 424 रनों के साथ ही सूची में चौथा स्थान हासिल किया।

ब्रायन लारा : इस सूची में पांचवें स्थान पर वेस्टइंडीज के ब्रायन लारा रहे। उन्होंने 10 अप्रैल 2004 को सेंट जान्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही पारी में नाबाद 400 रन बनाकर इतिहास रचा था। हालांकि उन्हें दूसरी पारी में बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उनकी यह अकेली 400 रनों की पारी टेस्ट क्रिकेट के सबसे बड़े व्यक्तिगत स्कोर के रूप में आज भी दर्ज है।

इंजीनियर सिर्फ संरचनाओं के निर्माता नहीं, राष्ट्र निर्माता हैं: भीम राव जलिगमा

इंजीनियर्स डे मनाया गया और उत्कृष्टता को सम्मानित किया

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कंसल्टिंग सिविल इंजीनियर्स इंडिया एसोसिएशन (एसीसीई-आई), हैदराबाद सेंटर ने आज आईएएस ऑफिसर्स इंस्टीट्यूट, ग्रीनलैंड्स, बेगमपेट में इंजीनियर्स डे 2026 मनाया। यह समारोह भारत रत्न सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया, जिन्हें भारत के महानतम इंजीनियरों और दूरदर्शी राष्ट्र निर्माताओं में गिना जाता है।

एसीसीई(आई) कंसल्टिंग सिविल इंजीनियरों और सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े पेशेवरों का राष्ट्रीय पेशेवर संगठन है। यह 41 वर्ष पुराना संगठन है, जिसके 54 केंद्रों में 10,000 से अधिक सदस्य हैं। हैदराबाद इनमें से एक प्रमुख केंद्र है। यह ज्ञान, तकनीकी उन्नति, नैतिक व्यवहार और सहयोग के लिए एक पेशेवर मंच के रूप में कार्य करता है। यह नीतिगत मामलों पर सरकार, कॉर्पोरेट्स और अन्य एजेंसियों के सामने कंसल्टिंग इंजीनियरों के हितों का प्रतिनिधित्व करता है। संगठन का दर्शन पेशेवर उत्कृष्टता, नैतिकता, ज्ञान साझाकरण, सामाजिक जिम्मेदारी और सतत विकास पर आधारित है। एसीसीई(आई) सिविल इंजीनियरों को राष्ट्र निर्माता मानता है, जिनकी जिम्मेदारी है कि वे सतत समाज का निर्माण करें, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करें और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर पर्यावरण तैयार करें।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीसीई(आई) के महासचिव आदेपु काशीराम और विशिष्ट अतिथि पूर्व उपाध्यक्ष (दक्षिण) राजकुमार कचरला थे।

आदेपु काशीराम ने कहा, इंजीनियरिंग पेशे में तेजी से बदलाव आ रहा है। इंजीनियरों को बदलती दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए लगातार अपने ज्ञान और कौशल को अद्यतन रखना होगा। एसीसीई(आई) ज्ञान-साझाकरण, नवाचार और सहयोग के लिए एक मजबूत पेशेवर मंच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वागत भाषण देते हुए एसीसीई(आई) हैदराबाद के अध्यक्ष भीम राव जलिगमा ने सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि विश्वेश्वरैया सिर्फ एक महान इंजीनियर ही नहीं, बल्कि एक दूरदर्शी राष्ट्र निर्माता थे। उन्होंने हैदराबाद के ड्रेनेज सिस्टम और मूसी नदी परियोजनाओं में उनके महत्वपूर्ण योगदान का उल्लेख किया और उनकी विरासत को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, वे आज भी पीढ़ियों-दर-पीढ़ियों इंजीनियरों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। हम सिर्फ संरचनाओं के निर्माता नहीं हैं; हम राष्ट्र निर्माता हैं। उन्होंने बताया कि एसीसीई(आई) पेशेवर उत्कृष्टता, ज्ञान-साझाकरण और इंजीनियरिंग पेशे की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उपाध्यक्ष सी. रमेश ने कहा, इंजीनियरिंग सिर्फ भौतिक बुनियादी ढांचे को डिजाइन और निर्माण करने तक सीमित नहीं है। इस अवसर पर एसीसीई(आई) हैदराबाद सेंटर के पदाधिकारी अध्यक्ष भीम राव जलिगमा, उपाध्यक्ष सी. रमेश, सचिव डी. एस. जय प्रकाश, कोषाध्यक्ष रुद्र अमरनाथ बाबू और तत्काल पूर्व अध्यक्ष एवं जीसी सदस्य एस. महेंद्र रेड्डी उपस्थित थे।

समारोह का एक प्रमुख आकर्षण था प्रतिष्ठित इंजीनियर पुरस्कारों का वितरण। इंजीनियरिंग पेशे और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए डी. पुटराय्या, वी. विनोद भार्गव, प्रो. पी. श्रीनिवास शर्मा और डॉ. मल्लिका अलपति को सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय प्रतिष्ठित इंजीनियर पुरस्कार वी. वी. कृष्ण रेड्डी को इंजीनियरिंग समुदाय के प्रति उनकी अनुकरणीय सेवाओं के लिए प्रदान किया गया।

समारोह के दौरान एसोसिएशन ने नवंबर 2026 में होने वाले राइड्स 2026 सम्मेलन का ब्रोशर और पंजीकरण लॉन्च किया।

अपार्टमेंट खरीदने से पहले जमीन की जांच जरूर करें: हर्षवर्धन रेड्डी

हाइड्रा और 22-ए के खतरों पर वेबिनार आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। घर खरीदना किसी भी व्यक्ति के जीवन का सबसे बड़ा वित्तीय फैसला होता है। फिर भी कई होमबॉयर्स विक्रेता के भरोसे रहकर संपत्ति की स्वतंत्र जांच नहीं करते और बाद में भारी नुकसान उठाते हैं। एचआरसीएस इंडिया द्वारा आयोजित एक मुफ्त वेबिनार में बोलते हुए कंपनी के सीईओ और फाउंडर हर्षवर्धन रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद के वर्तमान रियल एस्टेट माहौल में खरीदारों को पहले से कहीं ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। खासकर हाइड्रा , झील के फुल टैंक लेवल (एफटीएल) और बफर जोन तथा धारा 22-ए से जुड़े मामलों को देखते हुए।

उन्होंने कहा, घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। लेकिन अगर खरीदार निवेश से पहले सही सवाल नहीं पूछते तो यह सपना बुरा सपना बन सकता है। कोई संपत्ति ऊपर से पूरी तरह सुरक्षित दिख सकती है, लेकिन उसकी जमीन का टाइटल, सर्वे नंबर, अनुमोदन या कानूनी स्थिति बाद में समस्या खड़ी कर सकती है। इसलिए खरीदारों को विक्रेता की बातों पर पूरा भरोसा करने के बजाय खुद जांच करनी चाहिए।

वेबिनार में हर संभावित खरीदार के लिए पांच महत्वपूर्ण बिंदु बताए गए:

संपत्ति का कानूनी मालिक कौन है और टाइटल साफ है या नहीं?

टाइटल चेन, स्वामित्व दस्तावेज, रुकावटें, लंबित मुकदमे और विक्रेता के बेचने के अधिकार की पूरी जांच करें।

जिस जमीन पर संपत्ति बनी है, उसकी स्थिति क्या है?

सर्वे नंबर, सब-डिवीजन, लैंड-यूज, राजस्व रिकॉर्ड तथा जहां जरूरी हो वहां एफटीएल/बफर जोन और सरकारी या नाला जमीन संबंधी मुद्दों की स्वतंत्र जांच करें।

सभी जरूरी अनुमोदन और पंजीकरण पूरे हैं या नहीं?

अनुमोदित प्लान, अनुमतियां और रेरा रजिस्ट्रेशन की जांच करें। सिर्फ ब्रोशर या मौखिक आश्वासन पर भरोसा न करें।

आप वास्तव में किस चीज के लिए पैसे दे रहे हैं?

कार्पेट एरिया, कुल कीमत, पार्किंग, सुविधाएं, मेंटेनेंस, कॉर्पस फंड, रजिस्ट्रेशन और अन्य सभी अतिरिक्त खर्चों को स्पष्ट रूप से समझें।

अगर कुछ गलत हो जाए तो क्या होगा?

कब्जे की समयसीमा, रद्दीकरण और रिफंड की शर्तें, निर्माण की स्पेसिफिकेशन तथा विक्रेता के सभी वादों को लिखित समझौते में शामिल करवाएं।

हैदराबाद के आवासीय बाजार में हर साल लगभग 38,000 से 45,000 नई रेसिडेंशियल इकाइयां बिकती हैं। यानी हर महीने करीब 3,200 से 3,750 नए घर खरीदे जा रहे हैं। रीसेल लेन-देन को मिलाकर सालाना करीब 75,000 आवासीय संपत्तियों का पंजीकरण होता है। शहर और आसपास के इलाकों में 4,000 से 5,000 बिल्डर और डेवलपर सक्रिय हैं। ऐसे में परिवारों के लिए सिर्फ पसंद का घर ढूंढना ही काफी नहीं, बल्कि कानूनी और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

झील एफटीएल, बफर जोन, नाला अतिक्रमण और धारा 22-ए से प्रभावित संपत्तियों पर बढ़ते फोकस ने हैदराबाद के खरीदारों के लिए प्रॉपर्टी ड्यू-डिलिजेंस को और महत्वपूर्ण बना दिया है।

हर्षवर्धन रेड्डी ने जोर देकर कहा, होमबॉयर को सिर्फ अपार्टमेंट नहीं खरीदना चाहिए। पहले उस अपार्टमेंट के नीचे की जमीन की जांच करनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुराना सेल डीड, बिल्डिंग परमिट या परियोजना में पहले से अपार्टमेंट खरीद चुके लोगों का होना सभी जोखिमों को खत्म नहीं करता। मंजूर परियोजना का मतलब विक्रेता पर अंधा भरोसा नहीं होना चाहिए। खरीदारों को टाइटल, सर्वे नंबर, जमीन की स्थिति, अनुमोदन और रुकावटें की स्वतंत्र जांच जरूर करनी चाहिए।

यह मुफ्त वेबिनार एचआरसीएस इंडिया ने होमबॉयर्स में जागरूकता बढ़ाने और सही फैसला लेने में मदद के उद्देश्य से आयोजित किया। हाल ही में हाइड्रा की कार्रवाइयों और जांच ने कई संपत्ति मालिकों और संभावित खरीदारों में अनिश्चितता पैदा की है। वेबिनार ने इस जानकारी के अंतर को पाटने और निवेश से पहले स्वतंत्र जांच करने की सलाह दी।एचआरसीएस इंडिया तेलंगाना और कर्नाटक में भी, खासकर हैदराबाद और बेंगलुरु में, होमबॉयर्स के लिए ऐसे ज्ञान-साझा कार्यक्रम जारी रखने की योजना बना रहा है।

जिन्ना का विरोध : बांग्लादेशी छात्रों ने फाडी तस्वीरें

ढाका, 15 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश की ढाका यूनिवर्सिटी में पाकिस्तान के संस्थापक मोहम्मद अली जिन्ना की तस्वीरें लगाए जाने को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। यूनिवर्सिटी के केंद्रीय छात्र संघ के नए अभिलेखागार में जिन्ना की तीन तस्वीरें लगाई गई थीं। छात्रों ने इसका विरोध किया और इनमें से एक तस्वीर फाड़ दी।

तस्वीरें सामने आने के बाद कुछ छात्र संगठनों ने विरोध शुरू कर दिया। उनका कहना था कि ढाका यूनिवर्सिटी का इतिहास भाषा आंदोलन और वर्ष 1971 के मुक्ति संग्राम से जुड़ा है। ऐसे में जिन्ना की तस्वीरों को अभिलेखागार में प्रमुखता से जगह देना उचित नहीं है। छात्रों ने यह भी सवाल उठाया कि अभिलेखागार में जिन्ना की तीन तस्वीरें हैं, लेकिन बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की कोई अकेली और प्रमुख तस्वीर नहीं है। सोमवार को यह विरोध और तेज हो गया।

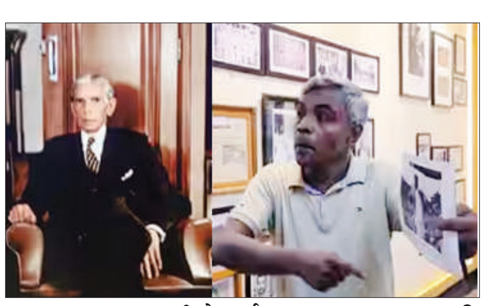

इसके बाद छात्र फेडरेशन के एक नेता ने उसी स्थान पर जमात-ए-इस्लामी के पूर्व प्रमुख गुलाम आजम की तस्वीर लगा दी। इसके बाद विवाद और बढ़ गया।

केंद्रीय छात्र संघ के नए सिरे से तैयार किए गए अभिलेखागार का उद्घाटन रविवार को हुआ था। यहां वर्ष 1905 से 1971 तक ढाका यूनिवर्सिटी के इतिहास से जुड़ी सामग्री रखी गई है।

अभिलेखागार में जिन्ना से जुड़ी तीन तस्वीरें थीं। इनमें वर्ष 1948 की एक तस्वीर भी शामिल थी। इसमें जिन्ना ढाका के तत्कालीन रेसकोर्स मैदान में उर्दू को पाकिस्तान की एकमात्र राजभाषा बनाने की बात कह रहे थे।

दूसरी तस्वीर वर्ष 1940 में अखिल भारतीय मुस्लिम लीग के लाहौर अधिवेशन की थी। तीसरी तस्वीर वर्ष 1970 के चुनाव से जुड़ी 'डॉन' अखबार की एक कतरन थी।केंद्रीय छात्र संघ की सचिव फातिमा तसनीम जुमा ने कहा कि तस्वीरें जिन्ना के सम्मान में नहीं लगाई गई थीं। उनका कहना था कि अभिलेखागार में उस दौर की प्रमुख घटनाओं और उनसे जुड़े लोगों को दिखाया गया है।केंद्रीय छात्र संघ के महासचिव एसएम फरहाद ने कहा कि जिन्ना की उर्दू वाली तस्वीर भी उनके समर्थन में नहीं थी। इसे इसलिए रखा गया था, ताकि लोगों को उनके भाषा संबंधी रुख और उसके विरोध के बारे में जानकारी मिल सके। सोमवार दोपहर करीब 2 बजे ढाका यूनिवर्सिटी के उर्दू विभाग के छात्र मोहम्मद अबू तैयब अभिलेखागार पहुंचे। वह पिछले केंद्रीय छात्र संघ चुनाव में उपाध्यक्ष पद के उम्मीदवार भी थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

यूपीआई ...

इसलिए रोजमर्रा के अधिकांश छोटे भुगतान इस बदलाव से प्रभावित नहीं होंगे।

4. जरूरी सेवाओं के लिए अलग दर

रेलवे, दूरसंचार, बीमा और ईंधन जैसी कुछ निर्धारित श्रेणियों में 2,000 रुपये से अधिक के लेन-देन पर प्रतिशत के बजाय 5 रुपये का निश्चित एमडीआर तय किया गया है। इसका मतलब है कि इन निर्धारित श्रेणियों में 2,000 रुपये से अधिक का भुगतान करने पर व्यापारी पक्ष पर प्रति लेन-देन 5 रुपये का एमडीआर लागू होगा।

5. नया ढांचा क्यों जरूरी किया गया?

यूपीआई के जरिए हर महीने अरबों लेन-देन होते हैं और इनके पीछे बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता, तकनीकी व्यवस्था तथा साइबर सुरक्षा का बड़ा ढांचा काम करता है। इस व्यवस्था को चौबीसों घंटे चालू रखना, साइबर हमलों से बचाव करना, धोखाधड़ी रोकना और तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत बनाए रखना लगातार निवेश की मांग करता है।

एनपीसीआई और सरकार के अनुसार नया एमडीआर ढांचा यूपीआई व्यवस्था की दीर्घकालिक स्थिरता, बुनियादी ढांचे की मजबूती, साइबर सुरक्षा और नवाचार को समर्थन देने के उद्देश्य से लाया गया है।

नए ढांचे में एमडीआर से प्राप्त राशि का एक हिस्सा विशेष विकास कोष में जाने का प्रावधान है। इसका उद्देश्य छोटे कारोबारियों तथा छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल भुगतान के विस्तार एवं बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है।

सरकार को इससे कितनी कमाई हो सकती है?

यूपीआई पर एमडीआर लागू करने से सरकार को सीधे तौर पर एमडीआर की पूरी राशि आय के रूप में नहीं मिलेगी। यह राशि डिजिटल भुगतान व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पक्षों में वितरित होगी। सरकार को कर के माध्यम से राजस्व प्राप्त हो सकता है।

बड़े व्यापारी भुगतानों पर एमडीआर लागू होने से भुगतान उद्योग में नए राजस्व की संभावना को लेकर विभिन्न बाजार विशेषज्ञों और वैश्विक वित्तीय संस्थानों ने अलग-अलग अनुमान दिए हैं। आपके मूल समाचार में जेफरीज और बर्नस्टीन के हवाले से सालाना लगभग 5,000 करोड़ रुपये से 22,000 करोड़ रुपये तक नए राजस्व का अनुमान बताया गया है। हालांकि, ये बाजार अनुमानों पर आधारित आंकड़े हैं, निश्चित सरकारी राजस्व का आंकड़ा नहीं।

इसी तरह एमडीआर पर 18 प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर लागू होने की स्थिति में कर राजस्व भी उत्पन्न होगा। उदाहरण के लिए, यदि सालाना एमडीआर राजस्व का कुल आधार 10,000 करोड़ रुपये हो, तो 18 प्रतिशत की दर से लगभग 1,800 करोड़ रुपये का कर बन सकता है। यह केवल गणना आधारित उदाहरण है।

फिनटेक कंपनियों और बैंकों के मुनाफे में वृद्धि होने पर उनसे मिलने वाला कॉरपोरेट आयकर भी सरकार के राजस्व को प्रभावित कर सकता है। वहीं, यूपीआई व्यवस्था को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार की ओर से दी जाने वाली सहायता राशि पर भी भविष्य में प्रभाव पड़ सकता है।

क्या दुकानदार एमडीआर का शुल्क ग्राहक से वसूल सकते हैं?

नए ढांचे के तहत एमडीआर व्यापारी पर लागू होगा और व्यापारी इसे ग्राहक से अलग से वसूल नहीं कर सकता। एनपीसीआई ने स्पष्ट किया है कि यूपीआई भुगतान स्वीकार करते समय व्यापारी एमडीआर का भार ग्राहक पर नहीं डाल सकते। ग्राहक से वही कीमत ली जानी चाहिए जो वस्तु या सेवा के लिए प्रदर्शित की गई है।

यदि कोई दुकानदार यह कहकर अतिरिक्त पैसा मांगता है कि ग्राहक यूपीआई से भुगतान कर रहा है और इसलिए 0.4 प्रतिशत अतिरिक्त देना होगा, तो ग्राहक संबंधित बैंक, भुगतान सेवा प्रदाता या शिकायत निवारण व्यवस्था के माध्यम से इसकी शिकायत कर सकता है।

इसलिए आम यूपीआई उपयोगकर्ता के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोस्त या परिवार को पैसे भेजने, 2,000 रुपये तक के सामान्य व्यापारी भुगतान करने और पात्र छोटे व्यापारियों को भुगतान करने पर जेब से कोई अतिरिक्त यूपीआई शुल्क नहीं देना होगा। नया एमडीआर मुख्य रूप से निर्धारित श्रेणी के बड़े व्यापारी भुगतानों पर लागू होगा।

यूजीसी ...

इस नाराजगी को पूरी तरह अपने पक्ष में नहीं कर सकी।

राजस्थान में भाजपा के कई राजपूत नेताओं की तुलना में कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास यूजीसी से जुड़े जाति आधारित प्रावधानों के विरोध में मुखर रहे हैं। उनके प्रभाव वाले जयपुर के सिविल लाइंस इलाके में भाजपा और कांग्रेस के बीच मुकाबला बराबरी का रहा और दोनों दलों को करीब आधे-आधे वार्ड मिले। यहां निर्दलीय उम्मीदवार जीत दर्ज नहीं कर सके।निकाय चुनाव के इन नतीजों के बाद भाजपा के भीतर भी यूजीसी के मुद्दे को लेकर आवाजें तेज होने लगी हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या स्थानीय निकाय चुनाव में निर्दलीयों की बढ़ी ताकत केवल स्थानीय समीकरणों का नतीजा है या फिर यह भाजपा के परंपरागत वोट बैंक में उभर रही नाराजगी का शुरुआती संकेत है।

राजस्थान निकाय चुनाव में वोट प्रतिशत

2021 :
भाजपा - 35.11 प्रतिशत
कांग्रेस - 40.30 प्रतिशत
निर्दलीय - 24.59 प्रतिशत
2026 :
भाजपा - 36.11 प्रतिशत
कांग्रेस - 35.14 प्रतिशत
निर्दलीय - 27.75 प्रतिशत
भाजपा की बढ़त - 1 प्रतिशत
कांग्रेस पीछे हुई - 5.16 प्रतिशत
निर्दलीय और नोटा की बढ़त - 3.16 प्रतिशत

ताजा चुनावी आंकड़ों के अनुसार भाजपा और कांग्रेस के बीच मत प्रतिशत का अंतर एक प्रतिशत से भी कम रहा, जबकि निर्दलीयों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा।

भाजपा में शुरू हुआ डैमेज कंट्रोल

भाजपा के लिए यूजीसी का मुद्दा अब केवल चुनावी परिणाम तक सीमित नहीं रह गया है। भीलवाड़ा में जैनमुनि पुलक सागर जी से सोमवार को मिलने पहुंचे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत के साथ भी इस मुद्दे पर चर्चा होने की बात सामने आई है। आचार्य पुलक सागर के अनुसार, उन्होंने यूजीसी के प्रस्तावित नियमों को लेकर अपनी आपत्ति जताई। रिपोर्टों के मुताबिक भागवत ने कहा कि ये नियम फिलहाल प्रस्ताव के स्तर पर हैं और अभी कानून नहीं बने हैं।

उल्लेखनीय है कि यूजीसी की आधिकारिक वेबसाइट पर 'उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले विनियम, 2026' दर्ज हैं। इनका उद्देश्य उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति, धर्म, लिंग आदि के आधार पर भेदभाव को रोकना और समानता को बढ़ावा देना है।

पंचायत चुनाव से पहले आंदोलन तेज करने की चेतावनी

भाजपा को झटका देने का दावा करते हुए करणी सेना ने पंचायत चुनाव से पहले अपने आंदोलन को और तेज करने की चेतावनी दी है। दूसरी ओर, भाजपा पर यूजीसी के जाति संबंधी नियमों को लेकर निर्णय लेने का दबाव बढ़ सकता है।राजस्थान के निकाय चुनाव में भाजपा कुल मिलाकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, लेकिन बड़ी संख्या में निर्दलीय उम्मीदवारों की जीत ने कई निकायों में सत्ता गठन का समीकरण जटिल कर दिया है। भरतपुर और हनुमानगढ़ में निर्दलीयों ने अपने दम पर बहुमत का आंकड़ा पार किया, जबकि जोधपुर समेत कई अन्य निकायों में बोर्ड गठन के लिए उनकी भूमिका निर्णायक हो सकती है।

ओवैसी...

जनसभा से पहले और प्रेस वार्ता के दौरान असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों पर समान नागरिक संहिता के बहाने अल्पसंख्यकों के अधिकार छीनने का आरोप लगाया। ओवैसी ने संविधान के अनुच्छेद 14, 25, 26 और 29 का उल्लेख करते हुए कहा कि ये प्रावधान देश के प्रत्येक नागरिक को समानता तथा अपने धर्म का पालन एवं संरक्षण करने की स्वतंत्रता देते हैं। उन्होंने दावा किया कि उत्तराखंड में लागू किए गए समान नागरिक संहिता के मॉडल को ही गुजरात, असम, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में लागू करने की कोशिश की जा रही है। ओवैसी ने आरोप लगाया कि भाजपा शासित राज्यों में मस्जिदों और कब्रिस्तानों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सऊदी ...

इसके बाद हूती नेताओं ने कहा कि जुलाई से लागू सऊदी जहाजों की नाकाबंदी जारी रहेगी, जबकि अमेरिका समेत दूसरे देशों के जहाजों को जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति होगी। बाब अल-मंदेब के बंद होने और सऊदी अरब के बड़े पाइपलाइन नेटवर्क पर हमलों के कारण रियाद की तेल निर्यात क्षमता बुरी तरह प्रभावित होने या पूरी तरह रुकने का खतरा पैदा हो गया है।इजरायल को भी पहले हूती हमलों का सामना करना पड़ा है। 2023 के अंत में गाजा युद्ध शुरू होने के बाद हूतियों ने लाल सागर में इजरायल से जुड़े जहाजों को निशाना बनाना शुरू किया था।हालांकि, सऊदी अरब को इजरायल की संभावित मदद मुख्य रूप से खुफिया जानकारी साझा करने तक सीमित रहने की संभावना है। वहीं, इजरायल के रक्षा बलों के अधिकारियों ने कथित तौर पर अंसार अल्लाह के खिलाफ किसी भी कार्रवाई को अकेले इजरायल के बजाय व्यापक अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय गठबंधन के तहत करने की सिफारिश की है।

आधे ...

के लिए करीब 130 उम्मीदवारों के नए सिरे से साक्षात्कार लिए जाने के करीब एक सप्ताह बाद हुई है। एआईसीसी सचिवों को आमतौर पर महासचिवों और प्रभारियों के साथ राज्यों में पार्टी के संगठनात्मक मामलों की निगरानी के लिए नियुक्त किया जाता है।कांग्रेस अपने मौजूदा एआईसीसी सचिवों में करीब 50 प्रतिशत को बदलने की तैयारी कर रही है। इस कवायद का उद्देश्य नए चेहरों को मौका देना और संगठन को मजबूत करना है। सूत्रों ने बताया कि मंगलवार की बैठक नियमित प्रदर्शन समीक्षा से कम और सचिवों के नजरिए, व्यक्तित्व, संवाद कौशल तथा वैचारिक स्पष्टता को समझने पर ज्यादा केंद्रित थी।हर सचिव से करीब पांच से छह सवाल पूछे गए और उनसे व्यक्तिगत रूप से तथा सीधे जवाब देने की उम्मीद की गई। इनमें सवाल शामिल थेकांग्रेस ने ऐसी कौन सी एक गलती की है, जिसे ठीक करने की जरूरत है? अपने संबंधित राज्य के शीर्ष पांच कांग्रेस कार्यकर्ताओं के नाम बताइए। शीर्ष तीन एआईसीसी सचिवों के नाम बताइए और अपनी पसंद के कारण बताइए। एआईसीसी सचिव के काम करने के तरीके को एक शब्द में बताइए। अपने संबंधित राज्य में क्या सही है और क्या गलत है?

'यह हमारे नजरिए को जानने के बारे में था'

बैठक में शामिल एक एआईसीसी सचिव ने कहा कि नेतृत्व के पास के.सी. वेणुगोपाल को दी जाने वाली मासिक रिपोर्ट के जरिए उनके प्रदर्शन की पर्याप्त जानकारी पहले से है। सचिव ने कहा, हम हर महीने के.सी. वेणुगोपाल को अपनी मासिक कार्य रिपोर्ट सौंपते हैं। इसलिए, उनके पास हमारे प्रदर्शन, हमारे द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रमों और हमारे संबंधित राज्यों के दौरों की संख्या के बारे में पहले से काफी जानकारी है। मेरा मानना है कि यह किसी दिए गए काम के प्रति एआईसीसी सचिव के नजरिए को जानने के बारे में अधिक था।

सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने सचिवों से बार-बार अपने जवाब सीधे मुद्दे तक रखने और विषय से भटकने से बचने को कहा। सूत्रों ने बताया कि मूल्यांकन के कुछ हिस्सों में गांधी भाई-बहन कुछ जवाबों से 'असहज' नजर आए।

प्रियंका ने सचिवों से कहाहिचकिचाएं नहीं

इस कवायद में सचिवों के अपने सहयोगियों को देखने के नजरिए का भी आकलन किया गया। जब उनसे तीन शीर्ष एआईसीसी सचिवों के नाम बताने और अपनी पसंद के कारण समझाने को कहा गया, तो कुछ प्रतिभागी शुरुआत में हिचकिचाए। उन्हें शायद चिंता थी कि सहयोगियों के नाम लेने को पक्षपात के तौर पर देखा जा सकता है।

हालांकि, प्रियंका गांधी वाड्रा ने उन्हें हिचकिचाने से मना किया और स्पष्ट किया कि उनसे केवल अपने सहयोगियों के बारे में अच्छी बातें बताने के लिए कहा जा रहा है। व्यक्तिगत स्तर पर यह बातचीत नए एआईसीसी सचिवों की नियुक्ति से पहले कांग्रेस की व्यापक संगठनात्मक कवायद का हिस्सा है।

अंतरिक्ष...

अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि रूस और चीन लंबे समय से अंतरिक्ष में ऐसी क्षमताएं विकसित कर रहे हैं, जिनका इस्तेमाल विरोधी देशों की अंतरिक्ष प्रणालियों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। वायुसेना सचिव ट्रॉय मिंक ने भी अमेरिका की नई क्षमता का बचाव करते हुए रूस और चीन की अंतरिक्ष गतिविधियों का हवाला दिया।

अमेरिका को रूस की संभावित उपग्रह-विरोधी क्षमताओं को लेकर विशेष चिंता है। अमेरिकी अधिकारियों ने पहले रूस पर अंतरिक्ष-आधारित उपग्रह-विरोधी हथियार विकसित करने की कोशिश का आरोप लगाया था। रूस ने अंतरिक्ष में परमाणु हथियार विकसित करने से जुड़े अमेरिकी आरोपों से इनकार किया है।

विशेषज्ञों के मुताबिक अंतरिक्ष में हथियार कई तरह के हो सकते हैं। इनमें रेडियो आवृत्ति आधारित बाधक उपकरण, संकेतों में छेड़छाड़ करने वाली प्रणालियां, लेजर आधारित उपकरण और भौतिक रूप से किसी लक्ष्य को नुकसान पहुंचाने वाली प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका ने इनमें से कौन-सी प्रणाली कक्षा में तैनात की है। अमेरिका ने अतीत में ऐसे हथियारों को लेकर अंतरिक्ष में मलबा पैदा होने के खतरे पर भी चिंता जताई है। किसी उपग्रह को विस्फोट से नष्ट करने पर बड़ी मात्रा में अंतरिक्ष मलबा पैदा हो सकता है, जो दूसरे उपग्रहों के लिए भी खतरा बन सकता है।

चीन भी तेजी से बढ़ा रहा अंतरिक्ष में अपनी ताकत

अमेरिका का कहना है कि चीन भी अपनी सैन्य आधुनिकीकरण योजना के तहत अंतरिक्ष और प्रति-अंतरिक्ष क्षमताओं को तेजी से विकसित कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, चीन की बढ़ती सैन्य और अंतरिक्ष क्षमता अमेरिका के लिए बड़ी चुनौती है।

आधुनिक युद्ध में उपग्रह आधारित संचार, निगरानी, लक्ष्य निर्धारण और मिसाइल चेतावनी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। ऐसे में अंतरिक्ष में किसी भी देश की बढ़त उसके धरती पर मौजूद सैन्य अभियानों को भी प्रभावित कर सकती है।

अमेरिकी अंतरिक्ष बल ने पिछले वर्षों में अंतरिक्ष में संभावित संघर्ष के लिए अपनी तैयारियों पर अधिक खुलकर चर्चा शुरू की है। अमेरिका का कहना है कि उसका उद्देश्य अपने सैन्य और आर्थिक हितों के लिए महत्वपूर्ण अंतरिक्ष प्रणालियों को सुरक्षित रखना है।

कौन से हथियार तैनात हैं, अमेरिका ने नहीं बताया

ट्रॉय मिंक की घोषणा का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा यही है कि अमेरिका ने हथियारों की मौजूदगी स्वीकार तो कर ली है, लेकिन उनकी वास्तविक प्रकृति अभी भी गोपनीय है। मिंक ने यह भी नहीं बताया कि इन हथियारों का परीक्षण किया गया है या नहीं और उन्हें कब कक्षा में भेजा गया।

विशेषज्ञों का अनुमान है कि अमेरिका द्वारा तैनात प्रणालियां ऐसी हो सकती हैं, जो बिना किसी विस्फोट के दूसरे उपग्रहों के संकेतों को बाधित या प्रभावित कर सकें। कुछ विशेषज्ञों ने कक्षा में तैनात रेडियो आवृत्ति आधारित बाधक प्रणालियों की संभावना जताई है। लेकिन अमेरिकी सरकार ने इनमें से किसी संभावना की पुष्टि नहीं की है।

अंतरिक्ष में युद्ध हुआ तो असर धरती पर भी पड़ेगा

यदि अंतरिक्ष में अमेरिका, रूस या चीन के बीच सैन्य टकराव होता है तो उसका असर केवल सेनाओं और उपग्रहों तक सीमित नहीं रहेगा। आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी भी प्रभावित हो सकती है।

मौसम की जानकारी, प्राकृतिक आपदाओं पर निगरानी, रास्ता खोजने, दूर-दूर तक संचार बनाए रखने और सैन्य अभियानों जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य उपग्रहों पर निर्भर हैं।उपग्रह आधारित नेविगेशन से विमान, जहाज और परिवहन व्यवस्था अपना रास्ता तय करती है। संचार और वित्तीय प्रणालियां भी सटीक समय तथा संचार सेवाओं पर निर्भर करती हैं।

ऐसे में यदि बड़ी संख्या में उपग्रह खराब हो जाते हैं या उन्हें नुकसान पहुंचता है तो संचार नेटवर्क, नेविगेशन, मौसम संबंधी जानकारी और कई अन्य जरूरी सेवाओं पर असर पड़ सकता है।

यानी अंतरिक्ष में हथियारों की बढ़ती होड़ केवल अमेरिका, रूस और चीन की सैन्य ताकत का मामला नहीं है। यदि अंतरिक्ष में बड़ा सैन्य टकराव होता है तो उसका असर दुनिया भर के आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी तक पहुंच सकता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 16 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज की बैठक में अग्रसेन जयंती, दंपति सम्मेलन व डांडिया महोत्सव की तैयारियों पर मंथन

अमिताभ बच्चन, हेमा मालिनी, अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी व जेठालाल जैसे सितारों की उपस्थिति बनेगी आकर्षण का केंद्र

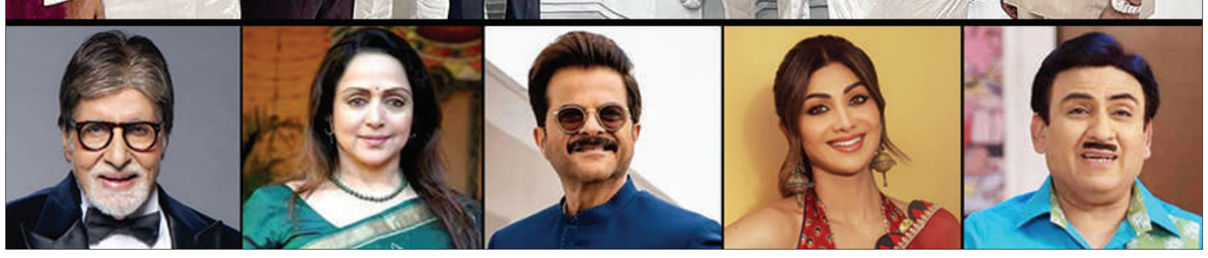

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): अग्रवाल समाज तेलंगाना की एक महत्वपूर्ण बैठक समाज कार्यालय राघवरत्ना टावर, चिराग अली लेन में कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समाज के मीडिया, प्रचार व प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में आगामी महाराजा अग्रसेन जी की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले भव्य कार्यक्रमों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

11 से 19 अक्टूबर तक शमशाबाद में गरबा-डांडिया का भव्य आयोजन

बैठक के निर्णय अनुसार महाराजा अग्रसेन जयंती समारोह आगामी 11 अक्टूबर को क्लासिक 3 कन्वेंशन हॉल, शमशाबाद में आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात 11 अक्टूबर से 19 अक्टूबर तक लगातार नवरात्रि के पावन अवसर पर भव्य डांडिया कार्यक्रम का आयोजन भी इसी क्लासिक 3 कन्वेंशन हॉल में ही होगा।

भारतीय संस्कृति और परंपरा में डांडिया व गरबा केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि मां दुर्गा की भक्ति, आपसी सद्भाव और सामूहिक ऊर्जा का प्रतीक है। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आयोजित यह डांडिया महोत्सव न केवल हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का काम करेगा, बल्कि समाज के सभी परिवारों को एक साथ लाकर उत्सव की उमंग और पारिवारिक मेल-जोल को और मजबूत बनाएगा।

इस सांस्कृतिक महोत्सव के लिए श्री अमिताभ बच्चन, श्रीमती हेमा मालिनी, श्री अनिल कपूर, श्री गोविंदा, श्रीमती शिल्पा शेट्टी, श्रीमती भाग्यश्री, सुश्री निधि अग्रवाल तथा 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' धारावाहिक के प्रख्यात कलाकार जेठालाल व बबीता आदि से संपर्क किया गया है। इनमें से कुछ कलाकारों की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है तथा अन्य कलाकारों की सहमति भी शीघ्र मिलने की पूरी उम्मीद है।

इसके अतिरिक्त मुंबई के सुप्रसिद्ध 'ताल ग्रुप' एवं कई अन्य विख्यात म्यूजिकल ग्रुप्स से भी लगातार बातचीत चल रही है। अहमदाबाद तथा सूरत के 20-25 पेशेवर डांडिया व गरबा कलाकारों ने हैदराबाद आकर सदस्यों को प्रैक्टिस करवाने हेतु अपनी स्वीकृति दे दी है। यह पूरा कार्यक्रम अत्यंत मनोरंजक, सांस्कृतिक वैभव और नामचीन कलाकारों की प्रस्तुतियों से भरपूर रहेगा, जिसका सभी अग्रबंधु आनंद उठा सकेंगे।

प्रिविलेज कार्ड धारकों को मिलेगा प्रवेश, सदस्यता हेतु विशेष अपील

आयोजकों ने स्पष्ट किया है कि डांडिया व जयंती कार्यक्रमों में प्रवेश केवल अग्रवाल समाज के प्रिविलेज कार्ड धारकों को ही दिया जाएगा। अतः समाज के जिन बंधुओं ने अभी तक सदस्यता प्राप्त नहीं की है, उनसे विशेष आग्रह है कि वे शीघ्रताशीघ्र समाज कार्यालय पहुंचकर सदस्य बनें तथा समाज द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं व आयोजनों का लाभ उठाएं।

1 अक्टूबर को ताज कृष्णा में 200 दंपतियों का होगा समागम

बैठक में आगामी दंपति सम्मेलन के आयोजन पर भी विस्तार से चर्चा हुई, जो 1 अक्टूबर को ताज कृष्णा होटल में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में लगभग 200 दंपतियों के भाग लेने का अनुमान है। कार्यक्रम की मुख्य विशेषता उन वरिष्ठ दंपतियों का विशेष सम्मान होगा, जिनकी वैवाहिक वर्षगांठ के 60 वर्ष (हीरक जयंती) पूर्ण हो चुके हैं। इस अवसर पर मुंबई के विख्यात म्यूजिकल ग्रुप को आमंत्रित किया जाएगा, जो नए और पुराने मधुर गीतों की प्रस्तुति देंगे। इसके अलावा मनोरंजन के भी अनेक आकर्षक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसकी विस्तृत रूपरेखा शीघ्र ही साझा की जाएगी।

बैठक में समाज के कार्यकारी अध्यक्ष श्री नरेंद्र कुमार गोयल, उपाध्यक्ष सीए हरिगोविंद प्रसाद अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सीए राजगोपाल अग्रवाल, श्री चिमन लाल सुरेश कुमार अग्रवाल, श्री सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्लीवाले), श्री मुकुंद लाल अग्रवाल, श्री राजेंद्र कुमार अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्य उपस्थित थे।

सोमवार को कांग्रेस नेता एन.के. सिंह के शारदा नगर, वनस्थलीपुरम स्थित निवास पर हरितालिका तीज का आयोजन किया गया। इस शुभ अवसर पर महिलाओं ने भगवान शंकर, माता पार्वती एवं भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं पति की दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर श्रीमती मालती देवी, श्रीमती दीपिका सिंह, श्रीमती शीतल सिंह एवं श्रीमती नेहा सिंह सहित अन्य महिलाएं उपस्थित रहीं।

परिचय सम्मेलन हेतु अग्रवाल समाज ने आयोजित किया विशेष मोटिवेशन एवं परिचय सत्र

युवक-युवतियों व अभिभावकों को मिले सकारात्मक सोच, उचित संवाद एवं जीवनसाथी चयन के महत्वपूर्ण टिप्स

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी परिचय सम्मेलन में भाग लेने वाले युवक-युवतियों एवं उनके अभिभावकों के लिए एक विशेष 'मोटिवेशन एवं परिचय' कार्यक्रम का आयोजन समाज कार्यालय, राघव रत्न टावर्स, अबिड्स में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके माता-पिता को परिचय सम्मेलन की पूरी प्रक्रिया, सकारात्मक सोच, उचित संवाद तथा जीवनसाथी के सही चयन के महत्वपूर्ण पहलुओं के संबंध में व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करना था।

पंकज संघी ने किया कुशल संचालन, डॉ. अशोक मोदी ने दिए सफलता के मंत्र

कार्यक्रम का अत्यंत सफल संचालन एवं एंकरिंग मैरिज डेटा कमेटी के सह-अध्यक्ष (को-चेयरमैन) पंकज कुमार संघी ने किया। उन्होंने संपूर्ण कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं रोचक ढंग से संचालित करते हुए उपस्थित युवक-युवतियों तथा उनके अभिभावकों के बीच जीवंत संवाद स्थापित किया। साथ ही, उन्होंने सभी को परिचय सम्मेलन में सकारात्मक सोच और खुले मन के साथ भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एवं प्रेरक (मोटिवेशनल स्पीकर) डॉ. अशोक मोदी ने अपने प्रेरणादायक संबोधन में युवाओं को सकारात्मक सोच रखने, आत्मविश्वास के साथ अपने विचार व्यक्त करने तथा विवाह जैसे जीवन के अत्यंत महत्वपूर्ण निर्णय में परिवार और युवाओं के बीच आपसी समझ व संवाद को प्राथमिकता देने का संदेश दिया।

परिचय सम्मेलन विचारों के आदान-प्रदान और आपसी समझ का सशक्त माध्यम: डॉ. स्वाति गोयल

सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. स्वाति गोयल ने अपने विचार व्यक्त किए और कहा कि परिचय सम्मेलन केवल रिश्ते तलाशने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवक-युवतियों को एक-दूसरे को गहराई से समझने, विचारों का आदान-प्रदान करने और अपने भविष्य के लिए सही निर्णय लेने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज तेलंगाना के केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल, उपाध्यक्ष हरिगोविंद अग्रवाल, सचिव सीमा जैन, कोषाध्यक्ष राजगोपाल अग्रवाल, तथा मैरिज डेटा कमेटी के अध्यक्ष (चेयरमैन) महेंद्र अग्रवाल, संयोजक (कन्वीनर) अशोक जिंदल एवं सह-अध्यक्ष (को-चेयरमैन) पंकज कुमार संघी, उमा शंकर गोयनका, सुनील मोदी, जितेंद्र अग्रवाल, संगीता गोयल, रानी मित्तल, शीतल रुगंटा, बबिता अग्रवाल सहित समाज के अनेक गणमान्य बंधुओं ने सहभागिता की।

अभिभावकों ने की सराहना, समाज ने दोहराई युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की प्रतिबद्धता

आयोजन में परिचय सम्मेलन में भाग लेने वाले युवक-युवतियों के माता-पिता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। अभिभावकों ने इस मोटिवेशन व मार्गदर्शन सत्र को अत्यंत उपयोगी एवं समयुकूल बताते हुए समाज द्वारा किए जा रहे इस सराहनीय प्रयास की खुले दिल से प्रशंसा की।

मैरिज डेटा कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि परिचय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य अग्रवाल समाज के योग्य युवक-युवतियों को एक-दूसरे से परिचित कराने के साथ-साथ दोनों परिवारों को आपसी संवाद के लिए एक सकारात्मक मंच उपलब्ध कराना है। समाज द्वारा युवाओं के सुखद एवं उज्ज्वल वैवाहिक भविष्य के निर्माण हेतु निरंतर ऐसे सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

माता-पिता की सेवा में ही गणेश तत्व का वास : पंकज अग्रवाल

हैदराबाद. राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम से पूर्व सोमवार को सिमलावाला आवास पर भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना विधि-विधान एवं धार्मिक रीति-रिवाज के साथ की गई। भगवान गणेश की स्थापना के अवसर पर श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि, शांति एवं परिवार की खुशहाली की कामना की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए पंकज अग्रवाल ने कहा कि माता-पिता की सेवा और सम्मान में ही भगवान गणेश के तत्व का वास्तविक वास है। भगवान गणेश ने स्वयं अपने माता-पिता भगवान शिव और माता पार्वती को सर्वोच्च स्थान दिया। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने माता-पिता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि धार्मिक पूजा के साथ यदि मानव सेवा और जरूरतमंदों की सहायता का भाव जुड़ जाए तो यही सच्ची ईश्वर आराधना बन जाती है।

पंकज अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप द्वारा धार्मिक आस्था के साथ निरंतर सेवा कार्य किए जा रहे हैं। गौ सेवा, अन्नदान और जरूरतमंदों की सहायता जैसे कार्य समाज में सेवा और संस्कार की भावना को मजबूत करते हैं। भगवान गणेश की पूजा के अवसर पर सेवा कार्य करना इस बात का संदेश है कि भक्ति केवल मंदिरों तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंदों की सेवा में भी भगवान का वास है।

सोमवार को भगवान गणेश की स्थापना के अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, राजकुमारी अग्रवाल, पंकज अग्रवाल, मोनू अग्रवाल, वंश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल सहित श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की विधिवत पूजा-अर्चना की। इस दौरान वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश के जयकारों के साथ अपनी श्रद्धा व्यक्त की।

वहीं मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने पूजा-अर्चना के बाद नियमित अन्नदान सेवा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, राजेश सर योगा, नीलम विजयवर्गीय, अरुण विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, शर्मिला अग्रवाल, जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय रूप से भाग लेते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि सेवा कार्य किसी एक दिन या पर्व तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि इसे जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। राधे-राधे ग्रुप इसी भावना के साथ नियमित रूप से सेवा कार्यों को आगे बढ़ा रहा है। ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना और समाज में मानवता, प्रेम, करुणा एवं सहयोग की भावना को मजबूत करना है।

भगवान गणेश की आराधना और अन्नदान सेवा के इस आयोजन ने धार्मिक श्रद्धा के साथ सामाजिक सरोकार का सुंदर संदेश दिया। उपस्थित सदस्यों ने संकल्प व्यक्त किया कि सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना के साथ राधे-राधे ग्रुप के सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ में नई जिम्मेदारी मिलने पर

भरत चाण्डा का श्री श्याम युवा मंडल ने किया सम्मान

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): भारतीय जनता पार्टी व्यापारी प्रकोष्ठ – तेलंगाना प्रदेश में भरत चाण्डा को संयुक्त सह-संयोजक नियुक्त किए जाने पर 'श्री श्याम युवा मंडल' द्वारा उनका आत्मीय अभिनंदन एवं भावभिना सम्मान किया गया। इस अवसर पर मंडल के समस्त सदस्यों ने अपार प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें इस नई संगठनात्मक जिम्मेदारी के लिए बधाई व शुभकामनाएं दीं तथा व्यापारी समाज की आवाज को बुलंद करने के लिए प्रेरित किया।

समारोह के दौरान श्री सुरेंद्र अग्रवाल ने व्यापार एवं उद्यमों की वृद्धि (बिजनेस ग्रोथ) को लेकर महत्वपूर्ण विचार व्यक्त किए। उन्होंने बदलते दौर के साथ व्यापार में नई सोच, आधुनिक तकनीक, परस्पर सहयोग और मजबूत नेटवर्किंग को अपनाते हुए आगे बढ़ने पर विशेष जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने व्यापारी समाज और युवा उद्यमियों को एक-दूसरे का संबल बनते हुए नए व्यापारिक अवसर पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस गरिमामयी सम्मान समारोह के अवसर पर सुरेंद्र अग्रवाल, प्रकाश जिंदल, विशाल अग्रवाल, अभिषेक अग्रवाल, हरीश अग्रवाल, हेमंत अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, अर्जुन थानवी, सागर चाण्डा, कमल अग्रवाल एवं जय प्रकाश अग्रवाल सहित समाज के कई अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

अपने आत्मीय सम्मान से अभिभूत होकर श्री भरत चाण्डा ने श्री श्याम युवा मंडल एवं सभी उपस्थित साथियों का हृदय से आभार प्रकट करते हुए कहा, यह सम्मान मेरे लिए केवल एक खुशी का अवसर नहीं है, बल्कि और अधिक निष्ठा व जिम्मेदारी के साथ समाज और व्यापारी वर्ग की सेवा करने की प्रेरणा है। व्यापारी, उद्यमी और युवा हमारे प्रदेश की प्रगति की सबसे मजबूत शक्ति हैं। मेरा यह निरंतर प्रयास रहेगा कि उनकी समस्याओं, सुझावों और अपेक्षाओं को शासन-प्रशासन के उचित मंच तक पहुंचाऊं तथा सभी को एकजुट कर व्यापार, समाज व तेलंगाना के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करूं।

उन्होंने आगे कहा, सम्मान से जिम्मेदारी बढ़ती है और जिम्मेदारी से सेवा का संकल्प और अधिक मजबूत होता है। पद से नहीं बल्कि अपने निष्ठावान कार्य से पहचान बने0यही मेरा प्रयास रहेगा।

पिंक पॉकेट ने आयोजित किया विशेष नेटवर्किंग कार्यक्रम, प्रदर्शकों को मिले डिजिटल और व्यावसायिक सफलता के गुर

संस्थापक बरखा सांघी के मार्गदर्शन में स्टॉल प्रस्तुति, बिक्री वृद्धि और इंस्टाग्राम मार्केटिंग पर दिया गया व्यावहारिक प्रशिक्षण

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों और स्थानीय ब्रांड्स को एक साझा मंच प्रदान करने वाली संस्था 'पिंक पॉकेट' की ओर से आगामी भव्य प्रदर्शनी से पूर्व एक विशेष नेटवर्किंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पिंक पॉकेट की संस्थापक बरखा सांघी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में आगामी प्रदर्शनी में हिस्सा लेने वाले अनेक प्रदर्शकों ने अत्यंत उत्साहपूर्वक भाग लिया।

30 सितंबर को क्लासिक गार्डन्स सिकंदराबाद में सजेगी भव्य प्रदर्शनी

पिंक पॉकेट की बहुप्रतीक्षित भव्य प्रदर्शनी आगामी 30 सितंबर 2026, बुधवार को क्लासिक गार्डन्स, सिकंदराबाद में आयोजित होने जा रही है। इसी मुख्य प्रदर्शनी की पूर्व-तैयारी एवं मार्गदर्शन के रूप में यह नेटवर्किंग कार्यक्रम सभी प्रदर्शकों के लिए पूर्णतः निःशुल्क आयोजित किया गया था।

डिजिटल उपस्थिति व इंस्टाग्राम रील्स के प्रभावी उपयोग पर मिला मार्गदर्शन

कार्यक्रम के दौरान संस्थापिका बरखा सांघी ने प्रदर्शकों के साथ अपने व्यावसायिक अनुभव और व्यावहारिक सुझाव साझा किए। सत्र के दौरान विशेष रूप से आकर्षक व सुव्यवस्थित स्टॉल प्रस्तुति, ग्राहकों को आकर्षित करने के प्रभावी तरीके, बिक्री (सेल्स) बढ़ाने तथा अपनी डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करने जैसे विषयों पर उपयोगी मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर क्या और कब पोस्ट करें, रील्स व स्टोरीज़ का प्रभावी उपयोग किस प्रकार करें तथा अपने ब्रांड की डिजिटल पहचान को कैसे सुदृढ़ बनाएं, इस पर व्यावहारिक जानकारी प्रदान की गई।

प्रदर्शकों के बीच बना मजबूत सामुदायिक नेटवर्क

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल व्यावसायिक जानकारी देना ही नहीं, बल्कि प्रदर्शकों के बीच आपसी जुड़ाव, सहयोग और मजबूत व्यापारिक संबंधों को बढ़ावा देना भी था।

आयोजन के दौरान एक ऐसा सशक्त सामुदायिक नेटवर्क (कम्युनिटी नेटवर्क) तैयार हुआ, जिसके माध्यम से सभी प्रदर्शक एक-दूसरे के व्यवसायों को आगे बढ़ाने, आपसी सहयोग करने और एक-दूसरे के उत्पादों का प्रचार करने हेतु परस्पर जुड़े रहेंगे।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रदर्शकों ने पिंक पॉकेट की इस अनूठी पहल की मुक्तकंठ से सराहना करते हुए इसे प्रदर्शनी से पूर्व एक अत्यंत उपयोगी और सकारात्मक अनुभव बताया।

इस आयोजन के माध्यम से पिंक पॉकेट ने एक बार फिर यह साबित किया है कि उसका उद्देश्य केवल प्रदर्शनी आयोजित करना मात्र नहीं, बल्कि महिला उद्यमियों को आपस में जोड़ना, नए अवसर सृजित करना और एक सशक्त कारोबारी समुदाय का निर्माण करना है।

30 सितंबर को सिकंदराबाद में होगा खरीदारी का महासंगम

अब इन सभी प्रतिभाशाली प्रदर्शकों और उनके अनूठे व विशेष उत्पादों से रूबरू होने का स्वर्णिम अवसर आगामी 30 सितंबर 2026 को क्लासिक गार्डन्स, सिकंदराबाद में प्राप्त होगा। आयोजकों ने शहरवासियों से आग्रह किया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर इन शानदार ब्रांड्स के उत्पादों की खरीदारी करें और स्थानीय महिला उद्यमियों व व्यवसायों का उत्साहवर्धन करें।

हिंदी शिक्षकों एवं मेधावी छात्रों का सम्मान समारोह 19 को

राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस विषय पर निबंध प्रतियोगिता के जिला स्तरीय विजेताओं का होगा सम्मान

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित विशेष कार्यक्रम में आगामी 19 सितंबर को प्रातः 10 बजे से पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम यलंदु नगरपालिका कार्यालय के सामने स्थित मंडल शिक्षा अधिकारी कार्यालय में आयोजित होगा। इस अवसर पर ''राष्ट्रीय प्लास्टिक मुक्त दिवस'' विषय पर आयोजित निबंध लेखन प्रतियोगिता के खम्मम जिला स्तरीय विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।

विजेता प्रतिभागियों को पत्रकारिता संस्थान के प्राचार्य एवं हिंदी पत्रकार संघ के परामर्शदाता महेश अग्रवाल के कर-कमलों से पुरस्कृत किया जाएगा। यह प्रतियोगिता पर्यावरण जागरूकता एवं हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार, दोनों उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए आयोजित की गई थी, जिसमें जिले भर के छात्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

इसी अवसर पर गायत्री परिवार युग निर्माण मिशन की ओर से हिंदी दिवस के संदर्भ में यलंदु मंडल के हिंदी अध्यापकों को हिंदी शिक्षण में उनके सराहनीय योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज, हरिद्वार के दक्षिण भारत प्रतिनिधि नरेंद्र ठाकुर, संदीप एवं ऋषभ सिंह उपस्थित रहेंगे। यलंदु मंडल शिक्षा अधिकारी मार्चला उमा शंकर, मंडल विकास अधिकारी धन सिंह, हिंदी पत्रकार संघ के उपाध्यक्ष आकाश तलवार तथा अखिल भारतीय अग्रवाल महासभा के तेलंगाना कोषाध्यक्ष सुनील मित्तल विशेष अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समन्वयकर्ता डॉ. सतीश खंडेलवाल करेंगे। हिंदी पत्रकार संघ के खम्मम जिला समन्वयकर्ता सतीश खंडेलवाल ने बताया कि यह कार्यक्रम हिंदी भाषा के प्रति जनमानस में जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के संदेश को भी जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास है।

श्री आई माता मंदिर में श्री आई माताजी का 611वां अवतरण दिवस आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बालाजीनगर स्थित श्री आई माता मंदिर में श्री आई माताजी का 611वां अवतरण दिवस एवं 10वां वार्षिक उत्सव दो दिवसीय कार्यक्रम के रूप में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पूजा-अर्चना, ज्योत प्रज्वलन, महाआरती, जागरण एवं भजन संध्या का आयोजन हुआ। राजस्थान से आए भजन गायक सोहनदास निम्बली एवं हिरपुरजी महाराज बालेसर ने राजस्थानी शैली में भजनों की प्रस्तुति दी। महिला मंडल एवं बच्चों ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

इस अवसर पर गुरुदेव श्री श्री 1008 भवरगिरीजी महाराज का स्वागत किया गया। समाजबंधुओं ने परिवार सहित आई माताजी के चरणों में नारियल अर्पित कर सुख-शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य पदाधिकारियों का सम्मान किया गया तथा श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।

समारोह में नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष घेवरराम चोयल सहित सभी पदाधिकारियों एवं विभिन्न समितियों के सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई तथा निवर्तमान कार्यकारिणी को विदाई दी गई। अध्यक्ष घेवरराम चोयल ने समाज के चहुंमुखी विकास के लिए कार्य करने का आश्वासन दिया। अध्यक्ष जयराम पंवार, सचिव हिरालाल चोयल एवं कोषाध्यक्ष नरेश कुमार सोलंकी सहित समाजबंधुओं का विशेष सहयोग रहा। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

श्री अचलगच्छ जैन संघ संचालित श्री वासुपूज्य स्वामी मंदिर चैतन्यपुरी मे पर्युषण महापर्व अंतर्गत आयोजित स्वामीवात्सल्य के लाभार्थी मातुश्री देवकावेन विरचंद लोडाया परिवार हस्ते मधुवेन विजय जागीरदार का अभिनंदन किया गया। अवसर पर उपस्थित सुशीलादेवी गादिया, कांतीलाल शाह, अशोक शाह, मनुभाई रायचुरा, मनीष नागडा, पारस जागीरदार, नवीन गादिया, रिद्धीश जागीरदार, कल्पना अग्रवाल, कल्पना शाह, गीता शाह, गुणमाला लोडाया, मीनाक्षी नागडा एवं अन्य।

नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन एवं कल्याण संस्था ने मासिक समीक्षा बैठक में

बाल कल्याण व महिला सशक्तिकरण पर की विस्तृत चर्चा

मारेडपल्ली स्थित पंजीकृत कार्यालय में पूर्व कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी योजनाओं का बना खाका

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): नेक्स्टजेन होप फाउंडेशन एवं कल्याण संस्था द्वारा गत 13 सितंबर 2026 को शाम 4:00 बजे कृष्णा निवास, कृष्णापुरी कॉलोनी, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकंदराबाद (तेलंगाना) स्थित पंजीकृत कार्यालय में संयुक्त रूप से एक महत्वपूर्ण मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया।

बाल देखभाल, शिक्षा एवं महिला सशक्तिकरण के मुद्दों पर गहन मंथन

बैठक के दौरान दोनों संस्थाओं द्वारा पूर्व में किए गए सामाजिक कार्यों, वर्तमान गतिविधियों तथा भावी कार्ययोजनाओं की व्यापक समीक्षा की गई। इस अवसर पर विशेष रूप से बाल देखभाल (चाइल्ड केयर), शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सामुदायिक कल्याण से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा संपन्न हुई।

बैठक में उपस्थित सदस्यों ने अपनी मौजूदा पहलों को और अधिक सुदृढ़ बनाने, समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँच (कम्युनिटी रीच) बढ़ाने तथा भविष्य में अधिक प्रभावी एवं सतत (सस्टेनेबल) सामाजिक कार्यक्रम संचालित करने को लेकर विचार-विमर्श किया।

प्रमुख पदाधिकारियों व स्वैच्छिक सदस्यों की रही गरिमामयी उपस्थिति

इस समीक्षा बैठक में मुख्य एवं स्वैच्छिक सदस्यों के रूप में श्रीमती ईश्वरी रोटेला, श्रीमती ज्योति शर्मा, श्रीमती पुष्पा धामी, श्रीमती मंजू रावत, श्रीमती हेमा जोशी एवं श्रीमती मीना उपस्थित रहीं। साथ ही संस्था की अध्यक्ष श्रीमती आरोही रावत तथा कोषाध्यक्ष श्री आदित्य रावत ने भी विशेष रूप से सहभागिता की।

साझा दृष्टिकोण के साथ समाज विकास हेतु दोहराई प्रतिबद्धता

बैठक के समापन पर दोनों गैर-सरकारी संगठनों (छत्र्र्र्री) ने बच्चों के बेहतर भविष्य, महिलाओं को स्वावलंबी बनाने तथा समाज के समग्र विकास के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

दोनों संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने साझा दृष्टिकोण और सामाजिक मिशन को पूर्ण निष्ठा के साथ आगे बढ़ाने के प्रति अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की।

अग्रसेन जयंती महोत्सवः 7 अक्टूबर को महिला उत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो): महाराजा अग्रसेन जयंती महोत्सव के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा आगामी 7 अक्टूबर को सिकंदराबाद स्थित क्लासिक गार्डन में भव्य महिला उत्सव का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय समिति की मंत्री डॉ. सीमा जैन ने समाज की सभी शाखाओं से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की है।

इस उत्सव में महिलाओं और युवतियों के लिए मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। साथ ही भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम, आकर्षक स्टॉल्स और तंबोला विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे। प्रतिभागी सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए डॉ. सीमा जैन (9952968363) तथा स्टॉल बुकिंग के लिए डॉ. स्वाति गोयल (7022671222) से संपर्क कर सकते हैं।

आयोजन में दोपहर के भोजन व शाम की चाय की व्यवस्था रहेगी। प्रति सहभागी पंजीकरण शुल्क 300 निर्धारित किया गया है। अग्रवाल समाज तेलंगाना ने सभी महिलाओं से इस अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आग्रह किया है।

रामदेव सेवा समिति ने निकाली 19वीं पैदल यात्रा

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामदेव सेवा समिति, कोत्तूर द्वारा भादवा सुदी बीज के अवसर पर बाबा रामदेव जी के जन्मोत्सव में भाग लेने के लिए कोत्तूर से शिवरामपल्ली स्थित रामदेवरा मंदिर तक 19वीं पैदल यात्रा का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव एवं उत्साह के साथ यात्रा में भाग लेकर बाबा रामदेव जी के दर्शन किए।इस पावन यात्रा में अरविंद मिर्धा सांखला, निर्मल दाधीच, सज्जनलाल सांखला, मनोज वैष्णव, हीरालाल शर्मा, नेमीचंद कछुआ, अशोक पटेल, पवन शर्मा, सुनील गहलोत, कालूराम गोदारा, दिनेश शर्मा, मूलाराम गोदारा, भंवरलाल शर्मा, चेतन शर्मा, सुनील शर्मा, शंकर सिंह, लक्ष्मीकांत शर्मा, उदाराम देवासी, नरेंद्र शर्मा एवं सुजीत सहित श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

श्री चैतन्या पाठशाला में धूमधाम से मनाया हिंदी दिवस

जहीराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री चैतन्या पाठशाला, जहीराबाद में हिंदी दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या श्रीमती वीणाधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। हिंदी विभाग के नेतृत्व में भाषण, कविता गायन, गीत, निबंध लेखन, चित्रलेखन, प्रश्नोत्तरी, नृत्य एवं एकांकी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्राचार्या वीणाधरी ने कहा कि हिंदी देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली अनमोल भाषा है। शिक्षक एवं कवि प्रभाकर प्राणसुमन ने हिंदी को भारतीयों के लिए गौरव बताते हुए विद्यार्थियों से हिंदी सीखने का आह्वान किया। हिंदी शिक्षिका राजेश्वरी ने हिंदी सीखने के सरल तरीके बताए। कार्यक्रम में डीन श्री वेंकट, शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जीयागुडा डिवीजन के इमामपुरा स्थित नगर निगम कम्युनिटी हॉल में नवा भारत संघम की देखरेख में 21 फीट ऊंची भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई। अध्यक्ष डी. लक्ष्मीनारायण, पूर्व अध्यक्ष मधिरा सत्यनारायण एवं उपाध्यक्ष के. श्रीकांत ने पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर बी. शिवा कुमार ने 27 किलो, जबकि के. श्रीकांत एवं एस. अखिल ने 11-11 किलो के लड्डू भगवान को अर्पित किए। संघम पदाधिकारियों ने लड्डू दानदाताओं का सम्मान किया।

ब्रह्म प्रकाश डीएवी स्कूल में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया हिंदी दिवस

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

ब्रह्म प्रकाश डी. ए. वी. स्कूल, मिधानि में हिंदी दिवस का आयोजन उत्साह एवं उमंग के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति प्रेम, सम्मान एवं गौरव की भावना विकसित करना तथा हिंदी के प्रचार-प्रसार को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री वी. एस. प्रशांत जी ने अपने संबोधन में हिंदी भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को दैनिक जीवन में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को हिंदी में संवाद करने तथा अपने विचारों को प्रभावी ढंग से हिंदी भाषा में व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। हिंदी की रैली, भाषण, कविता-पाठ, नुक्कड़-नाटक, गायन एवं नृत्य जैसी मनमोहक प्रस्तुतियों ने समारोह को जीवंत बना दिया। विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा एवं रचनात्मकता के माध्यम से हिंदी भाषा की सुंदरता, समृद्धि और अभिव्यक्ति की शक्ति को प्रस्तुत किया।समारोह के अंत में प्रधानाचार्य महोदय ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों का आभार व्यक्त किया तथा हिंदी विभाग के सभी शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर विद्यालय की चेयरपर्सन श्रीमती के. मधुबाला, डी.ए.वी. सहायक क्षेत्रीय अधिकारी श्री वी.एन.के. शेषाद्रि, प्राचार्य श्री वी.एस. प्रशांत, एल.एम.सी. सदस्यों ने शुभकामनाएँ व्यक्त कीं।

हिंदी दिवस समारोह विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायी एवं यादगार अनुभव रहा। विद्यालय भविष्य में भी हिंदी भाषा एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार के लिए ऐसे कार्यक्रमों के आयोजन हेतु प्रतिबद्ध है।

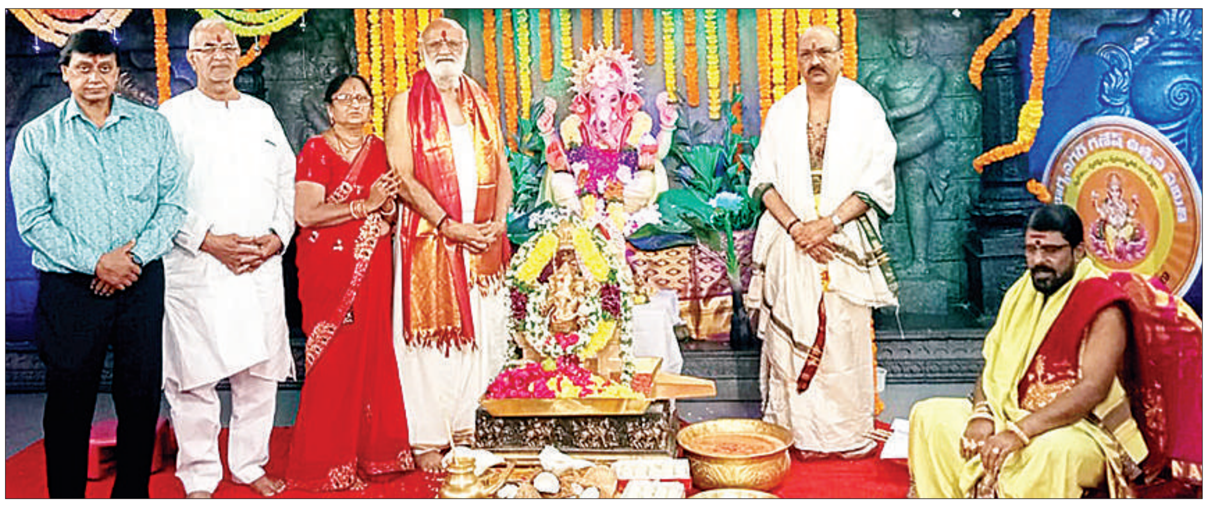

भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के वाइस प्रेसिडेंट गोविंद नारायण राठी, श्रीमती कमला राठी, चंद्रशेखर जी, गिरधारी लाल डागा एवं मनोज जायसवाल ने 14 सितंबर 2026 को टीवी5, जुबली हिल्स स्थित कार्यालय में भगवान गणेश जी की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर आचार्य द्वारा विधिवत मंत्रोच्चार के साथ भगवान गणेश जी का दही, दूध, शहद एवं हल्दी से अभिषेक किया गया। गोविंद नारायण राठी एवं श्रीमती कमला राठी ने अभिषेक में भाग लेकर भगवान गणेश का आशीर्वाद प्राप्त किया।

सीरवी समाज जीडिमेट्ला का भादवा सुदी दूज महोत्सव आयोजित

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जीडिमेट्ला स्थित सीरवी समाज के धार्मिक आस्था केंद्र श्री आई माता मंदिर में श्री आई माताजी के 611वें अवतरण दिवस एवं 23वें वार्षिक उत्सव के अवसर पर दो दिवसीय भादवा सुदी दूज महोत्सव श्रद्धा एवं उत्साह के साथ आयोजित किया गया। समाज अध्यक्ष रावतराम बर्फा एवं सचिव प्रेम पंवार ने बताया कि महोत्सव के दौरान पूजा-अर्चना, सांची ज्योत प्रज्वलन, महाआरती एवं जागरण का आयोजन हुआ। भजन गायक रमेश सोनी (बिलाड़ा, राजस्थान) ने राजस्थानी अंदाज में भजनों की प्रस्तुति दी। रविवार को समाज बंधुओं एवं भक्तों ने सपरिवार आई माताजी के चरणों में आस्था के पुष्प एवं नारियल अर्पित कर परिवार की सुख-शांति की कामना की। महिला मंडल ने भजन प्रस्तुत किए तथा नन्हे-मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर रक्तदान शिविर भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुतबुलापुर विधायक के. पी. विवेकानंद गौड़, पूर्व विधायक श्रीशैलम गौड़, सुभाष नगर कॉर्पोरेटर सुरेश रेड्डी एवं रंगारेड्डी नगर कॉर्पोरेटर विजय शेखर गौड़ का राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया गया। समाज बंधुओं एवं भक्तों के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।

अध्यक्ष रावतराम बर्फा ने समाज बंधुओं को भादवा सुदी दूज की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक ही भवन के नीचे समाज द्वारा इस प्रकार का महोत्सव मनाना गर्व की बात है। सचिव प्रेम पंवार ने समाज की गतिविधियों एवं कार्यों की जानकारी दी तथा नारी शिक्षा और युवाओं में संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला। कोषाध्यक्ष भंवरलाल काग ने समाज का लेखा-जोखा प्रस्तुत करते हुए विकास कार्यों में सहयोग का आह्वान किया।

चंदनवेली औद्योगिक क्षेत्र, हयाताबाद स्थित सनराइज पॉलीपैक की फैक्ट्री में गणेश जी की स्थापना की गई। इस अवसर पर अरुण लाहोटी, मधुसूदन लोया एवं रमेश लाहोटी ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

एस.एन. रेड्डी नगर वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा आयोजित गणेश पंडाल में भगवान श्री गणेश की पूजा-अर्चना के पश्चात तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर एसोसिएशन के पदाधिकारी कमलेकर अरविंद, मीरडटी अनिल, पवन, नेताजी एवं अन्य उपस्थित रहे।

कुकटपल्ली के मैत्रीनगर स्थित श्याम निवास में पुणे के प्रसिद्ध श्रीमंत दगडूशेठ हलवाई गणपति की आकर्षक झांकी में श्री गणेश जी विराजमान किए गए। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

एस.एस.के. समाज द्वारा गणेश महाराज की पूजा-अर्चना एवं धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर यस.एस.के. समाज के महासचिव कट्टीघर शंकर राव, बीआरएस पार्टी के मंगलहाट डिवीजन प्रभारी एच. कुमार, विवाद समिति प्रमुख गंबू नागराज, गंभीर सुरेश, विजयलक्ष्मी, राजकुमार कट्टीघर, पुजारी सतीश, वेंकटेश सुरती, विश्वनाथ, रतन विजय, सात विनय, अशोक, बालाजी सहित समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिकंदराबाद सिखवाल समाज द्वारा महांकाली पुलिस स्टेशन के पास धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ भगवान गणेश की प्रतिमा विराजमान की गई। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में महांकाली पुलिस स्टेशन के एसीपी श्रीधर एवं सीआई रवि कुमार ने शिरकत की। इस अवसर पर समाज के अध्यक्ष नटवर लाल व्यास, मंत्री भागीरथ पांडिया सहित अन्य प्रमुख सदस्यों ने पुलिस अधिकारियों का शॉल ओढ़ाकर भव्य स्वागत किया। अतिथियों ने भगवान गणेश के दर्शन कर समाजजनों को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं दीं।

उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने ब्रिक्स महिला आर्थिक गलियारे की मांग की

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अपोलो फाउंडेशन की उपाध्यक्ष और यूआरलाइफ की संस्थापक उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने ब्रिक्स देशों की महिला उद्यमियों को पूंजी, बाजार और साझेदारी से जोड़ने के लिए 'ब्रिक्स महिला आर्थिक गलियारा' बनाने का प्रस्ताव रखा है। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स विमेंस बिजनेस अलायंस समिट को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि महिलाओं का सशक्तिकरण सिर्फ प्रतिनिधित्व तक सीमित न रहकर वास्तविक आर्थिक शक्ति में बदलना चाहिए।

उन्होंने कहा, महिला को सिर्फ मेज पर सीट मत दीजिए। उसे मेज में हिस्सेदारी दीजिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के महिला-नेतृत्व वाले विकास के विजन का उल्लेख करते हुए स्टार्टअप को पूंजी, नेटवर्किंग को ठेके और वित्तीय समावेशन को संपत्ति में बदलने पर जोर दिया।

बड़ी चौड़ी स्थित एक्रोपोलिस ट्यूलिप अपार्टमेंट के वर्मा निवास में श्री गणेश महाराज की विधिवत पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर श्रीमती पुष्पा वर्मा, पंकज वर्मा, सोनाली वर्मा, यशमित, तीर्थ एवं छवि उपस्थित रहे।

नई दिल्ली में केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से शिष्टाचार भेंट करते हुए भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी एवं विष्णु दास।

श्री पंचमुखी बालाजी चौधरीवास धाम परिवार के 200 सदस्यों ने देखा 'हनुमान अंश' फिल्म

बेंगलूरु, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री पंचमुखी बालाजी चौधरीवास धाम परिवार, बेंगलूरु की ओर से सिनेपोलिस, ईटीए नम्मा मॉल में धार्मिक एवं प्रेरणादायी फिल्म 'हनुमान अंश' का विशेष प्रदर्शन आयोजित किया गया। संस्था के करीब 200 सदस्यों एवं उनके परिव-ारजनों को निःशुल्क फिल्म दिखाई गई। फिल्म से पहले और समापन पर सामूहिक श्रीहनुमान चालीसा का पाठ किया गया। संस्था का उद्देश्य नई पीढ़ी को भगवान हनुमानजी की भक्ति, सेवा, साहस, निष्ठा एवं समर्पण के आदर्शों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में अशोक अग्रवाल, अरुण गर्ग, साहिल केडिया, आशू मित्तल, प्रदीप चौधरी, सौरभ मित्तल, गौरव शर्मा, राहुल अग्रवाल, रामनिक राज अग्रवाल, सुनील बजाज, उमेश तुलस्यान सहित संस्था के सदस्यों का सहयोग रहा।

अग्रवाल समाज श्रीनगर कॉलोनी शाखा के अध्यक्ष उमाशंकर गोयनका के निवास पर श्री गणेश जी का खूबसूरत श्रृंगार किया गया। उनके पुत्र हर्ष गोयनका ने स्वयं आकर्षक पंडाल का निर्माण किया। इस अवसर पर उमाशंकर गोयनका ने विधिवत पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश का आशीर्वाद लिया।

फीलखाना बर्तन बाजार में बजरंग युवा सेना द्वारा आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में एसएचओ मोहन एवं बीआरएस नेता चेतन तिवारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर सभी ने सुख-समृद्धि एवं मंगल की कामना की।

रेवंत रेड्डी आज विधानसभा में 22ए राहत के प्रस्ताव पेश करेंगे?

धारा 22ए सूची से प्रभावित संपत्ति मालिकों को राहत और धरानी पोर्टल के जरिए सरकारी जमीन के अवैध हस्तांतरण की जांच का ऐलान संभव

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी बुधवार को विधानसभा में धारा 22ए निषेध सूची में शामिल भूमि के मालिकों को राहत देने के प्रमुख उपायों की घोषणा कर सकते हैं। साथ ही वे पूर्व बीआरएस शासन काल में धरानी पोर्टल के जरिए धारा 22ए और अन्य सरकारी भूमि को निजी व्यक्तियों के नाम अवैध रूप से हस्तांतरित किए जाने के आरोपों की जांच के आदेश भी दे सकते हैं।

मंगलवार को मुख्यमंत्री ने धारा 22ए से जुड़े मुद्दों पर मंत्रियों और राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्का, राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी, डी. श्रीधर बाबू, दामोदर राजानरसिम्हा, जी. विवेक तथा मुख्यमंत्री कार्यालय, राजस्व, स्टांप और पंजीकरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

बैठक में वास्तविक संपत्ति मालिकों को राहत देने के विकल्पों पर चर्चा हुई। इसमें पात्र निजी संपत्तियों को धारा 22ए से हटाने की प्रक्रिया और क्या इन्हें बिना शुल्क या निर्धारित शुल्क लेकर नियमित किया जा सकता है, इस पर विचार किया गया। साथ ही भविष्य में सरकार को किसी कानूनी उलझन का सामना न करना पड़े, इसका भी ध्यान रखा गया।

रेवंत रेड्डी विधानसभा में बीआरएस शासन काल में धारा 22ए प्रावधानों के दुरुपयोग और धरानी पोर्टल के जरिए बीआरएस नेताओं तथा उनके समर्थकों को सरकारी

भूमि हस्तांतरित किए जाने संबंधी दस्तावेजी सबूत भी पेश कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से यह भी जानकारी मांगी कि संयुक्त आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में पूर्व सरकारों के दौरान कई निजी संपत्तियां और पूरे कॉलोनियां धारा 22ए सूची में कैसे शामिल हो गईं। उन्हें कांग्रेस सरकार द्वारा किए गए सुधारात्मक उपायों की भी जानकारी दी गई, जिसमें प्रभावित मालिकों की शिकायतों के आधार पर टोल-फ्री कॉल सेंटर के जरिए पात्र संपत्तियों को निषेध सूची से हटाना शामिल है।

सरकार द्वारा मुद्दे को संबोधित करने के बाद टोल-फ्री कॉल सेंटर पर शिकायतों की संख्या में गिरावट आई है। 18 अगस्त को पहले दिन 117 कॉल आई थीं, 19 अगस्त को 198, 20 अगस्त को 189, 21 अगस्त को 369, 22 अगस्त को 304 और 24 अगस्त को 317 कॉल आईं। इसके बाद संख्या लगातार घटकर 7 सितंबर को 56 रह गई।

सरकार यह भी रेखांकित कर सकती है कि धारा 22ए के मुद्दे से पंजीकरण राजस्व में कोई गिरावट नहीं आई है। 2026-27 के पहले पांच महीनों (अप्रैल से अगस्त) में पंजीकरण राजस्व 7,575 करोड़ रुपये रहा, जबकि 2025-26 की इसी अवधि में यह 6,216 करोड़ रुपये था। यानी करीब 1,359 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई।

अधिकारियों ने बताया कि सरकार को धरानी शुरू होने से पहले ही भूमि रिकॉर्ड में कई त्रुटियां, विसंगतियां और अधूरी जानकारी विरासत में मिली थीं। भू भारती में डेटा अपलोड करते समय कुछ गलतियां हुईं, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इन्हें छिपाया नहीं और मुख्यमंत्री के निर्देश पर सुधार के कदम उठाए।

उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया की कानूनी पृष्ठभूमि उच्च न्यायालय के निर्देश में है, जिसके बाद तत्कालीन सरकार ने 2016 में जीओ 121 जारी किया और 2017 में दिशानिर्देश बनाए। लेकिन बीआरएस सरकार ने इन दिशानिर्देशों को लागू नहीं किया। नतीजतन 2017 से 2025 के बीच धारा 22ए से संबंधित 28,611 मामले उच्च न्यायालय में दायर हुए।

अदालत के और निर्देशों के बाद 3 दिसंबर 2025 को ए, बी, सी, डी और ई श्रेणियों के तहत धारा 22ए सूचियां सार्वजनिक डोमेन में रख दी गईं।

बीडीएल को राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार

वित्तीय वर्ष 2025-26 में उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए मिला तृतीय पुरस्कार

लगातार दूसरे वर्ष उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए बीडीएल को मिला राष्ट्रीय पुरस्कार

मुंबई, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के उद्यम भारत डायनामिक्स लिमिटेड को वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 'ग' क्षेत्र के उपक्रमों के अंतर्गत उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार (तृतीय) से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार हिंदी दिवस 2026 एवं छठे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन के अवसर पर मुंबई में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में भारत डायनामिक्स लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री शैलेश वगेरवाल ने भारत सरकार के गृह राज्य मंत्री श्री बंडी संजय कुमार से प्राप्त किया।

इस अवसर पर गृह राज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय एवं राजभाषा विभाग की सचिव श्रीमती अंशुली आर्य सहित अन्य गणमान्य विद्वान भी उपस्थित थे।

यह लगातार दूसरा वर्ष है, जब भारत डायनामिक्स लिमिटेड को उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजभाषा कीर्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि उद्यम में हिंदी के प्रभावी प्रयोग एवं राजभाषा कार्यान्वयन के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है। पुरस्कार ग्रहण करने के उपरांत अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्री शैलेश वगेरवाल ने इस उपलब्धि के लिए राजभाषा कार्यान्वयन में योगदान देने वाले उद्यम के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा विशेष रूप से राजभाषा विभाग के साथियों को बधाई दी।

इस अवसर पर भारत डायनामिक्स लिमिटेड के अपर महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री होमिनिधि शर्मा और डॉ. नरसिंहम शिवकोटि, उप प्रबंधक (राजभाषा) भी उपस्थित रहे।

ब्रिक्स 2026 में जैन समाज का प्रतिनिधित्व करते नजर आए प्रख्यात वास्तुविद डॉ. रवींद्र जैन

पिरामिड वास्तु व एक्यूप्रेशर पर विशेष संबोधन; व्यापार, निवेश, डिफेंस, संस्कृति एवं भारत के वैश्विक संबंधों पर हुई महत्वपूर्ण चर्चाएं

नई दिल्ली, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):
ब्रिक्स 2026 से जुड़े विभिन्न अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में जैन समाज की ओर से प्रमुख प्रतिनिधि के रूप में बेंगलूरु के सुविख्यात वास्तुविद आचार्य डॉ. रवींद्र जैन ने सक्रिय सहभागिता दर्ज की। डॉ. जैन ब्रिक्स इंटरनेशनल बिजनेस फोरम की अध्यक्षा (प्रेसिडेंट) पूर्णिमा आनंद के साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य कर रहे हैं तथा ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक एवं राजनयिक संबंधों को सुदृढ़ करने की दिशा में निरंतर सक्रिय हैं।

डॉ. रवींद्र जैन ने ब्रिक्स से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं बैठकों में हिस्सा लिया। इनमें ली मैरिडियन होटल, इरोज़ होटल, ललित अशोक होटल तथा भारत मंडपम में आयोजित विभिन्न उच्चस्तरीय कार्यक्रम प्रमुख रहे। इसके अलावा 'ब्रिक्स विमेन' से जुड़े कार्यक्रमों में भी उन्होंने विशेष रूप से सहभागिता की।

ली मैरिडियन में 10-15 देशों के प्रतिनिधियों का समागम, अंतरराष्ट्रीय सहयोग पर मंथन

ली मैरिडियन होटल में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में लगभग 10 से 15 देशों के प्रतिनिधियों, राजनयिकों, उद्य-

ोगपतियों, बिजनेस लीडर्स और विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों ने भाग लिया। भारत सहित रूस, सिंगापुर, ब्राजील और अन्य देशों के प्रतिनिधियों के साथ व्यापार, निवेश, डिफेंस तथा अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर अत्यंत महत्वपूर्ण चर्चाएं हुईं।

इस अवसर पर फिल्म निर्देशक सरफराज आलम, पूर्व केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, संस्कृति एवं अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथि तथा ब्रिक्स संस्कृति से जुड़े कई वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

स्टील किंग राजेंद्र मिगलानी, दुबई रॉयल फैमिली व अंतरराष्ट्रीय हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति

कार्यक्रम में भारत के उद्योग जगत से जुड़े कई प्रमुख दिग्गजों की उपस्थिति रही। 'स्टील किंग ऑफ इंडिया' राजेंद्र मिगलानी, उत्तम गाल्वा कंपनी के चेयरमैन सहित अनेक बड़े उद्योगपतियों एवं व्यावसायिक प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया।

साथ ही, दुबई की रॉयल फैमिली से जुड़े विशिष्ट अतिथि, दुबई पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी तथा शेख सलीम भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त फुटबॉल जगत से जुड़े अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और दुबई के प्रमुख बिजनेस प्रतिनिधियों की मौजूदगी ने आयोजन को और अधिक गरिमामयी बनाया।

पिरामिड वास्तु एवं एक्यूप्रेशर पर डॉ. रवींद्र जैन के संबोधन ने खींचा सबका ध्यान

कार्यक्रम के दौरान डॉ. रवींद्र जैन द्वारा पिरामिड एवं वास्तु शास्त्र पर दिए गए विशेष संबोधन में अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और वैश्विक बिजनेसमैन ने गहरी रुचि दिखाई। कई देशों के प्रतिनिधियों ने डॉ. जैन से पिरामिड वास्तु के साथ-साथ एक्यूप्रेशर की विधा के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

सत्र के दौरान चीन में आयोजित होने वाले आगामी ब्रिक्स सम्मेलनों की तैयारियों तथा भारत में विदेशी निवेश की अपार संभावनाओं को लेकर भी व्यापक विचार-विमर्श हुआ। कुल मिलाकर, जैन समाज की ओर से मुख्य प्रतिनिधि के रूप में डॉ. रवींद्र जैन की ब्रिक्स 2026 में यह सक्रिय सहभागिता वैश्विक पटल पर अत्यंत महत्वपूर्ण व गौरवमयी मानी जा रही है।

तेलंगाना मुक्ति दिवस को आधिकारिक रूप से मनाने की मांग

गोलमेज बैठक में पूर्व राज्यपालों और नेताओं ने कहा- 17 सितंबर की ऐतिहासिक महत्ता आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचे

हैदराबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रेस क्लब, सोमाजिगुड़ा में आयोजित एक गोलमेज बैठक में प्रमुख हस्तियों ने राज्य सरकार से 17 सितंबर को तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में आधिकारिक रूप से मनाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस दिन के ऐतिहासिक महत्व को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है।

अलाई बलाई फाउंडेशन के तत्वावधान में और श्रीमती बडारू विजयलक्ष्मी के नेतृत्व में आयोजित इस बैठक का विषय थासरकार को तेलंगाना मुक्ति दिवस को आधिकारिक रूप से मनाना चाहिए। इसमें पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय, महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल श्री सी.एच. विद्यासागर राव, मल्काजगिरी सांसद श्री इटाला राजेंद्र, एमएलसी श्री कोदंडाराम, एमएलसी श्री अंजि रेड्डी, श्री प्रेम सिंह राठौड़, श्री बी.एस. रामुलु, श्री पशम यादगिरि, श्रीमती पदुरी करुणा सहित सामाजिक, राजनीतिक और ऐतिहासिक क्षेत्र की कई प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।

वक्ताओं ने एकमत से तेलंगाना सरकार से अपील की कि वह कर्नाटक और महाराष्ट्र की तर्ज पर 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से तेलंगाना मुक्ति दिवस के रूप में मनाए।

17 सितंबर तेलंगाना के इतिहास का महत्वपूर्ण दिन: बंडारू दत्तात्रेय

पूर्व राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि 17 सितंबर तेलंगाना के इतिहास का सबसे महत्वपूर्ण दिनों में से एक है। उन्होंने निजाम के निरंकुश शासन में तेलंगाना की जनता पर हुए अत्याचार, शोषण और हिंसा का जिक्र किया। कासिम रजवी के नेतृत्व में रजाकारों द्वारा की गई हिंसा और हत्याओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि लगभग 13 महीने तक जनता ने भारी कष्ट सहा।

उन्होंने याद दिलाया कि तत्कालीन केंद्रीय गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल के दृढ़ नेतृत्व में भारतीय सेना की कार्रवाई के बाद निजाम का शासन समाप्त हुआ और तेलंगाना क्षेत्र भारतीय संघ में शामिल हो गया। इस ऐतिहासिक घटना से तेलंगाना की जनता निजाम के अत्याचारी शासन से मुक्त हुई। उन्होंने कहा कि मुक्ति संग्राम में शहीद हुए लोगों के बलिदान को याद रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है और इस इतिहास को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है।

महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल सी.एच. विद्यासागर राव ने कहा कि तेलंगाना मुक्ति आंदोलन का इतिहास आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाना सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री रहते हुए बैरांपल्ली गांव की अपनी यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वह गांव रजाकारों के अत्याचारों का दुखद गवाह है। उन्होंने जोर दिया कि तेलंगाना मुक्ति संग्राम के इतिहास को राजनीतिक विचारों से ऊपर रखकर सच्चाई के साथ भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना चाहिए। 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से मनाने से तेलंगाना के इतिहास और शहीदों के बलिदान को उचित मान्यता मिलेगी।

अन्य वक्ताओं ने कहा कि 17 सितंबर को आधिकारिक रूप से मनाने से तेलंगाना का इतिहास आम लोगों, खासकर युवा पीढ़ी तक पहुंचेगा। उन्होंने ऐतिहासिक साक्ष्य जुटाने, शोध को बढ़ावा देने और शिक्षा पाठ्यक्रम तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से इस इतिहास को आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। बैठक में राज्य सरकार से अपील की गई कि वह न केवल तेलंगाना मुक्ति दिवस को आधिकारिक रूप से मनाए, बल्कि 17 सितंबर को भव्य राज्यस्तरीय कार्यक्रम भी आयोजित करे।

इस गोलमेज बैठक में इतिहासकार, समाजशास्त्री, राजनीतिक नेता, बुद्धिजीवी और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियां शामिल हुईं।

मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल का 95वाँ गणेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ शुरू

निजामाबाद, 15 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो):
राजस्थानी सेवा समाज संघ द्वारा संचालित 'मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल' के 95वें गणेश-ोत्सव कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेशजी की प्रतिमा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, निजामाबाद शहर के प्रख्यात व्यवसायी व समाजसेवी श्री गोपाल अग्रवाल के कर-कमलों द्वारा ध्वजारोहण संपन्न हुआ।

ध्वजारोहण के बाद एक विराट सभा का आयोजन किया गया, जिसमें राजस्थानी सेवा समाज संघ के अध्यक्ष श्री लक्ष्मण जाजू ने मुख्य अतिथि श्री गोपाल अग्रवाल का पुष्पमाला पहनाकर व स्मृति चिह्न भेंट कर आत्मीय सम्मान किया। अध्यक्ष श्री लक्ष्मण जाजू ने अपने स्वागत भाषण में उपस्थित सभी अतिथियों का अभिनंदन किया। इसके उपरांत संस्था के मंत्री श्री प्रवीण व्यास ने संस्था की विगत वर्षों की गतिविधियों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा 95वें गणेशोत्सव के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों की जानकारी दी।कार्यक्रम संयोजक श्री सतीश व्यास ने इस वर्ष के गणेश उत्सव में की जाने वाली विशेष सजावट (डेकोरेशन) तथा आकर्षक झांकियों की रूपरेखा सामने रखी।

मुख्य अतिथि ने याद की 50 वर्षों की सेवा, समाज को दिया एकजुटता का संदेश

अपने संबोधन में मुख्य अतिथि श्री गोपाल अग्रवाल ने सभी उपस्थित श्रद्धालुओं को गणेश चतुर्थी की शुभकामनाएं देते हुए कहा, मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल में 50 वर्षों तक सेवा देना मेरा सौभाग्य रहा है और आज इस 95वें गणेशोत्सव का मुख्य अतिथि बनना मेरे लिए अत्यंत गौरव का विषय है।

उन्होंने लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध हिंदू समाज को एकजुट करने के उद्देश्य से सार्वजनिक गणेशोत्सव की शुरुआत की थी। इसके साथ ही उन्होंने सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करने पर बल देते हुए युवाओं से समय पर विवाह करने तथा परिवार व समाज की सहभागिता बढ़ाने का आह्वान किया। सभा को राजस्थानी समाज के गणमान्य नागरिक श्री सीताराम पांडे तथा श्री श्रीवल्लभ सारड़ा ने भी संबोधित किया।

पूर्व संयोजकों का सम्मान व 95वें गणेशोत्सव हेतु समितियों की घोषणा

समारोह में 94वें गणेशोत्सव को सफलतापूर्वक संपन्न कराने वाले कार्यक्रम संयोजकों एवं विभिन्न गठित समितियों के संयोजकों को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। संपूर्ण कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन संस्था के सदस्य श्री उदय उपाध्याय द्वारा किया गया।

इस अवसर पर संस्था के उपाध्यक्ष बालकिशन बंग, उपमंत्री नितिन पांडे, कोषाध्यक्ष जुगलकिशोर जाजू, 95वें गणेशोत्सव के संयोजक सतीश व्यास, श्याम तिवारी, सुनील मुंडेल सहित अन्य समितियों के प्रमुख व गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे

राधे-राधे ग्रुप की पहल बनी मिसाल : सोहनलाल दायमा

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास जारी नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को श्रद्धापूर्वक भोजन वितरित किया गया। नियमित रूप से चल रही इस सेवा पहल के माध्यम से ग्रुप के सदस्य मानव सेवा के साथ-साथ समाज में आपसी सहयोग, संवेदना और सेवा संस्कार का संदेश दे रहे हैं।इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सोहनलाल दायमा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निष्ठा के साथ सेवा कार्य कर रहा है, उसकी जितनी सराहना की जाए, उतनी कम है। उन्होंने कहा कि ग्रुप द्वारा नियमित रूप से जरूरतमंदों के लिए अन्नदान करना अपने आप में एक अनुकरणीय कार्य है। आज के समय में जब हर व्यक्ति अपने कार्य और जिम्मेदारियों में व्यस्त है, ऐसे समय में जरूरतमंदों के लिए समय निकालकर सेवा करना समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानवता की सच्ची भावना को दर्शाता है।

दायमा ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप इतना अच्छा काम कर रहा है कि इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। सेवा के प्रति सदस्यों का उत्साह और निरंतरता देखकर यह महसूस होता है कि जब समाज के लोग मिलकर किसी अच्छे उद्देश्य को अपना संकल्प बना लेते हैं, तो सेवा का कार्य केवल एक कार्यक्रम नहीं रहता, बल्कि एक जनसेवा अभियान का रूप ले लेता है। उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की सबसे बड़ी विशेषता यही है कि यहां सेवा को दिखावे के लिए नहीं, बल्कि जरूरतमंदों की सहायता और मानवता के भाव से किया जा रहा है।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, सुमन अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, सुरेश सिंघल, सोहनलाल दायमा, जय प्रकाश सारड़ा, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, दीपक अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.